* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

26 जून, 2023
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 08, अंक 246

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

मित्र के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को सर्वोच्च राजकीय सम्मान से नवाजा

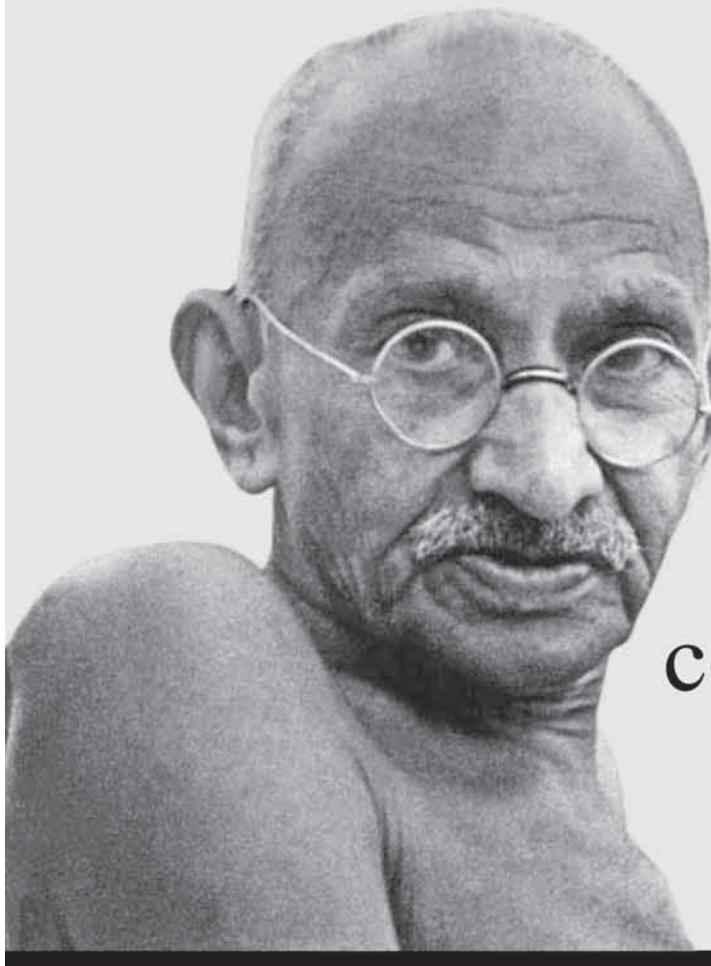

"Facts mean truth,
and once
we adhere to truth,
the law
comes to our aid naturally."

Mahatma Gandhi
"The Story of my Experiments with Truth"(1929)

Lead
Aspire
Win

BA - LL B (Hons)

B Com - LL B (Hons)

BBA - LL B (Hons)

5 Year Integrated Course

Recognised by Bar Council of India

SARALA BIRLA UNIVERSITY

BAR COUNCIL OF INDIA

Supported by :

ADITYA BIRLA GROUP

B K BIRLA GROUP OF COMPANIES

ADMISSIONS
OPEN
2023-24

SARALA BIRLA UNIVERSITY, RANCHI

Birla Knowledge City, Mahilong, Ranchi - 835103 (Jharkhand)

Toll Free No. : 1800 890 6077 | admission@sburanchi.ac.in | www.sbu.ac.in

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

सर्राफा
सोना (बिक्री) 55,300 रु./10 ग्राम
चांदी 70,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 26 जून, 2023
www.azadsipahi.in
02

भारतीय लोकतंत्र का वह काला दिन

भारत के राजनीतिक इतिहास में 15 अगस्त, 1947 यदि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है, तो 26 जून, 1975 का दिन उस लोकतंत्र पर हुए पहले और अब तक के सबसे बड़े प्रहार के रूप में याद किया जाता है। इसलिए 26 जून की तारीख को लोकतंत्र का काला दिवस भी कहा जाता है। आज से 48 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश की लोकतांत्रिक संरचना को सत्ता के मद में इतनी बुरी तरह निचोड़ दिया था कि उसका दर्द आज तक रह-रह कर उभर आता है। जिस भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का अभिमान था, उसकी आत्मा को सत्ताधारी दल कांग्रेस ने पिंजरे में कैद ही नहीं कर दिया था, बल्कि अपने विरोध में उठनेवाली हर आवाज को जबरन बंद कर दिया था। नागरिकों के लोकतांत्रिक अधिकारों को सत्ता के बूटों तले रौंद दिया गया था। अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार को जब्त कर लिया गया था। वह ऐसा दौर था, जिसमें एकबारगी ऐसा लगने लगा था कि भारत अब दोबारा कभी अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सकेगा और न खुली हवा में सांस ले सकेगा। भारतीय लोकतंत्र पर यह सबसे बड़ा आघात था और 26 जून की तारीख को इसीलिए हमेशा याद रखने की जरूरत है। इमरजेंसी के उस काले दिन के 48 साल पूरा होने के मौके पर इसके तमाम पहलुओं के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

आजाद सिपाही विशेष

■ 48 साल पहले आज ही के दिन इंदिरा गांधी सरकार ने लगायी थी इमरजेंसी

■ तानाशाही के उस भयानक दौर में महान भारत की आत्मा तक सिहर उठी थी

■ सत्ता और सत्ताधारी दल कांग्रेस के आतंक को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता

राकेश सिंह

दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, यानी भारत के 140 करोड़ लोग 26 जून को काला दिवस के रूप में पिछले 48 वर्षों से याद रखे हुए हैं। 1975 में इसी दिन सुबह रेडियो पर इमरजेंसी का एलान हुआ था। इस एलान से कुछ घंटे पहले आधी रात के आसपास तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में अपने खिलाफ बढ़ती नाराजगी को दबाने के लिए देश को इमरजेंसी की आग में झोंक दिया था। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में इस दिन को देश के सबसे दुर्भाग्यपूर्ण दिन की संज्ञा दी जाती है। 48 साल पहले आज के ही दिन देश के लोगों ने रेडियो पर वह एलान सुना और देश में जंगल की आग की तरह खबर फैल गयी कि सारे भारत में अब आपातकाल की घोषणा कर दी गयी है। 48 साल के बाद भले ही देश के लोकतंत्र की एक गरिमामयी तस्वीर सारी दुनिया में प्रशस्त हो रही हो, लेकिन आज भी अतीत में 26 जून का दिन लोकतंत्र के एक काले अध्याय के रूप में दर्ज है।

इमरजेंसी का यह दौर 26 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक चला था। 21 महीने तक आपातकाल का दौर चला था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार की सिफारिश पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अधीन देश में आपातकाल की घोषणा की थी। 25 जून और 26 जून की मध्य रात्रि में तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के हस्ताक्षर के साथ ही देश में पहली और संभवतः अंतिम बार इस तरह का आपातकाल लागू हुआ था। 26 जून की सुबह समूचे देश ने रेडियो पर इंदिरा की आवाज में संदेश सुना था, भाइयों और बहनों, राष्ट्रपति जी ने आपातकाल की घोषणा की है। इससे आतंकित होने का कोई कारण नहीं है। लेकिन इंदिरा गांधी पूरी तरह से झूठ बोल रही थीं, यह कुछ ही समय से सच साबित हो गया।

इमरजेंसी यानी आपातकाल की घोषणा के साथ ही देश के नागरिकों के मौलिक अधिकार निलंबित कर दिये गये थे। अभिव्यक्ति का अधिकार ही नहीं, लोगों के पास जीवन का अधिकार भी नहीं छोड़ा गया था। सच तो यह भी है कि 25 जून की रात से ही देश में विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियों का दौर शुरू हो गया था। जयप्रकाश नारायण, लालकृष्ण आडवाणी, अटल बिहारी वाजपेयी, जॉर्ज फर्नांडीस, चंद्रशेखर, चौधरी चरण सिंह, मोरारजी देसाई, चौधरी देवीलाल आदि बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। जेलों में जगह नहीं बची थी।

इंदिरा सरकार ने राजनेताओं को तो जेल में ही डाल दिया, इसके अलावा प्रशासन और पुलिस के द्वारा भारी उत्पीड़न की कहानियां सामने आयी थीं। प्रेस पर भी सेंसरशिप लगा दी गयी थी। हर अखबार में सेंसर अधिकारी बैठा दिया गया। उसकी अनुमति के बाद ही कोई समाचार छप सकता था। इसीलिए तब एक प्रतिष्ठित अंग्रेजी समाचार पत्र 'इंडियन एक्सप्रेस' ने अपने संपादकीय पृष्ठ पर प्रश्न चिन्ह बनाकर खाली छाप दिया था। यह वह दौर था, जब इंदिरा सरकार के विरोध में समाचार छापने पर ही संपादक की गिरफ्तारी हो जाती थी। यह सब तब थम सका, जब 23 जनवरी, 1977 को मार्च महीने में चुनाव की घोषणा हो गयी, जिसमें जनता ने कांग्रेस और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी तक को हार का स्वाद चखा दिया था।

दरअसल प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की संदिग्ध मौत के बाद देश की प्रधानमंत्री बनीं इंदिरा गांधी का कुछ कारणों से न्यायपालिका से टकराव शुरू हो गया था। यही टकराव आपातकाल की पृष्ठभूमि बना था। आपातकाल के लिए 27 फरवरी, 1967 को आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बड़ी पृष्ठभूमि तैयार की। एक मामले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुब्बाराव के नेतृत्व वाली एक खंडपीठ ने सात बनाम छह जजों के बहुतम से से सुनाये गये फैसले में यह कहा था कि संसद में दो तिहाई बहुमत के साथ भी किसी संविधान संशोधन के जरिये मूलभूत अधिकारों के प्रावधान को न तो खत्म किया जा सकता है और न ही इन्हें सीमित किया जा सकता है।

इसके बाद 1971 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी ने अपनी पार्टी को अभूतपूर्व जीत दिलायी थी और खुद भी बड़े अंतर से चुनाव जीती थीं। खुद इंदिरा गांधी की जीत पर सवाल उठाते हुए उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी राजनारायण ने 1971 में अदालत का दरवाजा खटखटाया था। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर इंदिरा गांधी के सामने रायबरेली लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने वाले राजनारायण ने अपनी याचिका में आरोप लगाया था कि इंदिरा गांधी ने चुनाव जीतने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल किया है। मामले की सुनवाई इलाहाबाद हाइकोर्ट में हुई और न्यायमूर्ति जगमोहन लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त कर दिया। इस फैसले से आक्रोशित होकर ही इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी लगाने का फैसला किया।

कोर्ट के फैसले से इंदिरा गांधी इतना क्रोधित हो गयी थीं कि अगले दिन ही उन्होंने बिना कैबिनेट की औपचारिक बैठक के आपातकाल लगाने की अनुशंसा राष्ट्रपति से कर डाली, जिस पर राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने 25 जून और 26 जून की मध्य रात्रि में ही अपने हस्ताक्षर कर डाले और इस तरह देश में पहला आपातकाल लागू हो गया।

देश में इमरजेंसी लगाये जाने पर इंदिरा गांधी के निजी सचिव रहे दिवंगत आरके धवन ने कहा था कि सोनिया और राजीव गांधी के मन में इमरजेंसी को लेकर कभी किसी तरह का संदेह या पछतावा नहीं था। और तो और, मेनका गांधी को इमरजेंसी से जुड़ी सारी बातें पता थीं और वह हर कदम पर पति संजय गांधी के साथ थीं। वह मासूम या अनजान होने का दावा नहीं कर सकतीं। आरके धवन ने यह खुलासा एक न्यूज चौनल को दिये गये इंटरव्यू में किया था। धवन ने बताया था कि पश्चिम बंगाल के तत्कालीन सीएम सिद्धार्थ शंकर राय ने जनवरी 1975 में ही इंदिरा गांधी को आपातकाल लगाने की सलाह दी थी। इमरजेंसी की योजना तो काफी पहले से ही बन गयी थी। धवन ने बताया था कि तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को आपातकाल लागू करने के लिए उद्घोषणा पर हस्ताक्षर करने में कोई आपत्ति नहीं थी। वह तो इसके लिए तुरंत तैयार हो गये थे। धवन ने यह भी बताया था कि किस तरह आपातकाल के दौरान मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाकर उन्हें निर्देश दिया गया था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के उन सदस्यों और विपक्ष के नेताओं की लिस्ट तैयार कर ली जाये, जिन्हें गिरफ्तार किया जाना है। इसी तरह की तैयारियां दिल्ली में भी की गयी थीं। इमरजेंसी खत्म होने के बाद हुए चुनाव में जनता पार्टी की सरकार बनी थी। यह और बात है कि आपसी मतभेद के कारण यह सरकार लंबी नहीं चली और कुछ समय के बाद फिर से कांग्रेस सत्ता में आ गयी।

क्या हुआ था 25-26 जून, 1975 को

सुबह 6.00 बजे

सिद्धार्थ शंकर रे पीएम आवास तलब

25 जून 1975 की सुबह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर रे के फोन की घंटी बजी। उस समय वह दिल्ली में ही बंग भवन के अपने कमरे में बिस्तर पर लेटे हुए थे। दूसरे छोर पर इंदिरा गांधी के विशेष सहायक आरके धवन थे, जो उन्हें प्रधानमंत्री निवास तलब कर रहे थे। जब रे 1, सफदरजंग रोड पहुंचे, तो इंदिरा गांधी अपनी स्टडी में बड़ी मेज के सामने बैठी हुई थीं, जिस पर खुफिया रिपोर्टों का ढेर लगा हुआ था। अगले दो घंटों तक वे दोनों देश की स्थिति पर बात करते रहे। इंदिरा का कहना था कि पूरे देश में अव्यवस्था फैल रही है। गुजरात और बिहार की विधानसभाएं भंग की जा चुकी हैं। इस तरह तो विपक्ष की मांगों का कोई अंत ही नहीं होगा। हमें कड़े फैसले लेने की जरूरत है। इंदिरा ने यह भी कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन की 'हेट लिस्ट' में सबसे ऊपर हैं और उन्हें डर है कि कहीं उनकी सरकार का भी सीआइए की मदद से चिली के राष्ट्रपति साल्वाडोर अयेंदे की तरह तख्ता न पलट दिया जाये। बाद में एक इंटरव्यू में भी इंदिरा ने स्वीकार किया कि भारत को एक 'शॉक ट्रीटमेंट' की जरूरत थी। इंदिरा ने सिद्धार्थ शंकर रे को इसलिए बुलाया था, क्योंकि वह संवैधानिक मामलों के विशेषज्ञ माने जाते थे। मजे की बात यह थी कि उन्होंने तब तक अपने कानून मंत्री एचआर गोखले से इस बारे में कोई सलाह मशविरा नहीं किया था। रे ने इंदिरा से कहा, मुझे वापस जाकर संवैधानिक स्थिति को समझने दीजिए।

दोपहर 3.30 बजे

रे वापस आये और इमरजेंसी की सलाह दी

इंदिरा राजी हो गयीं, लेकिन यह भी कहा कि आप 'जल्द से जल्द' वापस आइए। रे ने वापस आकर न सिर्फ भारतीय, बल्कि अमेरिकी संविधान के संबद्ध हिस्सों पर भी नजर डाली। वह दोपहर बाद साढ़े तीन बजे दोबारा 1, सफदरजंग रोड पहुंचे और इंदिरा को बताया कि वह आंतरिक गड़बड़ियों से निपटने के लिए धारा 352 के तहत आपातकाल की घोषणा कर सकती हैं।

शाम 5.30 बजे

इंदिरा के साथ रे भी राष्ट्रपति भवन पहुंचे

इंदिरा ने रे से कहा कि वह आपातकाल लगाने से पहले कैबिनेट के सामने इस मामले को नहीं लाना चाहती हैं। इस पर रे ने उन्हें सलाह दी कि वह राष्ट्रपति से कह सकती हैं कि कैबिनेट की बैठक बुलाने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। इंदिरा ने सिद्धार्थ शंकर रे से कहा कि वह इस प्रस्ताव के साथ राष्ट्रपति के पास जायें। रे ने इसका यह कहकर विरोध किया कि वह पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री हैं, प्रधानमंत्री नहीं। उन्होंने यह पेशकश जरूर की थी कि वह उनके साथ राष्ट्रपति भवन चल सकते हैं। ये दोनों शाम साढ़े पांच बजे वहां पहुंचे। सारी बात राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद को समझायी गयी। उन्होंने इंदिरा से कहा कि आप इमरजेंसी के कागज भिजवाइए। जब रे और इंदिरा वापस 1, सफदरजंग रोड पहुंचे, तब तक अंधेरा घिर आया था।

रात 11.45 बजे

राष्ट्रपति ने अधिघोषणा पर हस्ताक्षर किया

रे ने इंदिरा के सचिव पीएन धर को ब्रीफ किया। धर ने अपने टाइपिस्ट को बुलाकर आपातकाल की घोषणा के प्रस्ताव को डिक्टेट कराया। सारे कागजों के साथ आरके धवन राष्ट्रपति भवन पहुंचे। फखरुद्दीन अली अहमद ने तुरंत आपातकाल की अधिघोषणा पर दस्तखत कर दिये। उस समय रात के 11 बजकर 45 मिनट हुए थे। इसके बाद इंदिरा ने निर्देश दिया कि मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को अगली सुबह पांच बजे फोन कर बताया जाये कि सुबह छह बजे कैबिनेट की बैठक बुलायी गयी है। तब तक आधी रात होने को आ चुकी थी, लेकिन सिद्धार्थ शंकर रे अभी भी 1, सफदरजंग रोड पर मौजूद थे। वह इंदिरा के साथ उस भाषण को अंतिम रूप दे रहे थे, जिसे इंदिरा अगले दिन मंत्रिमंडल की बैठक के बाद रेडियो पर देश के लिए देने वाली थीं। बीच-बीच में संजय उस कमरे में आ-जा रहे थे। एक-दो बार उन्होंने 10-15 मिनटों के लिए इंदिरा गांधी को कमरे से बाहर भी बुलाया। उधर आरके धवन के कमरे में संजय गांधी और ओम मेहता उन लोगों की लिस्ट बना रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार किया जाना था। उस लिस्ट पर अनुमोदन के लिए इंदिरा को बार-बार कमरे से बाहर बुलाया जा रहा था। ये तीनों लोग इस बात की भी योजना बना रहे थे कि अगले दिन कैसे समाचार पत्रों की बिजली काटकर सेंसरशिप लागू की जायेगी। जब तक इंदिरा ने अपने भाषण को अंतिम रूप दिया, सुबह के तीन बज चुके थे।

रात 2.30 बजे

अखबारों की बिजली काटने का विरोध

रे ने इंदिरा से विदा ली, लेकिन गेट तक पहुंचते-पहुंचते वह ओम मेहता से टकरा गये। मेहता ने रे को बताया कि अगले दिन अखबारों की बिजली काटने और अदालतों को बंद रखने की योजना बना ली गयी है। रे ने तुरंत इसका विरोध किया और कहा कि यह बेतुका फैसला है। उन्होंने कहा, हमने इसके बारे में तो बात नहीं की थी। आप इसे इस तरह से लागू नहीं कर सकते। रे वापस मुड़े और धवन के पास जाकर बोले कि वह इंदिरा से फिर मिलना चाहते हैं। धवन ने कहा कि वह सोने जा चुकी हैं। रे ने जोर देकर कहा, मेरा उनसे मिलना जरूरी है। बहुत झिझकते हुए धवन इंदिरा गांधी के पास गये और उन्हें लेकर बाहर आये। जब उन्होंने इंदिरा को बिजली काटने वाली बात बतायी, तो उनके होश उड़ गये। उन्होंने रे से इंतजार करने के लिए कहा और कमरे से बाहर चली गयीं। इस बीच धवन के दफ्तर से संजय ने बंसीलाल को फोन किया कि रे बिजली काटने की योजना का विरोध कर रहे हैं। बंसीलाल ने जवाब दिया, रे को निकाल बाहर करिए। वह खेल बिगाड़ रहे हैं। वह अपने आपको बहुत बड़ा वकील समझते हैं, लेकिन उन्हें कुछ आता-जाता नहीं। जब रे इंदिरा का इंतजार कर रहे थे, तो ओम मेहता ने उन्हें बताया कि इंदिरा सेंसरशिप तो चाहती हैं, लेकिन अखबारों की बिजली काटने और अदालतें बंद करने का आइडिया संजय का है। जब इंदिरा वापस लौटीं, तो उनकी आंखें लाल थीं। उन्होंने रे से कहा, सिद्धार्थ, बिजली रहेगी और अदालतें भी खुलेंगीं। रे इस खुशफहमी में वापस लौटे कि सब कुछ ठीक हो गया है।

तड़के 3.00 बजे

बहादुर शाह जफर मार्ग की बिजली बंद

उसी समय दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग पर जब अखबार प्रिंट के लिए जा रहे थे, तभी उनकी बिजली काट दी गयी। अगले दिन सिर्फ हिंदुस्तान टाइम्स और स्टेट्समैन ही छप पाये, क्योंकि उनका प्रिंटिंग प्रेस बहादुर शाह जफर मार्ग पर नहीं था।

तड़के 3.30 बजे

विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां शुरू

जब तक 26 जून को तड़के इंदिरा सोने गयीं, गिरफ्तारियां शुरू हो चुकीं थी। सबसे पहले जयप्रकाश नारायण और मोरारजी देसाई को हिरासत में लिया गया। इंदिरा गांधी ने सिर्फ तीन लोगों की गिरफ्तारी की अनुमति नहीं दी थी। वे थे तमिलनाडु के नेता कामराज, बिहार के समाजवादी नेता और जयप्रकाश नारायण के साथी गंगासरन सिन्हा और पुणे के एक और समाजवादी नेता एसएम जोशी।

तड़के 4.00 बजे

जेपी को जगाकर गिरफ्तार किया गया

रात डेढ़ बजे गांधी पीस फाउंडेशन के अहाते में सो रहे चंद्रहर ने फाउंडेशन के सचिव अपने पिता केएस राधाकृष्ण को जगाकर बताया कि पुलिस जयप्रकाश नारायण को गिरफ्तार करने आयी है। राधाकृष्ण ने पुलिस ऑफिसर से कहा कि क्या आप चार बजे तक इंतजार कर सकते हैं। जेपी तब तक उठ जायेंगे, क्योंकि उन्हें पटना जाने के लिए सुबह की फ्लाइट पकड़नी है। वह बहुत देर से सोये हैं और उन्हें थोड़े आराम की जरूरत है। सुबह चार बजे राधाकृष्ण ने जेपी को धीरे से जगाया और जिला मजिस्ट्रेट सुशील कुमार का दस्तखत किया हुआ वारंट पढ़कर सुनाया। जेपी तैयार होकर पुलिस की गाड़ी में बैठ ही रहे थे कि एक तेज रफ्तार से चलती हुई टैक्सी वहां आकर रुकी। उसमें से चंद्रशेखर कूदकर निकले। वह अपनी टैक्सी से जेपी के पीछे-पीछे संसद मार्ग पुलिस स्टेशन गये। राधाकृष्ण ने चलते-चलते जेपी से पूछा, क्या आप लोगों को कोई संदेश देना चाहेंगे? जेपी ने पलभर सोचकर राधाकृष्ण की आंख में देखकर कहा, विनाश काले विपरीत बुद्धि।

सुबह 6.00 बजे

कैबिनेट की बैठक में स्वर्ण सिंह ने दिखायी हिम्मत

इंदिरा उस रात बहुत कम सो पायीं, लेकिन जब वह तड़के कैबिनेट की बैठक में आयीं, तो बिल्कुल भी थकी-हारी नहीं लग रही थीं। आठ कैबिनेट मंत्रियों और पांच राज्य मंत्रियों ने बैठक में हिस्सा लिया। नौ मंत्री दिल्ली से बाहर थे। जैसे ही ये लोग बैठक में आये, उन्हें आपातकाल उद्घोषणा और गिरफ्तार किये गये नेताओं की लिस्ट दी गयी। इंदिरा ने बताया कि आपातकाल लगाने की जरूरत क्यों हुई। सिर्फ एक मंत्री ने सवाल पूछा। वह थे रक्षा मंत्री स्वर्ण सिंह। उनका सवाल था, किस कानून के तहत गिरफ्तारियां हुई हैं? इंदिरा ने उनको संक्षिप्त जवाब दिया, जिसे वहां मौजूद बाकी लोग नहीं सुन पाये। कोई मतदान नहीं हुआ, कोई मंत्रणा नहीं हुई। इमरजेंसी पर मुहर लगाने वाली यह महत्वपूर्ण बैठक मात्र आधे घंटे में खत्म हो गयी।

सुबह 6.30 बजे

संजय गांधी ने दो मंत्रियों को दिया आदेश

जैसे ही सूचना और प्रसारण मंत्री इंदर कुमार गुजराल कैबिनेट रूम से बाहर आये, उन्होंने देखा कि संजय गांधी बाहर खड़े हुए थे। उनकी पूरी भाव-भंगिमा ऐसी थी, मानो कि अब वही सर्वेसर्वा हों। उन्होंने गुजराल के साथ बाहर आ रहे शिक्षा मंत्री नूरुल हसन से कहा कि विश्वविद्यालय में पढ़ा रहे आरएसएस से सहानुभूति रखने वाले शिक्षकों की सूची उन्हें तुरंत उपलब्ध करायें। फिर गुजराल से उन्होंने कहा, मैं प्रसारण से पहले सभी समाचार बुलेटिनों को देखना चाहूंगा। गुजराल ने हिम्मत कर जवाब दिया कि यह संभव नहीं है। पास खड़ी इंदिरा गांधी के कानों में यह आवाज पड़ी, तो उन्होंने पूछा, मामला क्या है? गुजराल ने जवाब दिया, जब तक बुलेटिनों को प्रसारित नहीं कर दिया जाता, वे गुप्त दस्तावेज होते हैं। इंदिरा गांधी ने रास्ता सुझाया कि एक आदमी को लगा दिया जाये, जो प्रसारण से पहले समाचार बुलेटिनों को प्रधानमंत्री निवास ले आये। गुजराल यह तय कर घर लौटे कि अब वह इस्तीफा दे देंगे, लेकिन उन्हें थोड़ी देर बार दोबारा प्रधानमंत्री निवास बुला लिया गया। वहां संजय मौजूद थे। इंदिरा गांधी दफ्तर जा चुकी थीं। संजय ने बदतमीजी से कहा कि प्रधानमंत्री का आपातकाल की घोषणा वाला प्रसारण सभी फ्रिक्वेंसियों पर नहीं प्रसारित किया गया। गुजराल नियंत्रण खो बैठे। उन्होंने संजय से कहा, अगर तुम्हें मुझसे बात करनी है, तो तुम्हें सभ्य होना पड़ेगा। तुम मेरे बेटे से कम उम्र के हो। मैं तुम्हें कोई सफाई देने के लिए बाध्य नहीं हूं।

गुजराल की बगावत और शुक्ल को कमान

अगले दिन मोहम्मद यूनुस ने गुजराल को फोन कर कहा कि दिल्ली में बीबीसी के दफ्तर को बंद करायें और उसके संवाददाता मार्क टली को गिरफ्तार करें, क्योंकि बीबीसी ने यह खबर प्रसारित की है कि जगजीवन राम और स्वर्ण सिंह को उनके घर पर नजरबंद कर दिया गया है। गुजराल ने जब इसकी जांच करायी, तो पता चला कि बीबीसी ने ऐसा कुछ भी प्रसारित नहीं किया था। जब उन्होंने इंदिरा को यह बात बतायी, तो उन्होंने गुजराल को बुलवा कर कहा कि वह उनसे सूचना और प्रसारण मंत्रालय ले रही हैं, क्योंकि मंत्रालय को उन हालात में एक सख्त हाथ की जरूरत है। तीन दिन बाद गुजराल का तबादला योजना मंत्रालय कर दिया गया और विद्याचरण शुक्ल भारत के नये सूचना और प्रसारण मंत्री बना दिये गये।

www.epaper.azadsipahi.in

26 जून, 2023
आषाढ़, शुक्ल पक्ष, अष्टमी
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

धोनी फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते दिखे, एयर होस्टेस ने चॉकलेट के साथ चिट्ठी दी

योगी ने नोएडा में 1719 करोड़ की 124 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण - शिलान्यास

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गौतमबुद्धनगर के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम रामनाथ गोयनका मार्ग नोएडा पंहुच कर रामनाथ गोयनका मार्ग का अनावरण कर कार्यक्रम को संबोधित किया। उसके बाद नोएडा स्टेडियम नोएडा सेक्टर 21ए पंहुचे जहां पर मुख्यमंत्री ने नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 1719 करोड़ की 124 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री मोदी को मिस्र का सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ नाइल'

■ राष्ट्रपति अल-सीसी ने किया सम्मानित ■ 11वीं सदी की मस्जिद भी पहुंचे मोदी

एजेंसी

काहिरा। दो दिन के दौरे पर मिस्र पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की। सीसी ने उन्हें मिस्र के सर्वोच्च राजकीय सम्मान 'ऑर्डर ऑफ नाइल' से सम्मानित किया। इसके पहले मोदी ने 11वीं सदी की अल-हाकिम मस्जिद का दौरा किया। इसे भारत के बोहरा समुदाय की सहायता से दोबारा बनाया गया है। प्रधानमंत्री हेलियोपोलिस स्मारक भी गये। यहां उन्होंने पहले विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक राष्ट्रमंडल ने बनवाया है। यह उन 3799 भारतीय सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने मिस्र में प्रथम विश्व युद्ध में अपनी जान गंवा दी थी। मोदी मिस्र के प्रधानमंत्री के साथ पिरामिड देखने भी गये। ये पिरामिड दुनिया के सात अजूबों में शामिल हैं। करीब आधे घंटे तक मोदी ने इन पिरामिड के बारे में जानकारी ली।

क्या है ऑर्डर ऑफ नाइल : मिस्र में इसे 'किलादात अल नाइल' कहा जाता है। 1915 में इसकी शुरुआत सुल्तान हुसैन कामिल ने की थी। यह सम्मान उन लोगों को दिया जाता है, जिन्होंने देश सेवा में अहम योगदान दिया हो। 1953 में मिस्र गणतंत्र बना और इसके बाद 'ऑर्डर ऑफ नाइल' को देश के सर्वोच्च सम्मान का दर्जा दिया गया। इसमें जो नाइल शब्द है, वह दरअसल नील नदी से जुड़ा है।

मोदी की अगवानी मिस्र के प्रधानमंत्री ने की : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दो दिन के दौरे पर मिस्र पहुंचे। मोदी की एयरपोर्ट पर अगवानी वहां के प्रधानमंत्री ने की। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री मिस्र पहुंचा है। मोदी ने यहां भारतीय मूल के लोगों से मुलाकात की। काहिरा के होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का स्वागत किया। इस दौरान 'वंदे मातरम' और 'मोदी-मोदी' के नारे भी लगे। साड़ी पहन मिस्र की एक महिला जेना ने मोदी को फिल्म 'शोले' का गीत 'ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' गाकर सुनाया। मोदी ने तब आश्चर्य हुआ, जब महिला ने बताया कि वह बहुत कम हिंदी जानती है और कभी भारत नहीं आयी है। मोदी ने महिला से कहा, किसी को पता भी नहीं चलेगा कि आप मिस्र की बेटी हो या हिंदुस्तान की बेटी हो। शनिवार को पीएम मोदी ने मिस्र के पीएम मैडबौली के नेतृत्व में मिस्र मंत्रिमंडल की इंडिया यूनिट के साथ एक राउंड टेबल चर्चा में भी भाग लिया। इसके बाद उन्होंने काहिरा में भारतीय प्रवासी बोहरा समुदाय के सदस्यों और योग टीचरों रीम जाबक और नाडा एडेल से मुलाकात की।

26 साल बाद किसी भारतीय पीएम का दौरा : मिस्र की भौगोलिक और रणीतिक स्थिति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए कई मायनों में बेहद अहम है। 1997 के बाद पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री मिस्र के दौरे पर पहुंचा है।

अल कायदा का आतंकी जमशेदपुर जेल शिफ्ट

- धातकीडीह का रहनेवाला अब्दुल सामी कैद की सजा काट रहा है
- जमशेदपुर की अदालत में पेशी के बाद घाघीडीह जेल भेजा गया

अभिजीत

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धातकीडीह के रहनेवाले आतंकी अब्दुल सामी को घाघीडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया है। उसके संबंध अलकायदा की शाखा अल-कायदा इन इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआइएस) से हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने अब्दुल सामी सहित चार अन्य को सात-सात साल की सश्रम कारावास की सजा दी है। उसे दिल्ली के तिहाड़ जेल से घाघीडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया है। शनिवार को दिल्ली पुलिस ने उसे जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय में पेश किया। उसे अपर जिला और सत्र न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय के न्यायालय में प्रोडक्शन वारंट पर पेश किया गया था। कागजी कार्रवाई के बाद न्यायालय ने उसे जमशेदपुर के घाघीडीह सेंट्रल जेल में भेज दिया।

बिष्टुपुर थाना में 2016 में दर्ज हुआ था मामला : बिष्टुपुर थाना में 25 जनवरी 2016 को एक प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। यह प्राथमिकी अब्दुल सामी, अब्दुल रहमान कटकी, मौलाना कलीमुद्दीन, अब्दुल मसूद और नसीम समेत अन्य के विरुद्ध थी। दर्ज प्राथमिकी में इन लोगों के खिलाफ आतंकवादी संगठन अल कायदा से जुड़ने, संगठन का विस्तार करने, जेहाद के लिए युवाओं को भड़काने और देशद्रोह की बात कही गयी थी। फिलहाल इस मामले को झारखंड एटीएस देख रहा है। शनिवार को हुई पेशी के दौरान कोर्ट ने अब्दुल सामी के सहयोगी ओडिशा निवासी अब्दुल रहमान कटकी को भी प्रोडक्शन वारंट पर जमशेदपुर न्यायालय में पेश करने का आदेश दिल्ली पुलिस को दिया है।

क्या है पूरा मामला : देशभर में आतंकी गतिविधियों की साजिश रचने और आतंकी समूह के लिए सदस्यों की भर्ती करने को लेकर दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष न्यायालय ने अल कायदा के चार आतंकियों में से प्रत्येक को 14 फरवरी 2023 को सात साल पांच माह की सश्रम कैद और 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी थी। सभी पर 10 फरवरी 2023 को न्यायालय में आरोप सिद्ध हुआ था। मामले में दोषियों के खिलाफ 2017 में आरोप तय किये गये थे। सभी को दिल्ली के स्पेशल सेल की टीम ने गिरफ्तार किया था।

ऐसे हुई थी गिरफ्तारी : दिल्ली की स्पेशल सेल ने बिष्टुपुर धतकीडीह निवासी अब्दुल सामी को हरियाणा के मेवात से गिरफ्तार किया था। उसकी गिरफ्तारी 18 जनवरी 2016 को हुई। स्पेशल टीम ने ओडिशा के अब्दुल रहमान कटकी की निशानदेही पर अब्दुल सामी को गिरफ्तार किया था। 25 जनवरी 2016 को दिल्ली की स्पेशल शाखा की जानकारी पर जमशेदपुर के बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने बिष्टुपुर के धातकीडीह के रजक कालोनी निवासी साथी अकरम शेख मसूद और मानगो आजादनगर निवासी नसीम अख्तर को मानगो से गिरफ्तार किया था।

रूस में तख्तापलट का खतरा टला

- वैगनर आर्मी का विद्रोह खत्म, लड़ाकों को लौटने का आदेश
- बेलारूस के राष्ट्रपति ने समझौता कराया, रूस छोड़ेंगे चीफ प्रिगोजिन

एजेंसी

मॉस्को। रूस में गृहयुद्ध और तख्तापलट का खतरा टल गया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ बगावत करने वाली प्राइवेट आर्मी वैगनर के प्रमुख येवगेनी वी प्रिगोजिन ने अपने लड़ाकों को वापस लौटने का आदेश दिया है। अब यह प्राइवेट आर्मी अपने कैंपों की ओर लौट रही है। प्रिगोजिन भी रूस छोड़कर बेलारूस जायेंगे। यह प्राइवेट आर्मी रोस्तोव शहर पर कब्जे के बाद मॉस्को शहर की ओर बढ़ी थी। प्राइवेट आर्मी के पीछे हटने में बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का अहम रोल रहा। लुकाशेंको ने कहा कि उन्होंने वैगनर प्रिगोजिन और रूस के बीच समझौता कराया है। इसके बाद वैगनर ग्रुप ने अपने सैनिकों को पीछे हटने को कहा है।

प्राइवेट आर्मी वैगनर क्यों कर रहा था विद्रोह : रूस और प्राइवेट आर्मी वैगनर के बीच तल्खी यूक्रेन के बाखमुत में वैगनर ट्रेनिंग कैंप पर मिसाइल अटैक के बाद शुरू हुई। इस हमले में कई वैगनर लड़ाके मारे गये थे। प्रिगोजिन ने क्रेमलिन को इसका दोषी बताया था। यह हमला कब हुआ था, इसकी जानकारी नहीं दी गयी। वैगनर प्रमुख प्रिगोजिन ने दावा किया है कि रूसी जनरलों ने यूक्रेन में उनके सैनिकों पर हवाई हमले का आदेश दिया था।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने टुंडी में किया सीधा संवाद

जनता को राजभवन आने की जरूरत नहीं, हम आपके बीच आयेंगे : गवर्नर

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को टुंडी प्रखंड की कमारडीह पंचायत के लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने लोगों से कहा कि जनता को राजभवन आने की जरूरत नहीं। राजभवन ही जनता के बीच समय-समय पर जायेगा। राज्यपाल रविवार को धनबाद दौरे पर रहे। धनबाद आगमन पर महामहिम का भव्य स्वागत हुआ। अलग झारखंड राज्य बनने के बाद पहली बार कोई राज्यपाल घनघोर उग्रवाद प्रभावित प्रखंड में पहुंचे। राज्यपाल के दौरे और संवाद कार्यक्रम को

लेकर प्रशासनिक महकमे ने पंचायत भवन को नया लुक दे दिया था। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये गये थे।

राज्यपाल ने कहा कि संवाद कार्यक्रम का उद्देश्य जनता की समस्याओं को समझना और झारखंड को जानना है। उन्होंने कहा कि उनके संवाद कार्यक्रम का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं है। विकास के जो काम चल रहे हैं, उसको तेज करना है। लोगों को प्रोत्साहित करना है। हर किसी से सहयोग की अपेक्षा है। राज्यपाल ने बताया कि वह अब तक राज्य के 23 जिलों का दौरा कर चुके हैं। 27 जून को अंतिम जिले में जायेंगे। इसके बाद दूसरे चरण की यात्रा शुरू होगी। संवाद कार्यक्रम के बाद राज्यपाल टुंडी से रांची के लिए निकल गये। बता दें कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन शनिवार की देर रात ही धनबाद पहुंच गये थे। राज्यपाल सड़क मार्ग से जामताड़ा से रात के लगभग 10 बजे धनबाद सर्किट हाउस पहुंचे थे।

गढ़वा थाना में संदिग्ध स्थिति में एक की मौत

शव के साथ सदर थाना के सामने एक घंटे सड़क रही जाम

विजय प्रताप देव/ सोनू कुमार

गढ़वा। सदर थाना क्षेत्र के कितासोती गांव निवासी ब्रजेश प्रजापति (45) की मौत गढ़वा थाना परिसर में संदिग्ध स्थिति में हो गयी। परिजनों ने कहा है कि ब्रजेश को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था। ब्रजेश और उसके पुत्र शशिकांत प्रजापति को प्रमिला कुंअर के आवेदन पर गढ़वा थाना बुलाया गया था। वहां पुलिस उन्हें धमका रही थी। उस दौरान ब्रजेश को भूखा-प्यासा रखा गया। बीपी की दवा खाने के लिए ब्रजेश ने कई बार पुलिस से गुहार लगायी, लेकिन पुलिस एक नहीं सुनी। शशिकांत प्रजापति ने बताया कि उसके पिता कई बार पानी और खाना मांग रहे थे। कुछ देर बाद वह थाना परिसर में बेहोश होकर गिर गये और वहीं उनकी मौत हो गयी। उसके कुछ देर बाद ही वहीं पर उसकी मौत हो गयी।

बकौल शशिकांत, एक सप्ताह पूर्व उसकी पट्टीदार प्रमिला कुंअर द्वारा गढ़वा थाना में जमीन विवाद से संबंधित प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया गया था। उक्त मामले में गढ़वा पुलिस ने दोनों पक्षों को बुलाया था। पूछताछ के दौरान ब्रजेश को बार-बार धमकाया जा रहा था। प्रभारी थाना प्रभारी केके साहू ने बताया कि पुलिस ने दोनों पक्षों को सुलह समझौता के लिए थाना बुलाया था। दोनों पक्ष प्रतीक्षा रूम में बैठकर बात कर रहे थे। इसी बीच ब्रजेश बेहोश हो गया। पुलिस उसे सदर अस्पताल ले गयी, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ब्रजेश की मौत की सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। इसके बाद उन्होंने थाना के सामने एनएच-75 को जाम कर दिया। करीब एक घंटे बाद जाम हटाया गया।

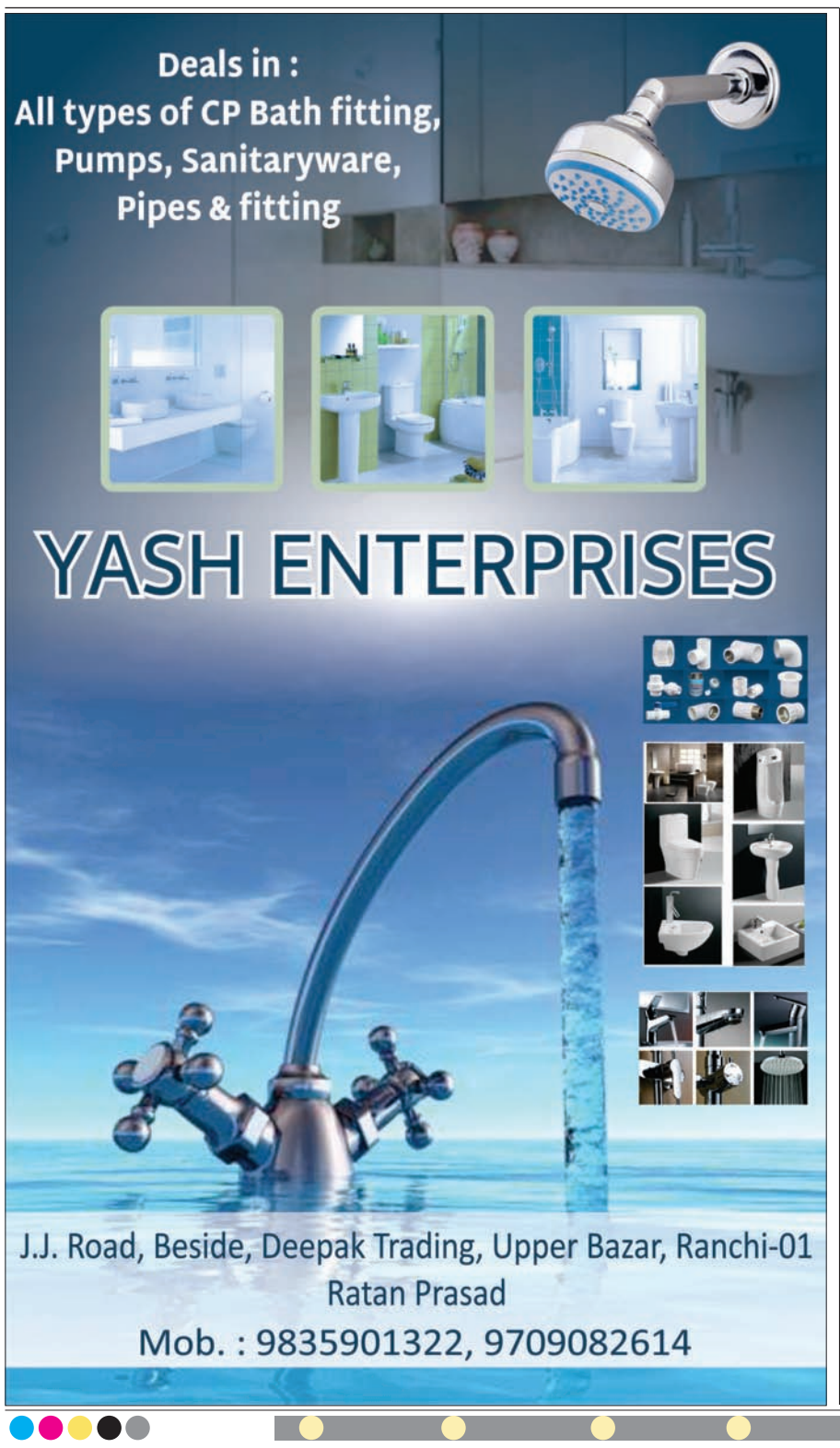

मणिपुर में भीड़ ने प्रतिबंधित ग्रुप के 12 लोगों को छुड़ाया

- सेना ने उन्हें हथियारों के साथ पकड़ा था
- डेढ़ हजार महिलाएं ढाल बनीं तो ऑपरेशन रोका

आजाद सिपाही संवाददाता

इंफाल। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर पिछले 53 दिनों से हिंसा जारी है। शनिवार को ईस्ट इंफाल में सेना ने ऑपरेशन चलाकर प्रतिबंधित संगठन कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाइकेएल) के 12 कैडरों को पकड़ा था, लेकिन सैकड़ों महिलाओं के विरोध के बाद इन्हें छोड़ना पड़ा। डिफेंस पीआरओ ने बताया कि सेना ने खुफिया सूचना के बाद इंफाल पूर्व के इथम गांव (एंड्रो से छह किमी पूर्व) में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। लोगों को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। सुरक्षा बलों ने यहां से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया और केवाइकेएल के 12 कैडरों को पकड़ा। लेकिन 12 सौ से 15 सौ लोगों की भीड़ ने सुरक्षाबलों को घेर लिया। इस भीड़ का नेतृत्व महिलाएं और कुछ स्थानीय नेता कर रहे थे। ये लोग कैडरों को छोड़ने की मांग कर रहे थे। भीड़ को कोई नुकसान न हो, इसे देखते हुए सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन रोक दिया और कैडरों को छोड़ दिया। भीड़ का नेतृत्व महिलाएं कर रही थीं। इसलिए सेना को पीछे हटना पड़ा।

केवाइकेएल कौन है : पूर्वी इंफाल केइथम गांव में प्रतिबंधित संगठन केवाइकेएल के करीब एक दर्जन कैडर छिपे हुए थे। सेना को उनके छिपे होने की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद ऑपरेशन चलाकर 12 कैडरों को पकड़ा गया था। इनमें संगठन का स्वयंभू लेफ्टिनेंट कर्नल मोइरांगथेम तंबा उर्फ उत्तम भी शामिल था। केवाइकेएल मैतई समुदाय का एक ग्रुप है।

सीएम एन बीरेन सिंह ने अमित शाह को दी रिपोर्ट

राज्य के सीएम एन बीरेन सिंह ने रविवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने शाह को राज्य के हालात की रिपोर्ट दी। बीरेन सिंह ने ट्वीट कर बताया कि पिछले हफ्ते राज्य में हिंसा काफी हद तक काबू में आ गयी। 13 जून के बाद से राज्य में हिंसा के चलते कोई मौत नहीं हुई है। उधर, हिंसा की स्थिति को देखते हुए राज्य में इंटरनेट बैन को 30 जून तक बढ़ा दिया गया है। बीरेन सिंह ने कहा कि गृह मंत्री ने उन्हें विश्वास दिलाया है कि राज्य में स्थिति सामान्य करने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव कदम उठायेगी।

हिंसा में अब तक 131 लोगों की मौत

मणिपुर हिंसा पर शनिवार को हुई सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्रालय ने जानकारी दी कि हिंसा में अब तक 131 लोगों की मौत हो चुकी है और 419 लोग घायल हुए हैं। आगजनी की पांच हजार से ज्यादा घटनाएं हुई हैं। लगभग छह हजार मामले दर्ज हुए हैं और 144 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। राज्य में 36 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात किये गये हैं।

आजाद सिपाही
188100 Subscribers
झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 26 जून, 2023
www.azadsipahi.in

राज्य में आपकी योजना, आपकी सरकार कार्यक्रम फिर होगा शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य में 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम फिर शुरू होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसकी रूपरेखा तय करने के लिए 28 जून को दिन के 11 बजे से प्रोजेक्ट भवन में बैठक बुलायी है।

बैठक में जिलों के डीसी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए ऑनलाइन और मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव सरीखे वरीय अधिकारी ऑफ लाइन जुड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भी राज्य सरकार ने इस योजना को चलाया था। इसके तहत प्रखंड स्तर तक कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याओं को ऑन स्पॉट दूर किया गया था।

डीसी ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अभियान चलाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जिनकी उम्र एक जुलाई और एक अक्टूबर को 18 वर्ष पूरा हो रहा है, वे वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वा सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-6 भर कर आवेदन करना होगा। साथ ही जिन मतदाताओं को वोटर लिस्ट से नाम हटवाना है उसके लिए भी जिला निर्वाचन कार्यालय ने ऑप्शन दे दिया है। नाम हटवाने के लिए फॉर्म-7 भर कर जमा करना होगा।

डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने जिले के सभी बीएलओ को निर्देश दिया है कि घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करें और जो नये वोटर हैं, उनका फॉर्म भरवायें। मतदाता में किसी प्रकार की त्रुटि को भी सुधार कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें फॉर्म-8 भरना होगा। वर्ष 2014 एवं वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में वैसे मतदान केंद्र जहां 10 प्रतिशत से कम मतदान हुआ है, डीसी ने वैसे मतदान केंद्रों की पहचान कर मतदाताओं के बीच मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जागरुकता अभियान चलाने को कहा है।

डीसी सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 17 अक्टूबर को मतदाता सूची के ड्राफ्ट का पब्लिकेशन होगा। इसके बाद विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की कार्रवाई की जायेगी, जिसमें 17 अक्टूबर से 30 नवंबर तक मतदाता अपना दावा एवं आपत्ति दर्ज करा सकेंगे, जिसका निष्पादन 26 दिसंबर तक कर लिया जायेगा।

झारखंड के युवाओं को अग्निवीर बनने का मौका

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। अग्निपथ योजना के तहत झारखंड राज्य के पुरुष युवाओं को सेना में बहाली का मौका दिया जा रहा है। सेना भर्ती कार्यालय रांची की ओर से इस संबंध में सूचना जारी की गयी है। इस जारी सूचना में बताया गया है कि राजधानी रांची के मोराबादी मैदान में 1 जुलाई से भर्ती रैली निकाली गयी है। यह भर्ती रैली 9 दिनों की होगी। यानी 1 जुलाई से भर्ती रैली शुरू होगी जो 9 जुलाई तक चलेगी। इस भर्ती रैली में केवल पुरुष उम्मीदवार ही शामिल हो सकते हैं। यह जानकारी सेना भर्ती कार्यालय के भर्ती निदेशक कर्नल राकेश कुमार ने दी है।

24 जिले के पुरुष उम्मीदवार हो सकते हैं शामिल

इस भर्ती रैली में राज्य के सभी 24 जिलों के योगी पुरुष उम्मीदवार शामिल हो सकते हैं। भर्ती रैली निदेशक कर्नल राकेश कुमार ने बताया कि सामान्य प्रवेश परीक्षा में पास अभ्यर्थियों के रजिस्टर्ड मेल आइडी पर 12 जून को भर्ती कार्यालय की ओर से प्रवेश पत्र

1 से 9 जुलाई तक मोरहाबादी मैदान में लगेगा भर्ती मेला

दिया गया है। उन्होंने बताया है कि अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र पर दी गयी तिथि, समय और बताये गये स्थान पर उपस्थित होना होगा।

बिना एडमिट कार्ड नहीं मिलेगा प्रवेश

उन्होंने यह स्पष्ट कहा है कि किसी भी उम्मीदवार को ऑनलाइन जनरेट किये गये रंगीन प्रवेश पत्र के बिना शामिल होने की अनुमति नहीं होगी। इस भर्ती प्रक्रिया से संबंधित अगर किसी को किसी तरह की जानकारी लेनी है तो सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक रांची स्थित सेना भर्ती कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। नोटिफिकेशन के अनुसार इस भर्ती रैली में अग्निवीर जीडी, क्लर्क\ स्टोर कीपर, टेक्निकल, ट्रेड्समैन दसवीं और ट्रेड्समैन आठवीं की बहाली होगी। सूचना में कहा गया है कि इन पदों पर नियुक्ति को इच्छुक उम्मीदवारों को अपने दस्तावेज सत्यापन कराकर रैली निर्देश के अनुसार रैली स्थान में आना होगा।

भाजपा महानगर ने आपातकाल दिवस एवं प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया

विपक्षी फिर से देश में आपातकाल लगाना चाहते हैं : बाबूलाल मरांडी

पीएम मोदी के विकास रथ को रोकने के लिए सभी विपक्षी दल एकजुट हो रहे हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला द्वारा रांची विधान सभा एवं हटिया विधानसभा में आपातकाल दिवस एवं मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर प्रबुद्ध सम्मेलन संपन्न हुआ।

रविवार को आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष के-के गुप्ता ने की। कार्यक्रम में भाजपा विधायक दल के बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जिस प्रकार कांग्रेस देश को आजादी दिलाने का श्रेय लेने वाली पार्टी अपने आप को बताती है उसी कांग्रेस की तात्कालिक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लगाकर देश की आवाज को बंद करने का घिनौना कृत किया। देश को बांटकर राजनीति करने वाला दल, विपक्षी सभी दल आपस में मिलकर चोर-चोर मौसेरे भाई वाली कहावत को चरितार्थ कर रहें हैं। मोदी सरकार के विकास रथ को रोक कर सभी विपक्षी एक साथ मिलकर फिर से देश में आपातकाल लगाना चाहते हैं। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा ने कहा कि मोदी देश को परम वैभव में पहुंचाने में लगे है जबकि विपक्ष मोदी के विकास से घबराकर एकजुट होकर विकास रथ को रोकना चाहते हैं।

सांसद संजय सेठ ने कहा कि आपातकाल हमें यह याद दिलाता कि कांग्रेस सत्ता के लिए कुछ भी कर सकती है।

विधायक सीपी सिंह ने कहा कि अलीबाबा मतलब मोदी अमेरिका में देश का गौरव बढ़ा रहें हैं, वहीं बिहार में 40 चोर मतलब विपक्षी मोदी को आम चुनाव में पटखनी देने में लगे हैं।

विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि विपक्षी जहां आपस में गठबंधन कर रहें हैं, वहीं हम भाजपाई आम जनता से गठबंधन कर रहें हैं। जनता के गठबंधन को चोरों का गठबंधन कभी हरा नहीं सकता।

केके गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस अपने शासन काल में भारत को छोड़ दुनिया के दूसरे राष्ट्र को मजबूत किया। वहीं पीएम मोदी ने अपने नेतृत्व में भारत को दुनिया में मजबूत किया। कार्यक्रम के अंत में आपातकाल पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखायी गयी। कार्यक्रम का संचालन वरुण साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन बलराम सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सूर्यमणि सिंह, प्रमोद मिश्रा, राजू सिंह, बसंत दास, जितेंद्र वर्मा, राकेश भास्कर, अरुण झा, महेंद्र जयसवाल, लक्ष्मीचंद दिक्षित, शोर्य पूजा सिंह, बबिता देवि, गोपाल सोनी, इंद्रजीत यादव, सुवेश पांडेय, रामजी प्रसाद, अजय शाह, सचिन साहू, आनंद वर्मा, मिंटू सिंह, पूनम जयसवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

पलामू प्रमंडल के दर्जनों युवा नेताओं ने आजसू पार्टी का दामन थामा

पढ़े-लिखे युवाओं के राजनीति में आने से सामाजिक लड़ाई को गति दिया जा सकता है: सुदेश कुमार महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो के कांके रोड, रांची स्थित आवास पर रविवार को झारखंड छात्र मोर्चा (जेएमएम) के पूर्व जिलाध्यक्ष अभिरंजन तिवारी एवं पूर्व सचिव अंकित सिंह के नेतृत्व में पलामू प्रमंडल के दर्जनों युवा नेताओं ने आजसू पार्टी का दामन थामा। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं के आगे आने या राजनीति में सक्रिय होने से ही सामाजिक लड़ाई को गति दिया जा सकता है। जल्द ही पलामू प्रमंडल में प्रमंडल स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया

जायेगा। आज के इस मिलन समारोह में मुख्य रूप से बड़कागांव विधानसभा के प्रभारी एवं पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी एवं मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत उपस्थित थे।

हेमंत सरकार में युवाओं का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद हो रहा

पार्टी में शामिल होने वाले अभिरंजन तिवारी ने कहा कि आजसू पार्टी के नीति सिद्धांत और केंद्रीय अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व के कारण आज हम आजसू पार्टी में शामिल हो रहे हैं। वर्तमान हेमंत सरकार ने युवाओं को ठगा है। युवाओं का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। इस सरकार में युवाओं का वर्तमान और भविष्य दोनों बर्बाद हो रहा है। इसीलिए हम लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा छोड़ कर के आजसू पार्टी का दामन थामा है। पार्टी में शामिल होने वालों में आरजेडी से प्रह्लाद गुप्ता एवं अरविंद यादव, जेएमएम से मनीष सिंह, मनु सिंह, अभिषेक जोहरी, पृथ्वीराज सिंह, कुंदन सोनी, संजय कुमार, सचिन पांडेय, प्रशांत कुमार, अंकित सिंह मुख्य रूप से हैं।

पिता की प्रताड़ना से तंग बेटी ने लगा ली फांसी

आजाद सिपाही संवाददाता

जामताड़ा। झारखंड के जामताड़ा जिले के एक गांव से दर्दनाक मामला सामने आया है। एक पिता की प्रताड़ना और धमकी से तंग आकर एक नाबालिग लड़की ने फंदे से लटककर जान दे दी।

मिली जानकारी के मुताबिक, रात में नाबालिग लड़की का पिता तुलू रजवार शराब पीकर आया था। उससे कहा कि तुम्हारी मां शराब के लिए पैसा नहीं दे रही है।

शराबी पिता बोला- तेरी मां की हत्या कर अधेड़ से करा दूंगा तुम्हारी शादी, नाबालिग बेटी ने लगा ली फांसी

यदि पैसा नहीं दिया तो मां की हत्या कर देंगे। तेरी शादी किसी अधेड़ पुरुष से करा देंगे। उसको किसी की परवाह नहीं है।

नारायणपुर थाना क्षेत्र के डोकीडीह गांव में हुई इस घटना से पूरा गांव सन्न है। ग्रामीणों ने बताया कि शुक्रवार की रात तुलू ने नशे में पत्नी, पुत्र, पुत्री और अपने भाई के साथ मारपीट की। वह शराब पीने के लिए पत्नी से पैसा मांग रहा था। पत्नी का कहना था कि पैसे नहीं दूंगी तो वह बकरी के बच्चे को बेचने चल दिया। इसका घर के सभी सदस्यों ने विरोध किया। बस उसका पारा चढ़ गया। इसके बाद उसने घर में जमकर उपद्रव किया।

शराबी से परेशान घरवाले पास के घर में चले गये लेकिन बेटी देर रात लौट आयी। तब तुलू ने उसको बहुत भला बुरा कहा। सुबह जब घर के सदस्य घर पहुंचे तो देखा कि गौरी का शव फंदे से लटका है। इधर, नारायणपुर थाना के प्रभारी दिलीप कुमार ने गौरी के परिवारवालों के हवाले से बताया कि तुलू अक्सर शराब पीकर घर में झगड़ा करता था। परिवार के सदस्यों पर हाथ उठा देता था। चार-पांच साल से यही हाल था।

हद है : पत्नी की चप्पल उतरवाने पर डीआरएम ने असिस्टेंट को करवा दिया था नंगा

मामले ने पकड़ा तूल, बाबूलाल मरांडी ने भी की कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीआरएम कमल किशोर सिन्हा पर लगे मंडल रेल अस्पताल के सहायक के कपड़े उतरवाने के लांछन की गूंज पीएमओ तक पहुंच गयी है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने शनिवार को रेल मंत्रालय और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ट्वीट कर घटना पर दुख जताया। बाबूलाल के ट्वीट को किसी गौरव कुमार ने पीएमओ समेत अन्य को री-ट्वीट किया है। मामले की शिकायत राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी से भी की गयी है। साथ ही ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक उपाध्याय ने रेल मंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी को भी जानकारी दी है।

असिस्टेंट बसंत उपाध्याय का इलाज असर्फी अस्पताल में जारी है। बसंत की पत्नी रुद्रानी उपाध्याय, पुत्र अमन उपाध्याय और अभिषेक उपाध्याय भी बसंत की हालत देख अवसाद में चले गये हैं। पूरा परिवार आशंकाओं से घिर गया है। बसंत अब भी बातचीत करने में सहज महसूस नहीं कर रहे हैं। पत्नी ने बताया कि

यह स्वयं को शक्तिमान बनाने का मामला: मरांडी

पूर्व सीएम सह भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने रेल मंत्री को ट्वीट कर कहा कि यह बहुत ही निंदनीय और भर्त्सना योग्य कृत्य है। अधिकारियों की यह ज्यादती समाज में नौकरशाही के प्रति बहुत विघटन, अविश्वास और क्षोभ पैदा करेगी। ये मामले राजनीतिक नहीं होते हैं, यह सीधा अहंकार और खुद को शक्तिमान मानने का मामला है। मुझे पूरा विश्वास है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी और अगर अधिकारी भी इस गंभीर अपराध में लिप्त हैं, तो उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई होगी।

पति बेकसूर हैं। आज तक किसी से भी उन्होंने ऊंची आवाज में बात तक नहीं की है। उन्होंने बताया कि उनसे मिलने कोई भी रेल अधिकारी अस्पताल नहीं पहुंचा। हालांकि कई सहकर्मियों ने अस्पताल पहुंच कर उनका हालचाल लिया। डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने शनिवार को डीआरएम कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। रेल प्रशासन की ओर से बताया गया कि घटना की जांच करायी जा रही है। बता दें कि रेलवे अस्पताल में 22 जून को डेंटिस्ट सर्जन डॉ निशि अग्रवाल से इलाज कराने पहुंचीं डीआरएम की पत्नी गरिमा सिन्हा को बसंत ने चप्पल खोल कर डॉक्टर चेंबर में जाने की सलाह दी थी। इसके बाद उन्हें डीआरएम कार्यालय बुला कर बरामदे पर उनका कपड़ा खुलवाया गया था। इस पर रेल प्रशासन ने विज्ञप्ति जारी कर रेलवे प्रशासन की ओर से सधे शब्दों में बताया गया कि बसंत उपाध्याय के आरोप पर संज्ञान लेते हुए इसकी सत्यतता की जांच हो रही है।

रेलवे अस्पताल से फुटेज गायब

रेल प्रशासन की ओर से विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि घटना की जांच के लिए सिग्नल और आरपीएफ की एक टीम शनिवार को सीसीटीवी फुटेज की जांच के लिए रेलवे अस्पताल गयी। वहां 22 और 23 जून का सीसीटीवी फुटेज गायब मिला। अब प्रशासन पता लगा रहा है कि सीसीटीवी किसने गायब किया।

बीएयू के 43वें स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि होंगे राज्यपाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची से सटे कांके स्थित कार्यरत राज्य का एकमात्र कृषि विश्वविद्यालय बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) सोमवार को 43वां स्थापना दिवस समारोह मनायेगा। यह मुख्य कार्यक्रम विवि के कृषि संकाय परिसर स्थित आरएसी सभागार में सुबह के 11.30 बजे से होगा। समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल सह कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन होंगे। स्थापना दिवस की सारी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। समारोह के विशिष्ट अतिथि कृषि मंत्री झारखंड सरकार बादल पत्रलेखा होंगे। समारोह में कुलपति डॉ ओंकार नाथ सिंह की ओर से वार्षिक प्रतिवेदन एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया जायेगा। इस कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं डीएसडब्लू डॉ बीके अग्रवाल ने बताया कि समारोह के दौरान पूरे राज्य से चिह्नित किसानों, सेवानिवृत्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों, एग्री इन स्पोर्ट्स के सिल्वर मेडलिस्ट छात्र सतीश पहान तथा निबंध प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थी एवं कर्मचारी को सम्मानित किया जायेगा। मुख्य समारोह से पहले विवि के वानिकी संकाय परिसर में सुबह के 11 बजे राज्यपाल देश के पहले गिलोय प्रसंस्करण एवं अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

मालगाड़ी के डिरेलमेंट की वजह से कई ट्रेनें प्रभावित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आद्रा मंडल में मालगाड़ी के अवपथन (डिरेलमेंट) की वजह से रांची रेल मंडल से परिचालित कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी। रविवार को रेल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 18036 हटिया - खड़गपुर एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारंभ 25 जून को रद्द रहेगी। जबकि ट्रेन संख्या 08695/08696 बोकारो स्टील सिटी - रांची - बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर स्पेशल ट्रेन यात्रा प्रारंभ 25 जून को रद्द रहेगी। इसके अलावा ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन भी किया गया है। इनमें ट्रेन संख्या 18628 रांची - हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारंभ 25 जून को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कोटशिला - पुरुलिया - टाटानगर - खड़गपुर होकर चलेगी । वहीं दूसरी ओर ट्रेन संख्या 18085 खड़गपुर - रांची एक्सप्रेस ट्रेन यात्रा प्रारंभ 25 जून को आंशिक समापन गोदपियाशाल स्टेशन पर होगा।

दो जिलों में एयरपोर्ट बन कर तैयार जल्द ही शुरू होगी हवाई सेवा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य के दो जिलों बोकारो और दुमका में जल्द ही हवाई सेवा शुरू होगी। बोकारो और दुमका एयरपोर्ट के निर्माण का काम पूरा हो गया है। बोकारो एयरपोर्ट में विमान के आवागमन को लेकर बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन से कहा गया कि वह डीजीसीए से लाइसेंस के लिए आवेदन करें। साथ ही दुमका एयरपोर्ट से परिचालन के लिए झारखंड सरकार से पत्र लिख कर डीजीसीए से लाइसेंस के लिए आवेदन करने को कहा गया है।

इस संबंध में एयरपोर्ट निदेशक केएल अग्रवाल ने बताया कि बोकारो के साथ दुमका से भी उड़ान शुरू हो जायेगी। इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआइ) प्रयासरत है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से भी इस संबंध में निर्देश प्राप्त हुआ है। देश में अन्य जगहों के साथ बोकारो और दुमका में परिचालन शुरू करना है। उन्होंने बताया कि बोकारो एयरपोर्ट पर एटीआर-72 विमान के आवागमन की सुविधा है जबकि दुमका एयरपोर्ट पर 90 सीटर विमान की आवागमन की सुविधा होगी।

उल्लेखनीय है कि राजधानी रांची में बिरसा मुंडा और देवघर में एयरपोर्ट है। बोकारो और दुमका एयरपोर्ट के बाद जमशेदपुर में भी एयरपोर्ट प्रस्तावित है।

कस्तूरबा स्कूल की छात्रा की मौत पर उठे सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कोल्हान में आदिवासी छात्रा के जीवन की कीमत क्या है? टोंटो के कस्तूरबा आवसीय विद्यालय की क्लास 8 की छात्रा लुदरी हेंब्रम की 22 जून को हॉस्टल में मौत हो गयी। वह पांच दिनों से बीमार थी लेकिन उसे अस्पताल नहीं भेजा गया था। अभी तक किसी के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई है। चाईबासा में खाद्य व सामाजिक सुरक्षा एवं अन्य जन अधिकारों पर संघर्षरत खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच ने इस मामले को लेकर सवाल उठाया है। सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रकरण से जुड़े कई सवालों को उठाया गया जिसके आधार पर मामले की जांच किये जाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल की छात्राओं की मानें तो 22 जून को जब उल्टी हो रही थी तब टीचर को बार-बार बुलाया गया लेकिन वे आयीं नहीं। जब तक वे आयीं लुदरी गुजर चुकी थी। अस्पताल में डॉक्टर ने स्पष्ट कहा कि 3 घंटे पहले ही मृत्यु हो गयी

दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

थी। लुदरी की मां जांबी हेंब्रम को विद्यालय की ओर से सूचित ही नहीं किया गया था कि उनकी बेटी अस्वस्थ थी। बेटी के गुजर जाने के बाद उन्हें फोन किया गया व शव को गाव में छोड़ दिया गया। पदाधिकारियों ने पोस्टमोर्टम तक नहीं करवाया।

स्कूल में है बुनियादी सुविधाओं की कमी

विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं की बहुत कमी है। विद्यालय व हॉस्टल में पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। कई बार बाथरूम का पानी भी पीना पड़ता है। एक तरफ स्कूल ऑफ एक्सीलेंस बन रहे हैं, दूसरी ओर कस्तूरबा विद्यालयों की स्थिति दयनीय है। ऐसे में मंच की ओर से मांग की गयी है कि तुरंत लुदरी की हत्या के दोषियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हो।

बायोम इंस्टीट्यूट ने यूजी नीट 2023 के टॉपर्स को किया सम्मानित

झारखंड टॉपर छात्रा राखी कुमारी को दो लाख के कैश प्राइज दिया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मेडिकल प्रवेश परीक्षा यूजी नीट 2023 में अपनी सफलता का दमखम दिखा रहे बायोम इंस्टीट्यूट रांची ने रविवार को अपना वार्षिक सम्मान समारोह मनाया। कार्यक्रम का आयोजन गुरुनानक स्कूल सभागार में किया गया, जहां संस्था के यूजी नीट के स्टेट टॉपर विद्यार्थी एक छत के नीचे इक्कठा हुए। आयोजन में बतौर मुख्य अतिथि रांची रेंज के डीआइजी अनुप बिरथरे उपस्थित हुए। वहीं, विशिष्ट अतिथि टाटा स्टील के हेड एडमिनिस्ट्रेशन कॉरपोरेट अरुण कुमार सिंह, बालपन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राजेश कुमार, रिम्स रांची के डॉ अभिषेक रंजन, वर्मा यूरोलॉजी सेंटर के डॉ वेद प्रकाश वर्मा और सदर हॉस्पिटल के डॉ अजीत कुमार शामिल हुए।

सम्मान समारोह में यूजी नीट 2023 के झारखंड टॉपर विद्यार्थियों की सफलता की सराहना की गयी। मुख्य अतिथि डीआइजी अनुप बिरथरे ने टॉपर छात्र-छात्राओं की सफलता को सराहा। कहा कि राज्य की छात्राएं लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। यूजी नीट का परिणाम और झारखंड टॉपर राखी कुमारी ने इस बात को सिद्ध किया है। राज्य और खास कर रांची में अब बेहतर शैक्षणिक संस्थाएं है, जो विद्यार्थियों की क्षमता को बढ़ाने का काम कर रही हैं। विद्यार्थियों को अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को देना चाहिए। आने वाले दिनों में विद्यार्थी और बेहतर करने का प्रयास करे। राज्य एवं देश को प्रशिक्षित डॉक्टर की जरूरत है, इसके लिए लगातार खुद को तैयार करें।

डीआइजी अनुप बिरथरे एवं अन्य अतिथियों ने मौके पर यूजी नीट 2023 के सफल छात्रों को मोमेंटो, कैश प्राइज का चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। यूजी नीट की झारखंड टॉपर राखी कुमारी को उनके श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी और दो लाख रुपये का चेक दिया गया। वहीं, संस्था की सेकेंड टॉपर माहिया माहेश्वरी को एक लाख रुपये, आदित्य अस्थाना की 75 हजार रुपये, प्रिया घोष को 65 हजार रुपये और अभय कुमार को 50 हजार रुपये का कैश प्राइज और ट्रॉफी प्रदान की गयी।

बताते चले कि इस वर्ष यूजी नीट-23 की झारखंड टॉपर छात्रा राखी कुमारी (ऑल इंडिया रैंक 149, कैटेगरी रैंक 26) हासिल करने में सफल रही हैं। इसके अलावा बायोम इंस्टीट्यूट के सफल छात्र-छात्राओं में शामिल माहिया महेश्वरी (691 अंक), आदित्य अस्थाना (686 अंक), प्रिया घोष (683 अंक), अभय कुमार (675 अंक), सुप्रिया (675 अंक), ज्योतिर्मय (670 अंक), श्रेया राज (666 अंक), तंजील (663 अंक), हिमांशु रंजन (663 अंक), अमरेंद्र कुमार (662 अंक), अंजलि यादव (655 अंक), ऋतिक राज (655 अंक), सोनम (650 अंक), अमन कुमार (650 अंक) समेत अन्य ने यूजी नीट में सफलता हासिल की है।

सम्मान समारोह के मौके पर टाटा स्टील के हेड एडमिनिस्ट्रेटिव कॉरपोरेट अरुण कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा यूजी स्तर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है। आपकी सफलता यह बताती है कि देश का भविष्य तैयार हो रहा है। आने वाले दिनों में आप सभी मेडिकल की पढ़ाई से जुड़ेंगे। इस दौरान खुद को बेहतर शिक्षा से जोड़ें। समय का लाभ उठायें, क्लिनिकल प्रैक्टिस को आने वाले समय में ज्यादा महत्व दें। इससे बेहतर प्रशिक्षण सीख सकेंगे। डॉक्टर के पेशे को समाज की भलाई में इस्तेमाल करें।

बालपन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राजेश कुमार ने समारोह में शामिल होकर विद्यार्थियों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने अनुभवों से प्रेरित किया। बताया कि मेडिकल कॉलेज के दिनों में कैसे पढ़ाई के साथ प्रशिक्षण हासिल किया जा सकता है। विद्यार्थी अब अपने आने वाले दिनों में इस बदलाव को महसूस कर खुद को स्थापित करने की यात्रा में आगे बढ़ेंगे। समय के साथ नयी चुनौतियों को अपनाने और उसमें बेहतर करने के लिए तैयार रखना होगा।

बायोम इंस्टीट्यूट के एमडी सह निदेशक पंकज सिंह ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष सात मई को आयोजित यूजी नीट 2023 प्रवेश परीक्षा में बायोम इंस्टीट्यूट से कुल 1125 विद्यार्थी शामिल हुए थे। अभी तक मिली जानकारी के अनुसार 984 से अधिक विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में सफल हुए हैं। संस्था के विद्यार्थियों ने एनटीए की ओर से जारी किये गये यूजी नीट 2023 रिजल्ट में झारखंड टॉपर की सूची में 15 से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी जगह बनायी है। संस्था से सफल हुए विद्यार्थियों में से 178 से अधिक विद्यार्थियों को आने वाले दिनों में सरकारी मेडिकल कॉलेज में नामांकन मिलेगा।

यूजी नीट प्रवेश परीक्षा में विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन कर सकें, इसके लिए संस्था के शिक्षक लगातार प्रयासरत रहते हैं। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। विद्यार्थियों के बेहतर गाइडेंस के लिए उच्च स्तरीय स्टडी मटेरियल उपलब्ध कराया जाता है। वहीं, समय-समय पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन करने के लिए नियमित रूप से क्लासरूम टेस्ट सीरीज और ऑल इंडिया लेवल टेस्ट सीरीज का आयोजन किया जाता है। इससे शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन समय-समय पर करते रहते हैं। कमजोर विद्यार्थियों को भी चिह्नित कर उनकी विषय संबंधी परेशानी को डाउट क्लास से दूर किया जाता है। बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को रैंकर और रेसर बैच में शामिल किया जाता है, जिनकी खास मॉनिटरिंग कर उन्हें प्रवेश परीक्षा में बेहतर अंक हासिल कैसे करें की प्रेरणा लगातार दी जाती है। संस्था से जुड़ने वाले विद्यार्थियों को फुडिंग एंड लॉजिंग की सुविधा दी जाती है, जिससे बच्चे लगातार शिक्षकों के संपर्क में रह कर अपनी तैयारी कर सकें।

विद्यार्थियों की बेहतर प्रदर्शन का श्रेय संस्था के शिक्षक प्रशांत कौशिक, पीके सौरभ, प्रिया कुमारी, डॉ सुशांत कुमार, रोशन कुमार, रजनीश कुमार, निर्भय सिंह, संतोष कुमार, अभिजीत प्रधान, तनपीर आलम, अनिल कुमार, विमल कुमार शुक्ला, कुमार राहुल, अभिषेक कुमार, डॉ शशिकांत कुमार, अमिताभ मिश्रा, चंदन गुप्ता, गरिमा, सुनील, अरविंद, हेमंत, मनीष, अजिताभ, उदय, रूपक, आशुतोष आनंद, नव जीवन को जाता है। वहीं, संस्था के सदस्य संजीव कुमार, पूजा, कामेंद्र प्रसाद, आरती, रोहित, लक्ष्मी स्नेहिल, पम्मी, पल्लवी, कुंचन, ओंकार सिंह, सुबोध, उमेष, नरेश, विद्या सागर समेत अन्य शामिल है। बायोम इंस्टीट्यूट के न्यू नगड़ा टोली और हिनू स्थित सेंटर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा यूजी नीट 2024 की तैयारी के लिए अंतिम बैच में नामांकन की प्रक्रिया जारी है।

महत्वपूर्ण न्यूज

पटना-रांची-पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ कल होगा

रांची (आजाद सिपाही)। रेल मंत्रालय द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि पटना-रांची-पटना के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन किया जायेगा। ट्रेन संख्या 02439 रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 27 जून को रांची से उद्घाटन के पश्चात प्रस्थान करेगी तथा इस ट्रेन का वंदे भारत स्पेशल के रूप में पटना तक परिचालन होगा। पटना-रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का नियमित परिचालन दिनांक 28 जून से किया जायेगा। ट्रेन संख्या 22349 पटना-रांची वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 28 जून से सप्ताह में छह दिन (मंगलवार छोड़ कर) पटना से प्रस्थान करेगी। पटना प्रस्थान 07:00 बजे, गया आगमन 08:25 बजे प्रस्थान 08:35 बजे, कोडरमा आगमन 09:35 बजे प्रस्थान 09:37 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 10:33 बजे प्रस्थान 10:35 बजे, बरकाकाना आगमन 11:35 बजे प्रस्थान 11:40 बजे, मेसरा आगमन 12:20 बजे प्रस्थान 12:22 बजे और रांची आगमन 13:00 बजे होगा। ट्रेन संख्या 22350 रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन दिनांक 28 जून से सप्ताह में छह दिन (मंगलवार छोड़ कर) रांची से प्रस्थान करेगी। रांची प्रस्थान 16:15 बजे, मेसरा आगमन 16:35 बजे प्रस्थान 16:37 बजे, बरकाकाना आगमन 17:30 बजे प्रस्थान 17:35 बजे, हजारीबाग टाउन आगमन 18:30 बजे प्रस्थान 18:32 बजे, कोडरमा आगमन 19:30 बजे प्रस्थान 19:32 बजे, गया आगमन 20:45 बजे प्रस्थान 20:55 बजे एवं पटना आगमन 22:05 बजे होगा।

इन ट्रेनों में कुल आठ कोच होंगे : वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में रांची से पटना के लिए वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1175 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 2110 रुपये है। वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में पटना से रांची के लिए वातानुकूलित चेयर कार का किराया 1025 रुपये और एग्जीक्यूटिव चेयर कार का किराया 1930 रुपये है। इन ट्रेनों में आरक्षण की सुविधा प्रारंभ हो गयी हैं।

सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर चर्चा

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी के महाजनसंपर्क अभियान के अंतर्गत लगातार हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों के तहत रविवार को लोहरदगा स्थित सखेमराज स्मृति भवन में जिला के प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में आपातकाल पर चर्चा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के नौ वर्ष' पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सांसद सुदर्शन भगत ने इतिहास के उस काले अध्याय पर कहा कि किस तरह लोकतंत्र की हत्या की गयी। मुख्य वक्ता प्रशिक्षण सह प्रमुख तथा प्रबुद्ध सम्मेलन आयोजन समिति की सदस्य डॉ. राजश्री जयंती ने केंद्र सरकार की नौ वर्षों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ओम सिंह ने इमरजेंसी के दौरान हुई हिंसात्मक रवैये की चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन संजय बर्मन ने किया। भाजपा जिलाध्यक्ष मनीर उरांव ने अतिथियों का स्वागत व आपतकाल पर अपने विचार व्यक्त किये।

एजुकेशन लोन के नाम पर अभिभावकों को प्रताड़ित कर रहा है बैंक : अजय राय

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने रांची सहित झारखंड के कई बैंकों द्वारा छात्रों को दिए गए एजुकेशन लोन के आड़ में अभिभावकों एवं छात्रों को लगातार किए जा रहे प्रताड़ना पर भारी रोष व्यक्त किया है। झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि कई अभिभावकों ने इस संबंध में शिकायत की है। श्री राय ने कहा है कि हजारों होनहार छात्रों ने इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं अन्य उच्च पढ़ाई के लिए विभिन्न बैंकों से एजुकेशन लोन लिया हुआ है। जिसमें कई छात्रों को निर्धारित समय पर जॉब नहीं मिल सका। जिसके कारण कई छात्रों ने अपनी पढ़ाई को निरंतर जारी रखे हुए हैं। एवं सरकारी नौकरी के लिए भी अप्लाई किए हुए। किंतु कई बैंकों के प्रबंधकों ने ऐसे छात्रों पर लोन जमा करने के लिए बहुत सख्ती बरत रही है। जबकि ऐसे कई छात्र बैंकों से लोन वापस करने के लिए 6 महीना से 1 साल का समय की गुहार लगाई है। किंतु बैंक के प्रबंधक ने उन छात्रों एवं उनके अभिभावकों को बार-बार प्रताड़ना करने का कार्य कर रही है, जो कि सरासर बिल्कुल गलत है।

नौकरी के नाम पर 8 युवकों से 20 लाख की ठगी

तीन आरोपी गिरफ्तार, फर्जी स्टांप और नियुक्ति पत्र बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। जिले के जयनगर थाना पुलिस ने कई युवकों से रेलवे, एफसीआई, बैंक व पोस्ट ऑफिस आदि में नौकरी लगवाने व फर्जी नियुक्ति पत्र देकर 20 लाख रुपए ठगी करने के मामले का उद्भेदन करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से विभिन्न सरकारी विभाग के फर्जी नियुक्ति पत्र, लैपटॉप, प्रिंटर, फर्जी नियुक्ति पत्र छापने के कई सामान एवं विभिन्न बैंकों के एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। इस मामले में जयनगर थाना में प्रमिला वर्णवाल ने मामला (कांड संख्या 224/22) दर्ज कराया था। मामले को लेकर मोहम्मद हुसैन (पिता नसीरुद्दीन मौलाना, आजाद बस्ती, नामकुम), अख्तर अंसारी पिता शफी अहमद, मस्केडीह चलकुशा, वर्तमान पता आजाद बस्ती नामकुम), पिंटू कुमार (पिता स्वर्गीय रामजी राम, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, हरमू रांची), मोहम्मद अरमान और आलम अंसारी (पता नहीं मालूम) पर साजिश के तहत नौकरी दिलाने के नाम पर 8 बेरोजगार युवकों से 20 लाख रुपये की ठगी कर फर्जी नियुक्ति पत्र देने, पैसा वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। छापेमारी टीम गठित करने के बाद तकनीकी सहायता प्राप्त कर छापेमारी कर मोहम्मद हुसैन, अख्तर अंसारी और पिंटू कुमार को रविवार को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से विभिन्न बैंक अकाउंट का डेबिट कार्ड, 15 फर्जी स्टांप, विभिन्न पद के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र, नगद 7850 रुपये, फर्जी आईडी कार्ड समेत अन्य सामान बरामद किए गए। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद एएसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। छापेमारी दल में थाना प्रभारी जयनगर ऋषिकेश कुमार सिन्हा, पुलिस अवर निरीक्षक पंचम तिग्गा, जयनगर थाना के पुलिस बल और तकनीकी शाखा के जवान शामिल थे।

वाराणसी-रांची-कोलकाता ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे पर ग्रहण

1135 हेक्टेयर वन भूमि को लेकर एनएचएआइ चेयरमैन ने मुख्य सचिव को लिखी चिट्ठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में 1135 हेक्टेयर वनभूमि को लेकर वन विभाग के अधिकारियों की वजह से केंद्र की महत्वाकांक्षी पीएम गति शक्ति योजना पर ब्रेक लग रहा है। राज्य में 10 से अधिक हाइवे प्रोजेक्ट के विकास के रास्ते वनभूमि के पड़ने से कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में देरी होने की आशंका एनएचएआइ ने जतायी है। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने इसे लेकर चिंता जतायी है और राज्य के मुख्य सचिव को इस बाबत पत्र लिखकर अपनी चिंता से अवगत कराया है। बीते दिनों अपने रांची दौरे के क्रम में एनएचएआइ चेयरमैन ने मुख्य सचिव को पत्र लिख कर एवं उनसे मुलाकात कर वन भूमि क्लीयरेंस जैसे गंभीर मुद्दों पर पहल कर परियोजनाओं को समय से पूर्ण करने में सहयोग मांगा है।

इन परियोजनाओं में देरी की संभावना

- चार लेन, कुडू से उदयपुरा एनएच 75, डालटेनगंज करीब 40 किमी- फॉरेष्ट लैंड - 78.32 हेक्टेयर।
- चार लेन उदयपुरा से भोगू एनएच 75, सेक्शन दो: 52 किमी, वनभूमि- 121.0517 हेक्टेयर।
- चार लेन, भोगू से शंखा- सेक्शन तीन, 49 किमी, वनभूमि- 21.1742 हेक्टेयर।
- छह लेन ग्रीनफील्ड वाराणसी-रांची कोलकोता हाइवे: एनएच 22 चतरा बाइपास, 38 किमी, वनभूमि- 103 हेक्टेयर।
- छह लेन वाराणसी-रांची-कोलकाता हाइवे: एनएच 100, देवरिया विलेज,चतरा, 31 किमी, 186.24 हेक्टेयर।
- छह लेन वारणासी-रांची-कोलकाता हाइवे एनएच 100, देवरिया उसे दोनोशान गांव, 35 किमी, वनभूमि- 119.79 हेक्टेयर।
- छह लेन वाराणसी-रांची-कोलकाता हाइवे: दोनोशान से बोंगाबार गांव: 67 किमी, वनभूमि- 213.46 हेक्टेयर।
- छह लेन वारणासी-रांची-कोलकाता हाइवे बोंगाबार से एनएच लेपो गांव, वनभूमि 132.51 किमी।
- वारणासी-रांची-कोलकाता हाइवे, लेपो गांव से कमलापुर झारखंड-बंगाल सीमा तक 29 किमी, 128.21 हेक्टयर वनभूमि।
- चार लेन बासुकीनाथ से देवघर सेक्शन 114 ए: 11.0316 हेक्टयर वनभूमि।
- कुल: वनभूमि 1135 हेक्टेयर।

देरी का कारण है वन (संरक्षण) नियम 2022

मुख्य सचिव को लिखे अपने पत्र में एनएचएआइ चेयरमैन ने इन परियोजनाओं में हो रही देरी की वजह केंद्र सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु मंत्रालय द्वारा अधिसूचित वन (संरक्षण) नियम 2022 है। इसके तहत हाईवे प्रोजेक्ट के तहत आने वाली वन भूमि में कार्यकारी एजेंसी को क्लीयरेंस देने का प्रावधान उस समय ही मिल सकेगा जब कार्यकारी एजेंसी की ओर से प्रतिपूरक क्षतिपूर्ति के रूप में दूसरी ऐसी जगह पर वनीकरण के लिए भूमि उपलब्ध कराया जा सकेगा, जो पहले से वन अधिनियम 1927 से आच्छादित नहीं हो। अपने पत्र में एनएचएआइ चेयरमैन ने मुख्य सचिव को अवगत कराया है कि जिन 1135 एकड़ वन भूमि को लेकर प्रोजेक्ट के पूर्ण होने में देरी हो रही है उसके लिए वैकल्पिक जमीन एनएचएआइ के पास नहीं है।

वन विभाग नियम के अनुपालन पर अड़ा

पत्र में एनएचएआइ चेयरमैन ने स्पष्ट किया है कि 10 से अधिक प्रोजेक्ट का काम इस वजह से आगे नहीं बढ़ पा रहा है, क्योंकि झारखंड के वन विभाग के अफसर इस बात पर अड़े हैं कि पहले वनीकरण के लिए दूसरी जगह एनएचएआइ जमीन उपलब्ध करायें, उसके बाद ही बात उपरोक्त परियोजनाओं के लिए वन भूमि का क्लीयरेंस मिल सकेगा। ऐसे में चेयरमैन ने इन सारी स्थिति से सीएस यानी मुख्य सचिव को अवगत कराते हुए कहा कि वर्तमान में एनएचएआइ के पास जमीन उपलब्ध नहीं है। ऐसे में इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं में देरी हो सकती है। चेयरमैन ने राज्य के मुख्य सचिव से अविलंब इसमें पहल करके इन समस्याओं के हल में मदद करने की अपील की है, ताकि पीएम गति शक्ति योजना से बन रही इन परियोजनाओं के काम में तेजी हो।

बता दें कि अधिकांश प्रोजेक्ट स्वीकृत हैं और इनका टेंडर भी फाइनल हो गया है। ऐसे में जहां वनभूमि हैं, वहां पर परियोजना में देरी होने की आशंका जतायी जा रही है।

महत्वपूर्ण न्यूज

भारतीय जन जागरूकता पार्टी के नेशनल बायोफिल का किया सम्मेलन

रांची (आजाद सिपाही)। भारतीय जन जागरूकता पार्टी के द्वारा नेशनल बायोफिल का सम्मेलन प्रेस क्लब रांची में हुआ। इस कार्यक्रम के द्वारा लोगो को रोजगार से जोड़ने और गांव के विकास के लिए देश के उन्नति के लिए कई कंपनियों को लेकर आयी है। इस कार्यक्रम में एमसीएल विजन कंपनी के श्रवण माने, उदय शेठ्ठी, संतोष, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। भारतीय जन जागरूकता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कमल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री सह कोषाध्यक्ष सत्यजीत कुंदन, द्वारा कार्यक्रम में लोगों को जागरूक किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कमल ने कहा कि रोजगार होगा तो लोग देश की उन्नति के लिए आगे बढ़ेंगे और रोजगार के साथ लोग हमारे कंपनी के साथ जुड़ कर आत्मनिर्भर बनेंगे और हर जगह छोटे छोटे उद्योग लगायेंगे। इस बीच पार्टी के सत्यजीत कुंदन ने भी कई योजनाओं की जानकारी दी। एमसीएल कंपनी के श्रवण राने कंपनी की पूरी जानकारी दी। संतोष कंपनी के बायो गैस प्लांट लगाने से होने वाले फायदे के बारे में बताये। यह कंपनी गांव गांव में जाकर काम करेगी और रोजगार से जोड़ने के लिए किसानों को फायदे बतायेगी। कार्यकारणी प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पृवांचल, अशोक पाठक, झारखंड के कलाकार रोहित आरके, नारी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम सिंह, रूपा देवी, कमला देवी, गगन कुमार, साहेब राणा, रंजीत कुमार, ओडिशा के झलसुगुड़ा से उदय ताम्रकार, जितेंद्र गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता, साहेब राणा, संजय कुमार, ममता देवी, ओडिशा से छेत्र भर नायक, रांची से रेनू सिंह, किशोर सोन तिर्की, पश्चिम बंगाल से विपलब बेरा, राहुल कुमार, झारखंड से मंजू देवी एवं कई संगठन के सदस्य उपस्थित थे।

बरनवाल सेवा ट्रस्ट रांची का स्थापना दिवस मना

रांची (आजाद सिपाही)। बरनवाल सेवा ट्रस्ट, रांची के स्थापना दिवस की छठी वर्षगांठ स्वयंवर वाटिका, कोकर, रांची में रविवार को मनायी गयी। मुख्य अतिथि महेंद्र मोदी, एक्स डीजीपी, उत्तर प्रदेश थे। अध्यक्ष डॉ टीपी बरनवाल ने ट्रस्ट के कार्य कलाप के बारे में अवगत कराया। ट्रस्ट समाज के जरूरतमंद लोगों के मदद के लिए हमेशा तत्पर रहता है। अहिबरन भवन के निर्माण हेतु सहयोग राशि के लिए अपील की। वार्षिक पत्रिका स्पंदन 5 का विमोचन किया गया। पत्रिका में प्रकाशित स्वरचित रचना को कवयित्री खुशबू बरनवाल ने प्रस्तुत किया। मंच संचालन विकास बरनवाल ने किया। कोषाध्यक्ष अरविंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

93वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारा

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को 93वां निःशुल्क श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भोजन भंडारे का प्रसाद का वितरण कर सेवा की गयी। अन्नपूर्णा भोजन प्रसाद भंडारे की सेवा कार्य में संस्था के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, पुर्णमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी, सज्जन पाडिया, नंद किशोर चौधरी, ज्ञान प्रकाश शर्मा, मनीष सोनी, चंद्रदिप साहू, धीरज कुमार गुप्ता, परमेश्वर साहू, महेश वर्मा महिला समिति की वरिष्ठ सदस्या बिमला जालान, चंदा देवी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल उपस्थित थीं। यह जानकारी राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल ने दी।

विदेश जानेवाले चीनी अधर में

चीन जैसे-जैसे अपनी आर्थिक दुर्दशा की तरफ बढ़ता गया है, वैसे ही चीन के अमीर लोग अपनी सारी धन-संपत्ति लेकर चीन से बाहर दूसरे देशों में जाकर बसने लगे। इसमें यूरोप के कई देश, कनाडा, आस्ट्रेलिया जैसे देश चीनी अमीरों को गोल्डन वीजा कार्यक्रम के तहत इनसे 5 से 10 लाख अमेरिकी डालर का निवेश अपने देशों में करवाते और फिर 5 वर्ष की प्रतीक्षा के बाद इन्हें अपने देशों की नागरिकता दे दिया करते थे, लेकिन हाल के दिनों में अमीर चीनी बहुत बड़ी संख्या में चीन छोड़ कर इन देशों का रुख करने लगे थे, जिसे देखते हुए यहां पर चीनियों के खिलाफ आंदोलन होने लगे और स्थानीय नागरिक अपनी सरकारों की गोल्डन वीजा की नीतियों की आलोचना करने लगे। अब जैसे ही इन देशों ने अपने गोल्डन वीजा कार्यक्रम को खत्म किया है, तब से चीनियों का इन देशों में आना रुका है और अमीर चीनी वर्ग अब असमंजस में फंस गया है कि वह चीन छोड़ कर जाये तो कहां जाये? हाल ही में आस्ट्रेलिया ने अपने गोल्डन वीजा कार्यक्रम पर रोक लगा दी है, जिसे वहां की सरकार ने वर्ष 2012 में शुरू किया था। उन्हें उम्मीद थी कि दुनिया भर से अमीर लोग यहां आकर पैसा निवेश करेंगे, जिससे आस्ट्रेलिया की अर्थव्यवस्था तेज गति से प्रगति करेगी, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। गोल्डन वीजा पर रोक लगाने से खास कर वे अमीर चीनी दुविधा में फंस गये हैं, जिन्होंने यहां पैसों का निवेश भी कर दिया और पांच वर्ष की प्रतीक्षा के बाद उन्हें आस्ट्रेलिया की नागरिकता भी नहीं मिली और उनके पैसे भी चले गये। दरअसल, आस्ट्रेलिया सरकार ने एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि अमीर चीनी वर्ग आस्ट्रेलिया आने के बाद यहां बहुत कम पैसे निवेश करता है, इससे ज्यादा पैसे तो आस्ट्रेलिया के लोग खर्च कर देते हैं। दरअसल अभी आस्ट्रेलिया ने अपने गोल्डन वीजा कार्यक्रम पर रोक लगायी है, लेकिन जानकारों का कहना है कि भारी संख्या में चीनियों के आस्ट्रेलिया आने के बाद अब आस्ट्रेलिया इस कार्यक्रम को अगले 2 वर्षों में खत्म कर देगा, लेकिन वहां के सरकारी अधिकारियों का कहना है कि गोल्डन वीजा या फिर बिजनेस इनोवेशन एंड इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम यानी बीआइआइपी योजना में जो कमियां रह गयी हैं, उन्हें दूर कर एक नयी योजना के साथ वापसी करेगा। यूरोपीय देशों में गोल्डन वीजा कार्यक्रम के चलते मनी लांड्रिंग, कुछ लोगों द्वारा टैक्स न भरना और बढ़ते भ्रष्टाचार की बात को स्वीकार करते हुए कहा गया कि इस कार्यक्रम का बंद होना यूरोपीय देश के लिए एक अच्छा संकेत है। इसके चलते यूरोपीय संसद ने इस मुद्दे पर दो दौर की वोटिंग करवाई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया कि धीरे-धीरे गोल्डन वीजा कार्यक्रम को खत्म कर दिया जायेगा। इसके बाद विदेशी मीडिया में छपी खबर में कहा गया कि पूरा यूरोप वर्ष 2025 तक गोल्डन वीजा कार्यक्रम को पूरी तरह से खत्म कर देगा।

दरअसल, आस्ट्रेलिया सरकार ने एक रिपोर्ट जारी कर कहा कि अमीर चीनी वर्ग आस्ट्रेलिया आने के बाद यहां बहुत कम पैसे निवेश करता है, इससे ज्यादा पैसे तो आस्ट्रेलिया के लोग खर्च कर देते हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

कालांतर में किसानों की दुर्दशा देख कर स्वामीजी ने बिहार में एक असरदार किसान आंदोलन शुरू किया। इतिहास गवाह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में जब असहयोग आंदोलन शुरू हुआ तो बिहार में भी उसने गति पकड़ी, क्योंकि बिहार में स्वामी सहजानंद सरस्वती ही उसके केंद्र में थे। कहा जाता है कि संत होते हुए भी उन्होंने जगह जगह घूम-घूम कर अंग्रेजी राज के खिलाफ लोगों को खड़ा किया।

स्वामी सहजानंद सरस्वती-किसान आंदोलन के जनक

गोपाल जी राय

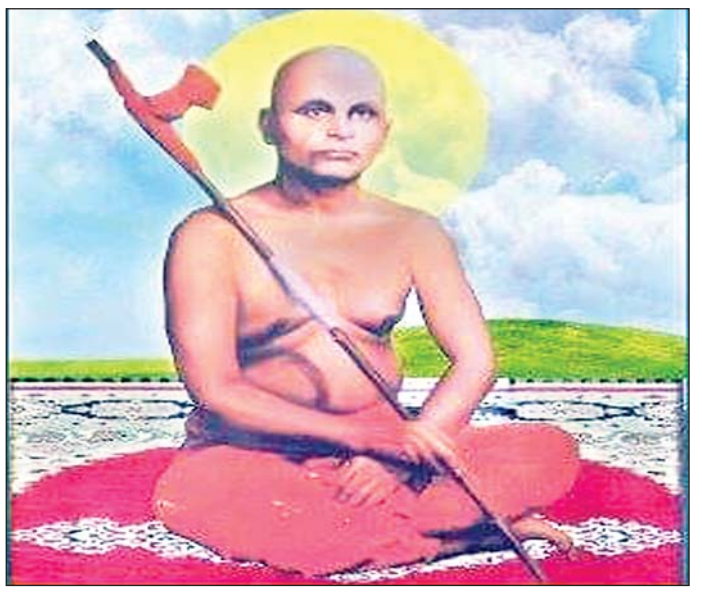

स्वामी जी का जन्म उत्तरप्रदेश के गाजीपुर जिले के देवा गांव में वर्ष 1889 में महाशिवरात्रि के दिन हुआ था। चूंकि बचपन में ही उनकी माताजी का स्वर्गवास हो गया था, इसलिए पढ़ाई के दौरान ही उनका मन आध्यात्म में रमने लगा। फिर वह क्षण भी आया जब गुरु दीक्षा को लेकर उनके बाल सुलभ मन में धर्म की कतिपय विकृति के खिलाफ आंतरिक विद्रोह पनपा। दरअसल, सनातन धर्म के अंधानुकरण के खिलाफ उनके मन में जो भावना पली बढ़ी थी, उसने सनातनी मूल्यों के प्रति उनकी आस्था को और गहरा किया। यूं तो वैराग्य भावना को देख कर बाल्यावस्था में ही उनकी शादी कर दी गयी। लेकिन, संयोग ऐसा रहा कि सदगृहस्थ जीवन शुरू होने के पहले ही इनकी पत्नी का स्वर्गवास हो गया। इसके बाद उन्होंने विधिवत संन्यास ग्रहण की और दशनामी दीक्षा लेकर स्वामी सहजानंद सरस्वती हो गये।

कहा जाता है कि इसी दौरान स्वामी जी को काशी में समाज की एक और कड़वी सच्चाई से सामना हुआ। क्योंकि काशी के कुछ पंड़ितों ने उनके संन्यास का यह कह कर विरोध किया कि ब्राह्मणेतर जातियों को दंड धारण करने का अधिकार नहीं है। लेकिन स्वामी सहजानंद सरस्वती ने इसे चुनौती के तौर पर स्वीकार किया और विभिन्न उपयुक्त मंचों पर शास्त्रार्थ करके कालप्रवाह वश यह साबित कर दिया कि भूमिहार भी ब्राह्मण मूल की ही एक समृद्ध शाखा हैं और हर योग्य व्यक्ति संन्यास धारण करने की पात्रता रखता है।

इतिहास साक्षी है कि सन 1934 में जब बिहार प्रलयंकारी भूकंप से तबाह हुआ, तब स्वामीजी ने बढ़-चढ़ कर राहत और पुनर्वास के काम में भाग लिया।

कालांतर में किसानों की दुर्दशा देख कर स्वामीजी ने बिहार में एक असरदार किसान आंदोलन शुरू किया। इतिहास गवाह है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में जब असहयोग आंदोलन शुरू हुआ तो बिहार में भी उसने गति पकड़ी, क्योंकि बिहार में स्वामी सहजानंद सरस्वती ही उसके केंद्र में थे। कहा जाता है कि संत होते हुए भी उन्होंने जगह जगह घूम-घूम कर अंग्रेजी राज के खिलाफ लोगों को खड़ा किया। दरअसल, ये वह समय था जब स्वामी जी भारत वर्ष को समझ रहे थे और किसान हित में अपनी भूमिका तय कर रहे थे।

इसी क्रम में उन्हें एक अजूबा अनुभव हुआ। वह यह कि किसानों की हालत तो गुलामों से भी बदतर है। इसलिए युवा संन्यासी का मन एक बार फिर नये संघर्ष की ओर ऐसा उन्मुख हुआ कि वे किसानों को लामबंद करने की अपनी मुहिम में जुट गये और मरते दम तक इसे एक प्रतिष्ठित स्थान दिलवाया। यदि भारतीय राजनीति क्षुद्र स्वभाव की नहीं होती तो जब जब किसान हित की बात सोची जाती तो उन योजनाओं को स्वामी सहजानंद सरस्वती के नाम पर ही शुरू किया जाता। क्योंकि भारत के इतिहास में सर्वप्रथम संगठित किसान आंदोलन खड़ा करने और उसका सफल नेतृत्व करने का एक मात्र श्रेय यदि किसी को जाता है, तो वह स्वामी सहजानंद सरस्वती को जाता है।

यह कौन नहीं जानता कि आजादी के लिए संघर्षरत कांग्रेस में रहते हुए भी स्वामीजी ने किसानों को जमींदारों के शोषण, दमन, उत्पीड़न और आतंक से मुक्त कराने का अपना अभियान जारी रखा। यही वजह है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता और सामाजिक सक्रियता से घबड़ा कर अंग्रेजों ने उन्हें कारागार में डाल दिया। लेकिन इससे स्वामी जी को और मजबूती मिली। खास बात यह रही कि जेल यात्रा के दौरान गांधीजी के कांग्रेसी अनुयायियों की सुविधाभोगी प्रकृति और उपभोगी प्रवृत्ति को देखकर स्वामीजी दिल से हैरान हो गये। यही वजह है कि स्वभाव से विद्रोही चेतना के प्रतीक रहे स्वामीजी का कांग्रेस से मोहभंग होना शुरू हो गया।

इतिहास साक्षी है कि सन 1934 में जब बिहार प्रलयंकारी भूकंप से तबाह हुआ, तब स्वामीजी ने बढ़-चढ़ कर राहत और पुनर्वास के काम में भाग लिया। इससे उनकी प्रसिद्धि खूब बढ़ी। इससे उत्साहित होकर स्वामी सहजानंद सरस्वती ने किसानों को हक दिलाने के लिए आजीवन संघर्ष को ही अपने जीवन का दीर्घकालिक लक्ष्य घोषित कर दिया। तब उन्होंने एक यादगार नारा दिया- कैसे लोगे मालगुजारी, लठ हमारा जिंदाबाद। कहते हैं कि बाद में उनका यही नारा देशव्यापी किसान आंदोलन का सबसे प्रिय नारा बन गया। अमूमन वे कहते थे कि अधिकार हम लड़ कर लेंगे और जमींदारी का खात्मा करके रहेंगे। इस बात में कोई दो राय नहीं कि स्वामी जी का ओजस्वी भाषण किसानों के दिलोदिमाग पर गहरा असर डालता था। यही वजह है कि काफी कम समय में ही किसान आंदोलन पहले पूरे बिहार में और फिर पूरे देश में फैल गया। बताया जाता है कि तब बड़ी संख्या में किसान लोग स्वामीजी को सुनने आते थे।

देखा जाये तो अपने सक्रिय सामाजिक और संतत्व जीवन के अंतिम दिनों में उन्होंने कांग्रेस के समाजवादी नेताओं से हाथ मिला लिया। उसके बाद अप्रैल,1936 में कांग्रेस के लखनऊ सम्मेलन में अखिल भारतीय किसान सभा की स्थापना हुई जिसमें स्वामी जी को उसका पहला अध्यक्ष चुना गया। उस दौर में एम जी रंगा, इएमएस नंबुदरीपाद, पंड़ित कायानंद शर्मा, पंडित यमुना कार्यजी, आचार्य नरेंद्र देव, राहुल सांकृत्यायन, राम मनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण, पंडित यदुनंदन शर्मा, पी सुंदरैया और बंकिम मुखर्जी जैसे कई नामी गिरामी चेहरे किसान सभा से जुड़े थे, जिनका सफल नेतृत्व और मार्गदर्शन उन्होंने किया।

यह स्वामी जी की जनप्रियता का ही तकाजा था कि उनके नेतृत्व में किसान रैलियों में जुटने वाली भीड़ कांग्रेस की सभाओं में शिरकत करने वाली भीड़ से कई गुना ज्यादा होती थी। उनके संगठन की लोकप्रियता का अंदाजा सिर्फ इसी बात से लगाया जा सकता है कि 1935 में इसके सदस्यों की संख्या अस्सी हजार थी, जो 1938 में बढ़ कर 2 लाख 50 हजार हो गयी। इसलिए किसान आंदोलन के सफल संचालन के लिए उन्होंने पटना के समीप बिहटा में अपना आश्रम स्थापित किया। वह सीताराम आश्रम आज भी है।

आपको पता होना चाहिए कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस से भी स्वामी जी की गहरी नजदीकियां थीं। लिहाजा किसान हितों के लिए आजीवन संघर्षरत रहे स्वामी सहजानंद सरस्वती ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के साथ कई रैलियां की। विशेष बात यह कि जब आजादी की लड़ाई के दौरान स्वामी जी की गिरफ्तारी हुई तो नेताजी ने 28 अप्रैल को 'ऑल इंडिया स्वामी सहजानंद डे' घोषित कर दिया। उनके अलावा बिहार के प्रमुख क्रांतिकारी लोक कवि बाबा नागार्जुन भी स्वामीजी के व्यक्तित्व से अति प्रभावित थे। उन्होंने वैचारिक झंझावातों के दौरान बिहटा आश्रम में जाकर स्वामीजी से मार्गदर्शन प्राप्त किया था।

आमतौर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती संघर्ष के साथ ही सृजन के भी प्रतीक पुरुष हैं, तभी तो अपनी अति व्यस्त दिनचर्या के बावजूद उन्होंने दो दर्जन से ज्यादा अविस्मरणीय पुस्तकों की रचना की। एक तरफ सामाजिक व्यवस्था पर उन्होंने 'भूमिहार ब्राह्मण परिचय', 'झूठा भय मिथ्या अभिमान', 'ब्राह्मण कौन', 'ब्राह्मण समाज की स्थिति' जैसी कालजयी पुस्तकें हिंदी में लिखी, तो दूसरी ओर 'ब्रह्मर्षि वंश विस्तर' और 'कर्मकलाप' नामक दो ग्रंथों का प्रणयन संस्कृत और हिंदी में किया। उनकी आत्मकथा 'मेरा जीवन संघर्ष' के नाम से प्रकाशित है। आजादी की लड़ाई और किसान आंदोलन के संघर्षों की दास्तान, उनकी 'किसान सभा के संस्मरण', 'महारुद्र का महातांडव, जंग और राष्ट्रीय आजादी', 'अब क्या हो', 'गया जिले में सवा मास' आदि पुस्तकों में दर्ज हैं। उन्होंने 'गीता हृदय' नामक भाष्य भी लिखा। किसानों को शोषण मुक्त करने और जमींदारी प्रथा के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए स्वामी जी 26 जून, 1950 को महाप्रयाण कर गये। इससे किसानों का इकलौता रहनुमा भी चला गया और किसान अनाथ हो गये। आज तक उन्हें अपने नाथ का बेसब्री से इंतजार है।

यह ठीक है कि उनके जीते जी जमींदारी प्रथा का अंत नहीं हो सका। लेकिन यह उनके द्वारा प्रजवलित की गयी ज्योति की लौ ही है, जो आज भी बुझी नहीं है और चौराहे पर खड़े किसान आंदोलन को मूक अभिप्रेरित कर रही है। यूं तो आजादी मिलने के साथ हीं जमींदारी प्रथा को कानून बना कर खत्म कर दिया गया। लेकिन आज यदि स्वामीजी होते तो फिर लट्ठ उठा कर देसी हुक्मरानों के खिलाफ भी संघर्ष का ऐलान कर देते। दुर्भाग्यवश, किसान सभा भी है और उनके नाम पर अनेक संघ और संगठन भी सक्रिय हैं, लेकिन स्वामीजी जैसा निर्भीक नेता दूर-दूर तक नहीं दिखता। किसी सियासी मृगमरीचिका में भी नहीं। यह सच है कि उनके निधन के साथ ही भारतीय किसान आंदोलन का सूर्य अस्त हो गया। सुप्रसिद्ध लेखक और राष्ट्रकवि दिनकर के शब्दों में कहें तो 'पददलितों का संन्यासी' चला गया और किसानों को अब भी उनके, या उन जैसे किसान रहनुमा के लौटने की आस है, क्योंकि इतिहास खुद को दुहराता है! नाउम्मीदी हम हिंदुस्तानियों में होती भी कहां है? इसलिए इंतजार की घड़ियां गिन-गिन लोग अपना काम चला रहे हैं।

(लेखक सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में उप निदेशक हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

केकेसी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले प्रदेश अध्यक्ष

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। अखिल भारतीय कामगार व कर्मचारी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ उदित राज से पटना में एक कार्यक्रम के दौरान झारखंड केकेसी के प्रदेश अध्यक्ष शैलेश पांडेय ने मुलाकात की। मौके पर अगस्त में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाले राष्ट्रीय मजदूर महासम्मेलन की तैयारीयो को लेकर चर्चा की। दिल्ली के महासम्मेलन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता शामिल होंगे। उदित राज ने झारखंड से असंगठित क्षेत्र, मनरेगा, रेडी- पटरी, दुकानों में काम करने वाले एक हजार से ज्यादा मजदूरों को सम्मेलन में लाने का निर्देश दी। मौके पर झारखंड के राजनैतिक हालात की जानकारी ली। साथ ही झारखंड में कांग्रेस पार्टी को सशक्त बनाने के लिए असंगठित क्षेत्र के कामगारों को कांग्रेस के विचारधारा से अवगत कराने की बात कही। उन्होंने कहा कि महासम्मेलन के संदर्भ में केसीसी के उपाध्यक्ष संजय गाबा सोमवार को रांची पहुंचेंगे। रांची में प्रदेश अध्यक्ष और कार्यकताओं के संग बैठक करेंगे। शाम 4 बजे गुमला में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। में शामिल होंगे।

पुलिस की कार्रवाई से अपराधियों में मचा हड़कंप

पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले अपराधियों को किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिले के आदित्यपुर पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता हाथ लगी है। थाना प्रभारी राजन कुमार के नेतृत में पुलिस टीम ने रंगदारी की मांग करने वाले अपराधियों को चंद घंटों में हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार कुख्यात अपराधकर्मी कादिम खान के छोटा बेटा बीती रात दिंदली बाजार के प्रेम वस्त्रालय में हथियार के बल पर मारपीट कर हफ्ता वसूली को लेकर रंगदारी का मांग किया था। रविवार को भयभीत दुकानदारों ने थाना प्रभारी से सुरक्षा की गुहार लगाई थी। थाना प्रभारी राजन कुमार ने दुकानदारों की समस्या को गंभीरता से लेते

हुए भयमुक्त होकर कारोबार करने और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी करने का भरोसा दिलाया था। उन्होंने कहा कि अपराधी चाहे जो हो किसी कीमत पर उन्हें पनपने नहीं दिया जायेगा। वही वीडियो क्लिप उपलब्ध होते ही थाना प्रभारी राजन कुमार ने आरोपियों की धरपकड़ में जुट गई। उधर आश्वासन के बाद सभी अपने प्रतिष्ठानों को खोलकर कारोबार में जुट गए। थाना प्रभारी राजन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महज कुछ घंटों में आदित्यपुर मुस्लिम बस्ती की घेराबंदी कर अलग अलग हिस्सों से शाहबाज सहित 4 युवकों को हथियार सहित धर दबोचा। फिलहाल पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है।

भाजपा महानगर ने आपातकाल की याद में काला दिवस मनाया

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को भाजपा महानगर ने 1975 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की ओर से लागू आपातकाल के विरोध में काला दिवस मनाया ।

बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन के प्रयाग कक्ष में महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव की अध्यक्षता में आपातकाल को भारतीय इतिहास का सबसे काला अध्याय बताते हुए लोकनायक जयप्रकाश नारायण को स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो समेत शहर के प्रबुद्धजन मुख्यरूप से सम्मिलित थे। इस दौरान इमरजेंसी पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गयी। इस अवसर पर सांसद विद्युत वरण महतो ने कहा कि देशवासी आजादी के बाद जितने हर्षित थे। लोकतंत्र के काले अध्याय को याद करते हए पार्टी ने आज काला दिवस मनाया।

भाजपा ने चलाया महाजनसंपर्क अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर भाजपा पूरे प्रदेश में विशेष जनसंपर्क अभियान जारी है। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने पुर्वी विधानसभा में कार्यकताओं के साथ घर-घर जाकर केंद्र की मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर मनीफिट क्षेत्र के आदर्श नगर, सोखी कॉलोनी, रजक बस्ती, पंजाबी लाइन के पांच बूथों पर महा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने क्षेत्र के नागरिकों और दुकानदारों को केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल की जनहितैषी योजनाओं से अवगत कराते हुए पत्र का वितरण किया। कार्यकताओं ने 'संपर्क से समर्थन' अभियान के तहत लोगों के घरों व दुकानों में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 साल की प्रमुख उपलब्धियों को जनता के समक्ष रखा। इस दौरान केंद्र की मोदी सरकार को टोल फ्री नंबर के माध्यम से समर्थन देने का आग्रह किया गया। अभियान के दौरान क्षेत्र के लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार के पिछले नौ वर्ष का शासनकाल ऐतिहासिक उपलब्धियों एवं विकास कार्यों से परिपूर्ण है। पिछले नौ वर्षों में देश के विकास और जनकल्याण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए और बड़ी कामयाबी हासिल कर पूरे विश्व में देश का विशेष स्थान बना है। उन्होंने कहा केंद्र सरकार के स्पष्ट एवं विकासोन्मुखी नीतियों से लोगों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास और गहरा हुआ है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी की सुविचारित योजनाएं हमारे देश के लोगों का समग्र विकास कर रही हैं। आज भारत आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। अभियान के दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष रामबाबू तिवारी, कुलवंत सिंह बंटी, जिला महामंत्री राकेश सिंह, बमार्माइंस मंडल अध्यक्ष दीपक झा, अजय मिश्रा, विपिन सिंह, मनोज श्रीवास्तव, सूरज सिंह, श्रीनिवास सिंह, राकेश रंजन, रितेश झा, रविजेंट सिंह, राजकुमार प्रसाद, सत्येंद्र रजक, पवन कुमार, कैलाशपति मिश्रा मीना देवी, मधु तांती, विराट कुमार समेत अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कांग्रेस के लिए देश की जनता नहीं सत्ता सर्वोपरि: दीपक प्रकाश

तानाशाह कांग्रेस ने सत्ता के लिए 1975 में देश में आपातकाल थोपा, लोकतंत्र को रौंदा

आजाद सिपाही संवाददाता

सरायकेला। भारत के लोकतंत्र की रक्षा के लिए घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस, विदेश की धरती पर भारत के खिलाफ साजिश करनेवाली कांग्रेस पार्टी के लिए प्रारंभ से ही सत्ता सर्वोपरि है, देश की सेवा से उसका कुछ भी लेना देना नहीं। यह बात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने रविवार को सरायकेला स्थित

मारवाड़ी धर्मशाला में पार्टी द्वारा आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कांग्रेस को विश्वास नहीं। ये कांग्रेस पार्टी तानाशाह पार्टी है, जिसने सत्ता के लिए देश का विभाजन स्वीकार किया। 12जून 1975 को इलाहाबाद हाइकोर्ट ने जब श्रीमती इंदिरा गांधी को चुनावी धांधली का दोषी बताते हुए रायबरेली से उनका निर्वाचन रद्द कर दिया और जब सुप्रीम कोर्ट ने भी उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भारत के संविधान को रौंदते हुए देश में आपातकाल लागू कर दिया।उन्होंने कहा कि ये वही कांग्रेस पार्टी है, जिसने आपातकाल लगा कर नागरिक के अधिकार छीन लिये, प्रेस की आजादी छीन ली, लाखों लोग गिरफ्तार कर लिये गये, जिसमें सभी वर्ग के लोग शामिल थे।उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र के रक्षा की दुहाई देती है, लेकिन कांग्रेस भारत के संविधान से नही अपने संविधान से देश चलाना चाहती है। उसमें भ्रष्टाचार का पोषण, संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग, जात पात और तुष्टिकरण जैसे आयाम शामिल है। कांग्रेस पार्टी ने अपने एजेंडे को लागू करने के लिए अनेक बार संविधान का संशोधन किया। राष्ट्रपति शासन का दुरुपयोग किया, कैबिनेट के फैसले का अपमान किया, फिर कांग्रेस लोकतंत्र की बात करती है।उन्होंने कहा कि भारत को तोड़ने की मानसिकता वाले लोग भारत जोड़ने का ढोंग करते हैं। श्री प्रकाश ने कहा कि भारत लोकतंत्र की जननी है। इसकी जड़ें देश में बहुत गहरी है । भारत की जनता लोकतंत्र की पोषक और संरक्षक है।

जनता के द्वार : परिहारा पंचायत वासियों की मंत्री मिथिलेश ने सुनी समस्या, कई मामलों का ऑन द स्पॉट किया समाधान, कहा

जनता की समस्या मेरी अपनी समस्या है

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर रविवार को गढ़वा सदर प्रखंड के परिहारा पंचायत पहुंचे। यहां पंचायत के विभिन्न गांवों में जाकर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों की कई समस्याओं का ऑन द स्पॉट समाधान भी किया गया। शेष समस्याओं का निदान यथाशीघ्र करने के लिए मंत्री ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया।

मंत्री श्री ठाकुर परिहारा पंचायत के ग्राम कितासोती कला, कितसोती खुर्द स्कूल में ग्राम सभा करके एवं बलीगढ़ में देवी धाम के समीप तथा परिहारा पंचायत भवन में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों की समस्याओं से रू-ब-रू हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने पेयजल, वृद्धा पेंशन, राशन आदि की समस्याओं से मंत्री को अवगत कराया। मंत्री ने मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों को तत्काल सभी समस्याओं को सूचीबद्ध करते हुए यथाशीघ्र निदान करने का निर्देश दिया। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि सभी खराब पड़े चापाकल एवं जल मीनार की तत्काल मरम्मती करा दी जाएगी।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि गढ़वा वासियों की हर समस्या मेरी अपनी समस्या है। जनता की समस्याओं का मैं अपनी व्यक्तिगत समस्या समझ कर निदान करने का प्रयास करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं जनता का चुना हुआ उनका सेवक हूं, और जनता की सेवा में 24 घंटे तत्पर रहता हूं। यही कारण है कि हर गांव-गांव पहुंचकर मैं खुद लोगों की समस्याओं से अवगत हो रहा हूं और उसका निदान कर रहा हूं। मेरे कार्यकाल में अपनी समस्या के निदान के लिए लोगों को मंत्री, विधायक और अधिकारियों के घर या कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। बल्कि मैं खुद अधिकारियों के साथ जनता के घर पहुंच कर उनकी समस्या का निदान कर रहा हूं। मौके पर पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रदीप सिंह, जेई सिकंदर कुमार, सीओ कुमार मयंक भूषण, बीडीओ कुमुद कुमार झा, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, मदनी खान, मुखिया प्रतिनिधि अजय ठाकुर, इलायची ठाकुर, जिप उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव, जिप सदस्य अमृतांजलि देवी, झामुमो गढ़वा प्रखंड अध्यक्ष फुजैल अहमद, रितेश तिवारी, राकेश बैठा, संजय सिंह छोटू, हरवंश पासवान, मुखिया रविंदर राम, उप मुखिया लता देवी, बीडीसी सत्येंद्र राम, संजय सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

बाइपास निर्माण की अंतिम बाधा दूर : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

अचला कब्रिस्तान पर बनेगा फ्लाइ ओवर

मंत्री ने गडकरी और हेमंत के प्रति जताया आभार

गढ़वा। गढ़वा बाईपास सड़क निर्माण की अब अंतिम बाधा दूर हो गई है। अचला में कब्रिस्तान के समीप फ्लाईओवर निर्माण की सहमति बन गई है। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि इस बात को लेकर उनका लगातार प्रयास रहा और यह बाधा दूर करने में सफलता मिल गई है। बाईपास निर्माण के इस बाधा को दूर हो जाने पर मंत्री श्री ठाकुर ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित एनएचएआई एवं राज्य सरकार के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया है।

यह जानकारी देते हुए मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि यदि इरादे नेक हों और प्रयास सच्चा व ईमानदार हो तो सफलता आज नहीं तो कल मिलती ही है। ऐसा ही अचला-नवाडीह कब्रिस्तान मामले में हुआ है। उन्होंने कहा कि हम सबका सम्मिलित प्रयास रंग लाया और गढ़वा बाईपास के अधूरे पड़े भाग के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया। अचला-नवाडीह कब्रिस्तान के ऊपर फ्लाईओवर बनाने की सहमति राज्य एवं केंद्र सरकार की हाई लेवल मीटिंग में बनी है। अब इसका ड्रॉइंग डिजाइन की स्वीकृति के बाद कार्य आरंभ हो जाएगा। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि बाईपास निर्माण के आरंभ में ही इस मुद्दे को स्थानीय लोगों ने मेरे समक्ष रखा था। उसके बाद उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से पत्राचार किया। कहा कि या तो सड़क का अलाइनमेंट बदला जाये या कब्रिस्तान के ऊपर फ़्लाइओवर बनाया जाए। अधिकारियों ने इसमें अपनी असमर्थता जाहिर की। इसके लिए उन्होंने 22 जून 2021, 28 अक्टूबर 2021, 11 मार्च 2022 एवं 8 फरवरी 2023 को केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी एवं एनएचएआई के अध्यक्ष आदि पदाधिकारियों को कई बार पत्राचार किया। तत्पश्चात मैंने केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से दिल्ली जाकर मुलाकात की। इस दौरान कब्रिस्तान बचाओ समिति का एक प्रतिनिधिमंडल भी साथ था। श्री गडकरी ने ध्यान पूर्वक हमारी सारी बातों को सुना एवं जल्द कार्यवाही के लिए हमें आश्वस्त किया। उन्होंने राज्य सरकार से भी प्रस्ताव मांगा। अगले ही दिन मैंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव एवं पथ निर्माण सचिव से बात कर प्रस्ताव भिजवा दिया। इस बीच लगातार एनएचएआई के चेयरमैन, मेंबर एवं स्थानीय अधिकारियों से वार्ता जारी रखी तथा लगातार इस मुद्दे पर अपडेट लेता रहा। अब इसपर सहमति बनी है। यह बहुत ही हर्ष का विषय है। बाईपास निर्माण की अंतिम बाधा भी अब दूर हो गई है।

रंका, खपरो भाया मानपुर सड़क का झामुमो नेताओं ने किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

रंका। रंका, खपरो एवं मानपुर पंचायत की जनता के चिर प्रतिक्षित मांग एवं जनोपयोगी सड़क का शिलान्यास कार्यक्रम झारखंड सरकार के मंत्री सह गढ़वा विधायक मिथिलेश कुमार ठाकुर के समयाभाव के कारण स्थानीय झामुमो के पदाधिकारी प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, अनुमंडल अध्यक्ष जैनुल्लाह अंसारी, बीस सूत्री अध्यक्ष अहमद अली अंसारी, बीस सूत्री उपाध्यक्ष कार्तिक पांडेय, जिला परिषद प्रतिनिधि देवेंद्र नाथ तिवारी, रंका कला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया, खपरो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि असगर अंसारी एवं मानपुर पंचायत के मुखिया हासिम असारी के द्वारा संयुक्त रूप से भूमि पूजन कर एवं नारियल फोड़कर किया गया। इस अवसर पर नेताओं ने बताया कि इस सड़क निर्माण योजना का वृहद शिलान्यास मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के द्वारा बाद में किया जाएगा। यह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत यह सड़क प्राक्कलित राशि 3 लाख 50 हजार रुपए की लागत से बनेगी, जो तीन पंचायतों को जोड़ने वाली है। जिसमें रंका, खपरो और मानपुर पंचायत शामिल हैं। इस सड़क से कम समय में लोग रमकंडा प्रखंड, भंडरिया प्रखंड एवं मेदिनीनगर डालटनगंज को पहुंच सकेंगे। इससे लगभग दस हजार से अधिक ग्रामीणों को फायदा होगा। मौके पर रंका युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी, प्रखंड सचिव इरफान अंसारी, मानपुर बीडीसी असमुद्दीन अंसारी, खपरो मुखिया प्रतिनिधि असगर अंसारी, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी, अल्पसंख्यक मोर्चा के मदन खान, सिरोईखुर्द पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सिंह खरवार, कंचनपुर पंचायत अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी, पूर्व मुखिया अनिल कुमार चंद्रवंशी, रिंकू अग्रवाल, बनारसी सोनी , खुर्शीद हजाम , राजकिशोर रवि , संतोष कुमार रवि सहित काफी संख्या में झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

दस दिवसीय बकरी पालन प्रशिक्षण का समापन

गढ़वा (आजाद सिपाही)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में विगत 10 दिनों से चल रहे हैं बकरी पालन प्रशिक्षण का समापन रविवार को किया जाए इस मौके पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं प्रतिभागियों के बीच जेएसएलपीएस के जिला प्रबंधक जूलियस तिर्की, नवीन धर दुबे और सांसद प्रतिनिधि रंका ने संयुक्त रूप से लोगों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। इस मौके पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए हैं जूलियस तिर्की ने कहां की बकरी पालन एक बेहतर व्यवसाय है,इसे रोजगार के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी को बढ़ाएं। इस रोजगार में महिलाएं भी आसानी से हाथ बंटाकर परिवार चला सकती है। इसलिए इसका भविष्य अच्छा है। रंका के सांसद प्रतिनिधि सुनील माली ने कहा कि आप लोग सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि का लाभ उठाएं। स्वयं के अलावा दूसरों को भी बकरी पालन के बारे में बताएं और आर्थिक रूप से मजबूत करें। समूह बनाकर इस व्यवसाय को करने से और अधिक आमदनी बढ़ सकती है। नवीन धर दुबे ने कहा कि ग्रामीण महिलाएं संगठित होकर बकरी पालन करें। इसकी कमाई से परिवार चलाने के साथ साथ बच्चों को पढ़ाएं और आगे बढ़ाएं। इस मौके पर संस्था के संकाय मिथिलेश कुमार सिंह पंकज कुमार वर्मा रुस्तम अली अभिषेक कुमार तिवारी और सुरेंद्र कुमार शामिल थे।

किसानों के बीच 50% अनुदान पर धान बीज का वितरण

रमना (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत भागोडीह ग्राम में दोमाटी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के द्वारा किसानों के बीच 50% अनुदान पर धान बीज का वितरण किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित जिला परिषद अध्यक्ष शांति देवी ने कहा कि बड़े हर्ष की बात है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के अंतर्गत किसान एफपीयो समूह से आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में अच्छा कार्य कर रही है। वहीं कंपनी के डायरेक्टर संजीव गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय योजना अंतर्गत गठित एफपीओ के तहत किसानों के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। जिसमें अनुदानित राशि पर धान बीज का वितरण दोमाटी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के द्वारा किया जा रहा है। मौके पर कंपनी के निर्देशक राजेश्वर चौधरी, रामकिशुन पासवान,सदस्य अर्जुन चौधारी, वीरेन्द्र बैठा, जितेन्द्र सिंह, बालमुकुंद विश्वकर्मा किसान असर्फी राम, संकर राम, नागेन्द्र साह, कमलेश मेहता, रामाधार विश्वकर्मा, रामलाल पाल, उषा देवी, रीता देवी, तैबुन बीबी सहित सैकड़ों किसान उपस्थित थे।

भाजपा का गढ़वा विधानसभा स्तरीय सम्मेलन आयोजित

प्रबुद्ध वर्ग समाज का दिशा तय करने वाले लोग हैं : वीडी राम

देश में मोदी सरकार आने से भारत का सम्मान विश्व में बढ़ा है : ओमप्रकाश केशरी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी की अध्यक्षता में महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम के दौरान गढ़वा विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्वलन कर की गयी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पलामू सांसद वीडी राम ने कहा कि प्रबुद्ध वर्ग समाज का दिशा तय करने वाले लोग हैं। आपातकाल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आपातकाल देश के लिए काला धब्बा है। कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने देश में आपातकाल लागू कर लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया था।

भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि मोदी सरकार ने भारत को विश्व गुरु बनाया है। देशहित में काम करने वाली पहली बार पुनः बहुमत की सरकार बनी है। जिसका पूरा लाभ देश को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास जैसे मूल मंत्र के साथ काम कर रही है। देश में मोदी सरकार आने से भारत का सम्मान विश्व में बढ़ा है।प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अलखनाथ पाण्डेय ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो सबका साथ सबका विकास चाहती है। बाकी दूसरे दल के लोग सबका साथ लेकर अपना विकास करते हैं। समाज का प्रबुद्ध वर्ग भाजपा के साथ शुरू से रहा है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसके साथ हर वर्ग का सहयोग रहता है।

कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री संतोष दूबे एवं धन्यवाद ज्ञापन सुरेन्द्र विश्वकर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अमित सिंह, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुरली श्याम सोनी, सोशल मीडिया प्रभारी बृजेन्द्र पाठक, गौरी शंकर बिंद, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रितेश चौबे, भाजपा नेत्री वीणा पाठक, पार्वती सिंह, नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप, कार्यक्रम प्रभारी मनोज पाठक, यशवंत मिश्रा, अद्याशंकर पाण्डेय, ओमप्रकाश पाठक, दीपक तिवारी सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

कांडी प्रमुख ने नाव घाट विवाद में अपने उपर लगे आरोपों को सिरे से नकारा

हरिहरपुर (आजाद सिपही)। कांडी प्रखंड अंतर्गत हरिहरपुर ओपी क्षेत्र के श्रीनगर गांव के सामने सोन नदी में संचालित हरिहरपुर नाव घाट को लेकर उत्पन्न किए जा रहे विवाद को गलतबयानी करार दिया गया है। श्रीनगर चौपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांडी प्रखंड प्रमुख सत्येंद्र कुमार पांडेय ऊर्फ पिंकू पांडेय व घटवार रामचंद्र चौधरी ने यह बात कही। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से नकार दिया। कहा कि जिला के डीडीसी ने 22 मई 2023 को उनके कार्यालय में डाक नहीं हो पाने के बाद कांडी बीडीओ को दो आदमी रख कर नाव घाट संचालित करने का निर्देश दिया था। उसी के तहत कांडी बीडीओ ने 25 मई 2023 को दो आदमी रामाशीष चौधरी एवं रामचंद्र चौधरी का चयन कर नाव चलाने की जिम्मेवारी दी है। जिसके लिए 72833 रुपए मासिक किराया फिक्स किया गया है। रामचंद्र चौधरी ने एक महीना का किराया 72833 रुपए जमा करके नाजिर रसीद कटा लिया है। यह पूछे जाने पर कि 25 मई के कार्यक्रम के विषय में प्रचार प्रसार किया गया था कि नहीं, तो लोगों ने प्रचार प्रसार से इनकार किया। इसके साथ ही 25 मई को उपस्थिति स्वरूप नाविकों से किसी पंजी पर हस्ताक्षर भी नहीं कराया गया है। जिससे डाक किए जाने की बात कही जाती। प्रमुख ने कहा कि 22 मई 2023 को डीडीसी कार्यालय में पलामू जिला के कुछ लोग डाक लेने का प्रयास कर रहे थे। इस पर उन्होंने पुरजोर विरोध करके उन्हें डाक की प्रक्रिया से बाहर कराया। कहा कि गढ़वा जिला के नाविकों को नाव घाट की जिम्मेवारी मिलेगी। पिंकू व रामचंद्र ने संयुक्त बयान में बताया कि पूर्व में नाव घाट का संचालन कर रहे कुछ लोग बहुत ही मनमानी तरीके से नाव घाट का संचालन करते थे। उसके अलावा सिंडिकेट के नाम पर मात्र पांच लोग मिल कर नाव घाट का संचालन करते थे। 27 परिवार की बात झूठी है। बल्कि पिछले साल 11 लोगों ने मिलकर नाव घाट लेने का प्रयास किया था। जिसमें से छह लोगों को बाहर करके मात्र पांच लोग ही घाट चला रहे थे। जिसमें गांव के अधिकांश नाविकों को बराबर दरकिनार किया जाता रहा है। प्रमुख पिंकू पांडेय ने कहा कि उसके बाद गढ़वा डीडीसी के निर्देश पर कांडी बीडीओ मनोज कुमार तिवारी ने कई मामलों पर जांच पड़ताल कर गांव के रामाशीष चौधरी व रामचंद्र चौधरी के नाम से घाट आवंटित कर दिया। उसके एवज में प्रत्येक माह 72833 रुपये नजारत में जमा करने का निर्देश दिया है। प्रमुख ने बताया कि पूर्व के नाविकों पर सरकार का ड्यूज है। जो उसने अभी तक जमा नहीं कराया है। रामचंद्र चौधरी ने कहा कि किसी को पैसा दिए जाने का आरोप निराधार है। उन्होंने किसी को घूस के रूप में नाजायज पैसा नहीं दिया है। मौके पर रामचंद्र चौधरी, प्यारेलाल चंद्रवंशी, मनोज चौधरी, अनुज चौधरी, मंटू चौधरी, विनोद चौधरी, लालेश्वर राम, गुड्डू चौधरी सहित कई लोग उपस्थित थे।

एसडी मेमोरियल के विद्यार्थियों ने बनाया संतुलित आहार का प्रोजेक्ट

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। प्रखंड मुख्यालय के एसडी मेमोरियल एकेडमी के वर्ग सात के छात्र-छात्राओं द्वारा संतुलित आहार पर प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट बनाया जिसकी सराहना विद्यालय प्रबंधन द्वारा की गयी। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए संतुलित आहार में विभिन्न स्त्रोतों से शरीर को प्राप्त होने वाले महत्वपूर्ण विटामिंस, मिनरल्स फाइबर, फैट इत्यादि के स्त्रोतों को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित किया गया। विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के समक्ष संतुलित आहार के महत्व एवं उनके स्त्रोतों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गयी। प्रोजेक्ट के दौरान छात्र-छात्राएं खुद से बना कर कई व्यंजन लाए थे। एक व्यक्ति को स्वस्थ रहने के लिए कितना पोषक तत्व की आवश्यकता होती है इसके बारे में भी विद्यार्थियों ने अपनी जानकारी प्रस्तुत की। भोजन की थाली में काबोर्हाइड्रेट के स्त्रोत के रूप में चावल एवं रोटी, फैट के लिए घी, प्रोटीन के लिए दाल और दूध से बनी व्यंजनों को रखा गया था। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार के विटामिंस के लिए हरी सब्जियां सूखे मेवे, फाइबर डायट के लिए सलाद और अंकुरित चना एवं मूंग, विटामिन सी के स्त्रोत के लिए निंबू, आंवले का अचार, संतरा, आयरन के लिए केला इत्यादि संतुलित आहार की थाली में शामिल किया गया था। प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट में चंदा कुमारी, चुनमुन सिंह, रानी प्रजापति, रोहित कुमार, शशि शेखर कुमार, शबनम प्रवीण, रिया वर्मा, रानी कुमारी इत्यादि शामिल थे। प्रोजेक्ट की तैयारी विज्ञान के शिक्षक श्यामदेव पांडे द्वारा कराया गया था। मौके पर विद्यालय के निदेशक ब्रजेश कुमार मिश्र, प्राचार्य अरुण कुमार, अमरेंद्र कुमार मिश्र, जेपी पांडे, मृत्युंजय पांडे, गौतम कुमार, रामजीत साह, देव कीर्ति टोप्पो, अनीमा कुजुर, तृप्ति टोप्पो, नसरीन, अर्पणा कुमारी आदि कई लोग थे।

कार्यक्रम : भाजपा ने किया पुरैनी पंचायत भवन परिसर में लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार को समाज से जोड़ने का काम किया है : भानु प्रताप शाही

केंद्र की मोदी सरकार सभी वर्गों के लिए काम किया है : रघुराज पांडे

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। प्रखंड के पुरैनी पंचायत भवन के परिसर में लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन भारतीय जनता पार्टी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भवनाथपुर विधानसभा के विधायक भानु प्रताप शाही व उपस्थित नेताओं ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

लाभार्थी सम्मेलन में लोगों को संबोधित करते हुए श्री शाही ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांव के अंतिम व्यक्ति तक की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का काम किया है। कांग्रेस की सरकार में जब एक रुपए दिल्ली से चलता था तब पंद्रह पैसे गांव तक पहुंचता था, केंद्र में भाजपा सरकार बनने के बाद सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जन धन योजना के तहत करोड़ो लोगों के बैंक खाते खुलवाने का काम किया।

आज उन्हीं खातों के माध्यम से शत प्रतिशत धनराशि बिना बिचौलिए के सीधे लाभार्थी तक पहुंचाई जा रही है देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार को समाज से जोड़ने का काम किया है। स्वच्छ भारत मिशन महिला सशक्तिकरण ने आंदोलन का रूप ले लिया है। जब झारखंड में भाजपा की सरकार थी तो मुख्यमंत्री ने सबको सुरक्षा एवं सम्मान देने का काम किया है, लेकिन झारखंड सरकार में जातिवाद, तुष्टीकरण व अपराध चरम पर है। भाजपा जो कहती है वह करती है। लोगों को रोजगार से जोड़ने एवं आत्मनिर्भर बनाने का जो ऐतिहासिक कार्य हुआ है वह एक मिसाल है। जनसमूह से 2024 के चुनाव में पुनः नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को जिताने की अपील की। उन्होंने कहा महाभारत के चक्रव्यूह की तरह सभी सियासी दल एक होकर मोदी के विरोध का चक्रव्यूह रच रहे हैं, उस चक्रव्यूह को तोड़ने का काम लोगों को करना है।

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व जिला अध्यक्ष रघुराज पांडे ने केंद्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री किसानों, नौजवानों व सभी वर्गों के लिए काम किया है। भाजपा सरकार आने के बाद व्यवस्था बदली है। किसानों को जो सम्मान और हक मोदी जी ने दिया। वह इसके पहले किसी सरकार में नहीं मिला। 70 साल तक देश में भ्रष्टाचार होता रहा, लेकिन प्रधानमंत्री की कुर्सी पर मोदी के बैठते ही व्यवस्था बदली। आज 80 लाख लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। वर्ष में 6000 किसानों के खाते में पहुंच रहा है। कार्यक्रम को जिला एससी मोर्चा अध्यक्ष लक्ष्मण राम, कार्यक्रम प्रभारी मुकेश चौबे, शारदा महेश प्रताप देव, शिवधारी राम, लवली आनंद ने संबोधित किया।

कार्यकम की अध्यक्षता एवं संचालन नगर मंडल अध्यक्ष कुमार कनिष्क के द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन वार्ड पार्षद ललिता देवी ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न गांव से उपस्थित सभी लाभार्थी एवं भाजपा के सभी सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक प्रतिनिधि संजय कमलापुरी ने प्रखंड समन्वय समिति के उपाध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। दिनांक 23 जून दिन शुक्रवार को मंझिआंव अंचल के प्रखंड प्रमुख कार्यालय में एक बैठक आयोजित कर प्रखंड, अंचल एवं नगर पंचायत में भ्रष्टाचार, कालाबाजारी एवं जनता पर हो रहे अत्याचार को लेकर प्रखंड समन्वय समिति का गठन किया गया था, जिसमें सर्वसम्मति से प्रखंड समन्वयक समिति का विस्तार करते हुए धर्मेंद्र कुमार सिंह जिला परिषद सदस्य को अध्यक्ष, संजय कमलापुरी विधायक प्रतिनिधि को उपाध्यक्ष, प्रेम शंकर पाठक प्रमुख प्रतिनिधि को सचिव, संजन कुमार सिंह, कुलेश्वर राम उप प्रमुख प्रतिनिधि को संरक्षक के रूप में चयन किया गया था। जिसके आलोक में वर्तमान विधायक प्रतिनिधि संजय कमलापुरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि मैं प्रखंड समन्वय समिति उपाध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं। मैं उस समिति का आज और अब से कोई हिस्सा नहीं हूं और उस पद पर आसीन नहीं रहूंगा। अब मैं सिर्फ और सिर्फ विधायक प्रतिनिधि हूं और माननीय विधायक एवं पार्टी के द्वारा दिए गए आदेश एवं कार्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करुंगा। वहीं पत्रकारों द्वारा इस प्रखंड समन्वय समिति का उपाध्यक्ष पद छोड़ने का कारण पूछा गया तो उन्होंने बताया कि मैं एक पद पर आसीन होते हुए दूसरा पद का हिस्सा नहीं बन सकता। मैं विधायक प्रतिनिधि पद पर आसीन रहते हुए प्रखंड की जनता की मूलभूत समस्याओं व अन्य समस्याओं को ऊपर के पदाधिकारियों तक नजर रख कर व प्रखंड के जनहित से जुड़ी हुई समस्याओं को निराकरण करवाने का इमानदारी पूर्वक अथक प्रयास करूंगा। साथ ही उन्होंने इस प्रखंड समन्वय समिति उपाध्यक्ष पद छोड़ने को लेकर समिति के अन्य सदस्य सदस्यों से अपील की कि मेरे इस उपाध्यक्ष पद छोड़ने के फैसले को अन्यथा नहीं लेकर सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार करेंगे क्योंकि एक पार्टी के पद पर आसीन रहते हुए दूसरे पद का हिस्सा नहीं बन सकता।

भाजपा ने किया तमाड़ विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बुंडू। मोदी सरकार के नौ साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के तहत महाजनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में तमाड़ विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन बुंडू के जिला परिषद हॉल में किया गया। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश महामंत्री बालमुकुंद सहाय ने कहा कि जब जब कांग्रेस के हाथों में सत्ता आई है उसने लोकतंत्र की हत्या कर देश के लोगों के संवैधानिक अधिकार छीनने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आज पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन गया है। सभा को संबोधित करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ सूर्यमणि सिंह ने आपातकाल के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। इस मौके पर धीरेन महतो, लक्ष्मण मुंडा, कपिल महतो, आलोक दास, सूरज नाथ शाहदेव, विवेकानंद जयसवाल, विष्णुपद, गणेश कुम्हार, रंजीत लहरी, कैलाश हलवाई, बंटी चौधरी, भास्कर मुखर्जी, दीपक साहू, सुबोध मुखर्जी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

कार्यक्रम : भाजपा ने प्रबुद्ध सम्मेलन में वरिष्ठजनों को किया सम्मानित

मोदी सरकार के नौ वर्षों का कार्यकाल शानदार जानदार और उत्कृष्ट रहा है : नीलकंठ सिंह मुंडा

आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गयी है, उसमें हमारे वरिष्ठजनों का बहुत बड़ा योगदान है : ज्योतिष भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को खूंटी विधानसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कार्यक्रम प्रभारी ज्योतिष भगत ने की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर खूंटी के विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा उपस्थित थे। विधायक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के नौ वर्षों का कार्यकाल शानदार, जानदार और उत्कृष्ट रहा

है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का शासनकाल सेवा, सुशासन और उन्नति का शासन काल रहा है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे, इस दिशा में मोदी सरकार कार्य कर रही है। विधायक ने प्रबुद्ध जनों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सभी लोगों ने भारतीय जनता पार्टी को स्थापित करने का कार्य किया है और आनेवाले समय में पुनः केंद्र में भाजपा की सरकार बने, इस दिशा में हम सभी को एकजुट होकर कार्य करना है।

विधायक प्रतिनिधि और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष काशीनाथ महतो ने कहा कि मोदी सरकार ने नौ वर्ष में सेवा और सुशासन का कार्य किया और समाज के अंतिम पायदान तक के व्यक्ति को लाभ प्राप्त हो, इस दिशा में काम किया है।

प्रबुद्ध सम्मेलन कार्यक्रम के प्रभारी ज्योतिष भगत ने कहा कि आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन गई है ,उसमें हमारे वरिष्ठ जनों का बहुत बड़ा योगदान है। जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर गुप्ता ने भी मोदी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विनोद नाग ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष संजय साहू ने किया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष विष्णु सोनी, सोशल मीडिया प्रभारी रुपेश जायसवाल, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष मदन मोहन गोप, जगन्नाथ मुंडा, मदन मोहन मिश्रा, राजकुमार गुप्ता, जनार्दन मिश्रा, कृष्णानंद तिवारी, लव चौधरी, सुभाष मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

झामुमो कार्यकर्ताओं ने स्व. सुधीर महतो की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। झामुमो प्रखंड कमेटी एवं पंचायत कमेटी के द्वारा झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह ईचागढ़ विधानसभा के पूर्व विधायक स्व. सुधीर महतो की 67वीं जयंती के अवसर पर सालुकडीह और राम नगर बिष्टाटांड़ में बनी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी और दो मिनट का मौन रख कर उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गयी। मौके पर झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष निताई उरांव, अभय यादव, अघोर महतो, लखिनारायण सिंह मुंडा, राम प्रसाद महतो, नरेन गोप, पंचानन पातर, पशुपति बागची, अमित सिन्हा, किशुन किस्कू, हरेंद्र नाथ महतो, मधु गोप, भास्कर महतो, बैजेंद्र नाथ महतो, कालाचांद धिवर आदि झामुमो के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोनाहातू में किसानों के बीच 50 प्रतिशत अनुदान पर धान बीज का हुआ वितरण

सोनाहातू (आजाद सिपाही)। जेएसएलपीएस कार्यालय में रविवार को किसानों के बीच धान बीज का वितरण किया गया। धान बीज सभी किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर दिया गया। इस अवसर पर बीपीएम अभिलाषा कुमारी, ललित कुमार, हीरालाल, धनजंय यादव, धनेश्वर अहीर सहित महिला समूह के सदस्य मौजूद थे।

पांच परगना किसान कॉलेज बुंडू में इंटर की पढ़ाई बंद होने तीन हजार छात्र-छात्राएं होंगे प्रभावित

बुंडू (आजाद सिपाही)। पांच परगना किसान कॉलेज बुंडू में इंटर इकाई नए सत्र 2023 से 2025 में पढ़ाई बंद होने से 3000 से अधिक छात्र-छात्राएं प्रभावित होंगे। पांच परगना क्षेत्र के ग्रामीण इलाके के छात्रों को निजी स्कूल एवं निजी इंटर कॉलेज में नामांकन के लिए विवश होना पड़ेगा। जहां पर छात्रों से मनमानी फीस ली जाएगी। ज्ञात हो कि डिग्री कॉलेज में यूजीसी के निर्देश पर इंटर की पढ़ाई बंद करने की घोषणा की गयी है। इधर विभिन्न छात्र संगठनों ने पीपीके कॉलेज में इंटर की पढ़ाई नियमित सत्र 2023 से 2025 में नामांकन जारी रखने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन दिया। छात्र नेता सुरेंद्र लोहरा ने बताया इस संदर्भ में स्थानीय विधायक विकास कुमार मुंडा को भी ज्ञापन दिया गया है। यदि इस मामले पर कार्रवाई नहीं हुई तो छात्र संगठन सड़क पर उतरेगा। छात्र नेता सुरेंद्र लोहरा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन भी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। छात्र नेता सुरेंद्र लोहरा का कहना है कि पीपीके कॉलेज में निर्धन वर्ग के छात्र भी कम फीस में पढ़ाई पूरी कर लेते थे। इधर इंटर इकाई की पढ़ाई बंद होने से इंटर सेक्शन में कार्यरत शिक्षक कर्मचारी को भी बेरोजगार होना पड़ेगा। इंटर इकाई के शिक्षक कर्मचारियों ने राज्यपाल से इस मामले में उचित निर्णय लेने की मांग की है।

आराहागा गांव में भीषण पेयजल संकट

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के सुदूरवर्ती आराहागा पंचायत के आराहागा गांव में भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। यहां सभी चापाकल खराब पड़े हैं। लोग चुआं व डोभा का पानी पी रहे हैं। पानी के अभाव में नहाने का भी संकट हो गया है। जल नल योजना का काम अब तक शुरू नहीं हो पाया है। ग्रामीण एक चापाकल जहां अपने आप पानी गिरता है वहां से पीने का पानी ले रहे हैं, उसमें भी पानी का स्रोत गिर गया है। कम पानी निकल रहा है। यहां के ग्रामीण शिकायत करते करते थक चुके हैं। यह पंचायत तमाड़ प्रखंड का आखरी गांव है। यहां किसी का ध्यान नहीं है। चुनाव के समय वोट ले लेते हैं और जीतने के बाद नहीं आते हैं और यहां के लोग ठगे जाते हैं। इस बार यहां के लोग एकजुट हो रहे हैं।

एसपीएल मैच हिंडाल्को वारियर्स को हरा कर फ्रीडम आजसू ने 2 विकेट से जीता

सिल्ली (आजाद सिपाही)। मुरी हिंडाल्को मैदान में चल रहे एसपीएल प्रतियोगिता में देर शाम मैच फ्रीडम आजसू तथा हिंडाल्को वारियर्स के बीच खेला गया। जिसमें आजसू फ्रीडम ने हिंडाल्को वारियर्स को 2 विकेट से हरा दिया। फ्रीडम आजसू ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया। हिंडाल्को वारियर्स ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 12 ओभर में 5 विकेट खोकर कुल 155 रन बनाये। वहीं फ्रीडम आजसू मुरी ने 11.3 ओभर में 8 विकेट खोकर कुल 157 रन ही बना कर मैच जीत ली। आज के खेल में मैन ऑफ मैच का पुरस्कार कृष्णा को, बेस्ट बॉलर कुलदीप महतो को, बेस्ट प्लेयर राजू मंडल को, मोस्ट सीक्सेस अमित बहादुर जिन्होंने 11 छक्के मारा दिया गया। शिक्षक समीर सिंह ने खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर पवित्रा मित्रा, सिंटू सिंह, आत्माराम महतो, नितीश कुमार महतो, प्रणब महतो समेत काफी संख्या में खिलाड़ी एवं दर्शक मौजूद थे।

साइबर ठगी से बचने को लेकर वनांचल महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पिपरवार में चलाया जागरूकता अभियान

विभिन्न विद्यालयों में कक्षा नवम से 12वीं तक के बच्चों को सोशल मीडिया साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के निर्देश पर वनांचल महाविद्यालय टंडवा के विद्यार्थियों ने सीसीएल पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों में साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान के तहत पिपरवार क्षेत्र के आदिवासी उच्च विद्यालय कल्याणपुर, शिशु विद्या निकेतन बिलारी, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरटोला, हाई स्कूल और पिपरवार विकास विद्यालय किचटो में कार्यक्रम आयोजित कर कक्षा नवम से लेकर 12वीं तक के

बच्चों को सोशल मीडिया साइबर सुरक्षा की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में साइबर अपराध से बचने और इसके रोकथाम को लेकर विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं किचटो और बहेरा पंचायत में विद्यार्थियों का दल के द्वारा घूम घूम कर लोगों को साइबर ठगी से बचने की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों के दल का नेतृत्व कर रहे विक्रम कुमार गंझु ने बताया कि विश्वविद्यालय के सिलेबस में एक नया सब्जेक्ट साइबर डिफेंस कोर्स चल रहा है। साइबर विद्यापीठ के कोफाउंडर बालाजी वेंकटेश्वर के द्वारा विद्यार्थियों को यह सब्जेक्ट पढ़ाया जा रहा है। विद्यार्थी इसकी पढ़ाई करने के साथ-साथ अपने आसपास के ग्रामीण इलाकों के स्कूलों में जाकर स्कूली बच्चों के साथ साथ स्थानीय ग्रामीणों को भी साइबर ठगी से बचने की जानकारी दे रहे हैं। अभियान में मुख्य रूप से विशाल कुमार गंझु, शीला कुमारी, रीना कुमारी, रिमझिम कुमारी सहित अन्य विद्यार्थी शामिल है।

बंगाल पंचायत चुनाव में जीत के लिए जुट जायें कार्यकर्ता : सुदेश

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली स्टेडियम परिसर में पश्चिम बंगाल में होने वाले पंचायत चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बाघमुंडी विधानसभा प्रभारी आशुतोष महतो ने की। तथा संचालन पश्चिम बंगाल प्रभारी सुनील सिंह ने किया। बैठक में मुख्य रूप से आजसू सुप्रीमो सह सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक सुदेश कुमार महतो ने कहा कि कार्यकर्ता पूरी तरह से पंचायत चुनाव में जुट जाएं। पार्टी प्रत्याशियों को जिताने के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट डलवाने का प्रयास करें।

आजसू राज्य के गरीबों की पार्टी है। समाज के निचले स्तर के लोगों की मदद करना पार्टी का मुख्य उद्देश्य है। कार्यकर्ता ही पार्टी के रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ताओं से उन्होंने जमीन पर काम करने की अपील की। उन्होंने आगामी 8 जुलाई को होने वाले पंचायत

चुनाव की तैयारी में जुट जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रखंड से लेकर बूथ कमेटी का गठन करने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ग्रामीणों की समस्या का समाधान कराने में अग्रणी भूमिका निभाने पर बल दिया। इस मौके पर अतुल चंद्र महतो, तूफान महतो, प्रदीप महतो, राजेश महतो समेत पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिला के 13 प्रखंडों के जिला परिषद सदस्य एवं पंचायत समिति सदस्य तथा वार्ड सदस्य के आजसू प्रत्याशी उपस्थित थे।

भुजाली से घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली प्रखंड के जुमला गांव में भुजाली के वार घायल व्यक्ति की रिम्स में इलाज के क्रम में मौत हो गई। थाना प्रभारी आकाशदीप ने बताया कि आसनी मुंडा को गांव के ही बसुदेव मुंडा ने शुक्रवार को देर शाम दो परिवारों के बच्चों के बीच किसी बात को विवाद हो गई थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तू तू मैं मैं हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि बासुदेव मुंडा ने अपने तीन सहयोगी के साथ भुजाली से असनी मुंडा को कई वार कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बासुदेव मुंडा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस घटना में शामिल बाबूलाल मुंडा, अर्जुन मुंडा, सुनील मुंडा को भी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बासुकोचा महुआ टोला में पेयजल संकट से लोग परेशान

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड के जारगो पंचायत के बासुकोचा महुआ टोला में घोर पेयजल संकट उत्पन्न हो गया है। यहां सभी चापाकल खराब पड़े हुए हैं। ग्रामीण डोभा का पानी पी रहे हैं। एक चापाकल था, उसे रोड बनने के समय उखाड़ दिया गया है। और सभी चापाकल में पानी नहीं निकल रहा है। चार चापाकलों की बोरिंग करायी गयी लेकिन चारों में पानी नहीं है। यह इलाका पहले घोर नक्सल प्रभावित था। यहां के ग्रामीण मुखिया व विधायक को बोलते बोलते थक गये, लेकिन किसी की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गयी, जिससे लोगों में आकोश है।

महत्वपूर्ण न्यूज

मारवाड़ी युवा मंच ने किया पौधरोपण

खूंटी (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा चलाये जा रहे 11,111 वृक्षारोपण अभियान के तहत रविवार को युवा मंच खूंटी नगर शाखा द्वारा पौधरोपण किया गया। मंच के अध्यक्ष अंकित जैन ने बताया कि मंच द्वारा 1100 पौधे लगाने की जिमेदारी ली गई है। मंच कुछ दिन पहले से ही इसकी तैयारी में जुट गया था। अब तक पांच सौ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। आनेवाले तीन-चार दिनों में सभी पौधे लगा दिए जाएंगे। अध्यक्ष अंकित जैन एवं सचिव मुकुल पीपुरिया ने मंच के पूर्व सदस्य एवं समाजसेवी सुनील सरावगी और अनिल सरावगी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी सहायता से ही आज मंच पौधरोपण के कार्यक्रम को सफल बना पाया है। मौके पर उपाध्यक्ष निक्की जैन, पर्यावण संयोजक प्रियंका जैन, सिमरन जैन, काजल जगनानी, शिखा पीपुरिया, अशोक जैन, प्रवीण जैन, संदीप पीपुरिया, आशीष जैन, रोशन जगनानी, राजेश मिश्रा, ज्योति पोद्दार उपस्थित थे।

प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ कर्रा प्रखंड कमेटी का गठन

खूंटी (आजाद सिपाही)। खूंटी जिला प्रज्ञा केंद्र संचालक संघ की बैठक रविवार कों कर्रा प्रखंड परिसर में जिलाध्यक्ष कुणाल भगत की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष ने बताया कि जिस प्रकार प्रज्ञा केंद्र संचालकों का शोषण हो रहा है, उसे रोकने और हमारी मांगों को रखने के लिए संघ का गठन किया गया है। मौके पर संघ की कर्रा प्रखंड कमेटी का गठन किया गया, जिसमें प्रखंड अध्यक्ष विमल आईंद, प्रखंड उपाध्यक्ष मोहन दास, अनीता राम, और प्रीतम भगत, प्रखंड सचिव मो मोहसीन अकरम और कोषाध्यक्ष मोहित सिंह और फूलचंद धान को बनाया गया। मौके पर संजय जयसवाल, जितेंद्र सांगा, मोहन मिंज, अजित माहिल, शिव कुमार, विक्की कुमार, आकसा अंजुम आदि उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

खूंटी (आजाद सिपाही)। थाना परिसर में त्यौहार बकरीद को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक की आयोजित की गई। बैठक में अगुवाई डीएसपी अमित कुमार, अंचलाधिकारी मधुश्री मिश्रा, प्रखंड विकास पदाधिकारी यूनिका शर्मा ने बकरीद पर होनेवाले कार्यक्रमों की जानकारी ली और लोगों से अपील की कि सौहाद्रपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाने की अपील की। बकरीद में बिजली और पानी की समस्या न हो, इस पर भी जोर दियाग या। डीएसपी अमित कुमार ने कहा कि त्यौहार में ऐसा कदम कोई ना उठाएं, जिससे कोई विवाद खड़ा हो। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर ध्यान न दें और अफवाहों पर ध्यान न दें। बैठक में शकील पाशा, परमानन्द कश्यप, सयूम अंसारी, इसमाइन, जावेद अंसारी, अरकम अंसारी, अनूप साहू, दामोदर गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, सुजल जायसवाल, योगेश राम आदि उपस्थित थे।

डकरा में केयर महिला जागरूकता मिशन इंटरप्राइजेज ने महिलाओं को दिया प्रशिक्षण का सर्टिफिकेट

खलारी (आजाद सिपाही)। केयर महिला जागरूकता मिशन इंटरप्राइजेज की ओर से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूकता अभियान के तहत डकरा के पंचायत भवन में नीलू विश्वकर्मा की अध्यक्षता में ब्यूटीशियन सिलाई कड़ाई आदि का कोर्स करा कर आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयास किया गया। इस दौरान चुरी पश्चिमी पंचायत समिति सदस्य कुंजिता देवी ने कहा कि इसी अभियान के तहत महिलाओं और बेटियों को स्वावलंबी एवं सुरक्षित बनाने के लिए यह प्रयास काफी अच्छा है। नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है। महिला जागरूकता, दक्षता, कौशल विकास, प्रशिक्षण, महिला उद्यमिता के प्रोत्साहन के लिए यह योजना संचालित की जा रही है। केयर महिला जागरूकता मिशन इंटरप्राइजेज का अभियान महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करता है। जहां 60 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया था जिन्हें सर्टिफिकेट दिया गया। मौके पर अनिता शर्मा रूपा कुमरी, बबिता कुमारी, मीना कुमारी, मुन्नी देवी, पूजा कुमारी, अनिता पांडेय, रीना कुमारी, कविता देवी, गुलाबशा प्रवीण, इसराफ प्रवीण, लाडली प्रवीण, रेशमा प्रवीण सहित 60 लोगों के बीच प्रशिक्षण सर्टिफिकेट का वितरण किया गया।

बैठक : एनके एरिया में सीसीएल इंप्लाइज कल्याण ट्रस्ट का हुआ गठन

सुनील कुमार सिंह अध्यक्ष और संतोष कुमार विश्वकर्मा बने सचिव

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। सीसीएल की पूर्व स्वतंत्र निदेशक जाजुला गौरी रविवार को एनके एरिया डकरा पहुंची। जहां उन्होंने डकरा वीआईपी क्लब में ट्रेड यूनियन, सामाजिक कार्यकर्ता, सीसीएल कामगार और शिक्षकों के साथ बैठक की।

बैठक में सीसीएल इंप्लाइज ट्रस्ट का गठन को लेकर चर्चा की गयी। बैठक के दौरान सीसीएल इंप्लाइज कल्याण ट्रस्ट का गठन भी किया गया, जिसमें जाजुला गौरी को स्थाई सम्मानित अध्यक्ष, सुनील कुमार सिंह अध्यक्ष, संतोष कुमार विश्वकर्मा सचिव, उपाध्यक्ष डीपी सिंह, अभिषेक चौहान, सुनील कुमार, दिनेश भर, विशाल कुमार उपाध्याय, संयुक्त सचिव गोल्टेन प्रसाद यादव, देवेन्द्र प्रसाद शर्मा, सह सचिव कैलाश कुमार, दिपांशु सिंह, जयप्रकाश मेहता, ललीता देवी, मुनिता देवी घनश्याम रजक, कोषाध्यक्ष कृष्णा चौहान एवं अशोक सिंह, पज्जू महतो, उदय सिंह, अनील कुमार जैन, अशोक तुरी, मनोज झा ट्रस्टी बनाये गये हैं।

ट्रस्ट कोयला कामगार की सहायता के लिए तत्पर : जाजुला गौरी

सीसीएल के कोयला कामगार उनके परिजन को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराने को लेकर सीसीएल इंप्लाइज कल्याण ट्रस्ट का गठन किया गया है। यह ट्रस्ट तेलंगाना में बेहतर काम कर रहा है। उक्त बातें सीसीएल की पूर्व स्वतंत्र निदेशक जाजुला गौरी ने रविवार को डकरा में पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि सीसीएल में ट्रेड यूनियन अच्छा काम नहीं कर रहा है। अलग-अलग संगठनों में कई नेता अच्छे और ईमानदार हैं लेकिन ओवरऑल मजदूरों के लिए ठीक काम नहीं हो रहा है। सभी संगठन आपस में ही लड़कर मजदूरों को कमजोर करने में लगे हुए हैं। कहा कि उन्होंने सीसीएल में बतौर निदेशक काम करते हुए यहां संगठित और असंगठित मजदूरों की स्थिति का बहुत नजदीक से आकलन करने के बाद उनके लिए काम करने की योजना बनाई। उन्होंने बताया कि तेलंगाना में चल रहे एक वेलफेयर एसोसिएशन से प्रेरित होकर सीसीएल में सीसीएल इंप्लाई वेलफेयर एसोसिएशन बनाकर काम करने की तैयारी पिछले साल से शुरू की थी। इस उद्देश्य से आज डकरा में बैठक कर एसोसिएशन का सीसीएल कमेटी का गठन किया गया है। जल्द ही इसका निबंधन कराया जाएगा और एसोसिएशन का स्ट्रक्चर के साथ बायलॉज की जानकारी साझा की जाएगी। ट्रस्ट सामान्य रूप से कोयला कामगार और उनके परिजन की हर तरह की सहायता के लिए तत्पर रहता है। जिसमें ट्रस्ट से जुड़ने वाले लोगों को एक तय राशि देनी होती है। इस ट्रस्ट की शुरुआत सीसीएल में एनके एरिया से की जा रही है। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में ट्रस्ट का सराहनीय कार्य लोगों को दिखेगा। इस ट्रस्ट में रिटायर कामगार भी जुड़ सकते हैं। ट्रस्ट में चुने गए लोग परमानेंट पद पर बने रहेंगे। 3 साल में नई बॉडी गठन के लिए यही चुने हुए लोग काम करेंगे।

बेहतर गांव और समाज के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है : शिल्पी नेहा तिर्की

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सेमरा गांव में दो बहनों सुधा उरांव व रानी कुमारी द्वारा संचालित रात्रि पाठशाला के छात्रों, अभिभावकों व संचालक के साथ विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को बैठक की। मौके पर विधायक ने कहा बेहतर गांव और समाज के लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। जिसने भी शिक्षा को अपनाया उसका भविष्य बहुत अच्छा हुआ है। विधायक ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने की सलाह देते हुए कहा कि आप सभी बच्चे देश के भविष्य हैं। बच्चों के पढ़ने लिखने से समाज शिक्षित होगा और शिक्षित समाज से ही देश का विकास होता है।शिक्षा के क्षेत्र में इस गांव की दोनों बहनें सुधा व रानी सराहनीय कार्य कर रही हैं। इसी तरह आप सभी बच्चे भी शिक्षित होकर आगे बढ़े और अपने समाज के लोगो को सही दिशा दिखाने का काम करें। इस दौरान विधायक ने कहा कि रात्रि पाठशाला के बच्चों को रात में लाइट कट जाने के बाद पढ़ाई करने मे बहुत दिक्कते होती थी। बच्चों व ग्रामीणों ने विधायक से सोलर लाइट की मांग थी। इन्हें विधायक द्वारा सोलर लाइट दिया गया। मौके पर जिप सदस्य बेरोनिका एक्का उपप्रमुख मोदासीर हक, मो शमशाद मनकु कुजुर,मो फहीम,संजय कच्छप सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

भाजपा नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कई गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। भाजपा के वरीय नेता स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने रविवार को क्षेत्र के कई गांवों का दौरा कर कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस क्रम में उन्होंने काटमकुली, बंसरी, उरुगुट्ठु, बरौदी, मारवा आदि गांवों में ग्रामीणों से मिलकर केंद्र सरकार के कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों से उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, किसान सम्मान योजना, मानधन किसान योजना, प्रधनमंत्री आवास योजना आदि योजनाओं का लाभ लेने की बात कही। साथ ही स्वामी देवेंद्र प्रकाश ने कहा कि केंद्र सरकार सभी क्षेत्रों में भारत का मान बढ़ाया है। मौके पर उदय कुमार, सीटू मुंडा, जगरनाथ महतो, पनेनाथ महतो, बलेश्वर महतो समेत अन्य मौजूद थे।

भाजपा रांची जिला ग्रामीण ने किया विधानसभा स्तरीय बुद्धिजीवी सम्मेलन आयोजित

ठाकुरगांव (आजाद सिपाही)। भाजपा रांची जिला ग्रामीण के तत्वावधान में रविवार को कांके प्रखंड के मालश्रृंग गांव में विधानसभा स्तरीय बुद्धिजीवी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद प्रो आदित्य प्रसाद साहु, विधायक समरीलाल, पूर्व विधायक जितुचरण राम,जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो ने किया। मौके पर राज्यसभा सांसद ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में केंद्र सरकार बिना भेदभाव के सभी लोगों का सर्वांगीण विकास कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राज्य में तुष्टीकरण करके राज्य को बर्बाद करने पर तुली है। वहीं विधायक समरीलाल ने कहा कि घर घर तक विकास पहुंचाना भाजपा का उद्देश्य है। मौके पर मंडल अध्यक्ष गोपाल महतो,महामंत्री लखन उरांव,शंकर महतो,जिप सदस्य सुषमा देवी,जनक गुप्ता, किशोर मास्टर समेत अन्य मौजूद थे।

सड़क निर्माण कार्य में पेड़ों के काटने का विरोध

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। भारत माला परियोजना के तहत एन एचआई के द्वारा सड़क निर्माण कार्य में ग्रामीणों के द्वार लगाये गये सैकड़ों पेड़ों को काटा जा रहा है। रविवार को चाडू पंचायत के रोहनडीह गांव में कई बड़े-बड़े पेड़ को एनएचआई के द्वारा काटा गया। साथ ही कटे हुए पेड़ को ट्रैक्टर में लोड कर लकड़ी को कहीं ले जाया जा रहा है। ग्रामीणों ने इसका विरोध जताया और कहा कि पेड़ का मुआवजा दिया भी नहीं है और पेड़ काट कर ले जा रहा है। इस संबंध में एनएचआई के रिक्की आनंद से फोन कर बात करने का प्रयास किया गया। लेकिन फोन नहीं उठाने के कारण इस संबंध में बात नहीं हो पायी।

श्रावणी मेला में भक्तों के लिए महाकालेश्वर धाम उलातू में होगी विशेष व्यवस्था : अमरनाथ चौधरी

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। उलातू स्थित बाबा महाकालेश्वर धाम में श्रावणी पूजा को लेकर बैठक रखी गई। बैठक की अध्यक्षता गगारी के पूर्व मुखिया सोनाराम मुंडा ने की। बैठक को भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि इस बार श्रावण मास में होने वाले मेले में भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था होगी। इस वर्ष भी भव्य कांवड़ यात्रा निकाले जाने का निर्णाय लिया गया। कांवड़ यात्रा 4 जुलाई 2023, दिन मंगलवार को निकाली जाएगी। पूर्व सांसद रामटहल चौधरी और राज्य सभा सांसद प्रो. आदित्य प्रसाद साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे। यात्रा में श्रद्धालु ओरमांझी डोमा नदी से जल भरकर बाबा महाकालेश्वर धाम में जलाभिषेक करेंगे। बैठक के दौरान कांवड़ यात्रियों पर पुष्प वर्षा, साफ सफाई, वा श्रद्धालुओं की सुविधा आदि पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में समिति के अध्यक्ष सोनाराम मुंडा, सचिव दिलीप मेहता, मुख्य संरक्षक अमरनाथ चौधरी, उमा शंकर साहू,ओरमांझी मुखिया दीपक बड़ाइक, ओरमांझी उप मुखिया संतोष गुप्ता, शशि मेहता, छेदी महतो, संतोष कुशवाहा, अरूण मंडल, अजीत कुशवाहा, सेलेश महतो, अजीत महतो, देवचरण महतो, गुड्डू साहू, राजु मुंडा, अजय मुंडा सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

खिड़की तोड़ कर घर से लाखों की चोरी

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के लालगुटवा स्थित कृष्णा नगर में रहने वाले नवीन कुमार मिश्रा के घर चोरी हो गई। अज्ञात चोरों ने घर के पिछले हिस्से में स्थित खिड़की तोड़ घर में घुसे। चोरों ने उनके घर से 65000 रुपये नगद सहित लगभग तीन लाख रुपए के सोने चांदी के जेवर और कीमती सामानों की चोरी कर ली। नवीन कुमार मिश्रा परिवार सहित 22 जून को दरभंगा गए हुए थे। वहीं उनके पड़ोसी ने फोन कर रात में घर में चोरी होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही वे वापस अपने घर लौटे तो देखा अलमारी में रखे 65000 रू और सोने चांदी के कई जेवर गायब थे । साथ ही पंलग के दीवान में रखे कीमती साड़ियां, कपड़े और कुछ सामान भी चोर ले गए थे। इस संबंध में उन्होंने नगड़ी थाने में लिखित रूप से आवेदन देकर चोरों को पकड़ने की मांग की है।

कार्यक्रम : भाजपा का मांडर विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित

पीएम मोदी के नौ वर्षों की उपलब्धियों को घर-घर पहुंचायें कार्यकर्ता : सन्नी टोप्पो

कहा- आज पूरे भारत को लगता है कि मोदी हैं, तो मुमकिन है

आजाद सिपाही संवाददाता

मांडर। बिजुपाड़ा मंडल क्षेत्र के टांगर स्थित पंचायत सचिवालय में रविवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से मांडर विधानसभा स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय मौजूद थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले नौ सालों में मोदी जी के नेतृत्व में देश में विकास की जो रफ्तार पकड़ी है, वह आज किसी से छिपी नहीं है।

वहीं दूसरी ओर भाजपा के युवा नेता सन्नी टोप्पो ने कहा कि आज हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों के सर्वांगीण विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी है, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की बात हो यह हर व्यक्ति को घर की बात हो कोरोना का काल में इतनी बड़ी आबादी को लगभग तीन सालों तक लगातार अतिरिक्त अनाज की आपूर्ति यह सभी उनके कुशल नेतृत्व की ही देन है। आज पूरे भारत को लगता है कि मोदी हैं तो मुमकिन है। हम सभी को उनके द्वारा किए गए कार्यों को हर एक आदमी तक पहुंचाना है। यहां पहुंचे सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेवारी को समझें और उनकी उपलब्धियों को हर घर के हर जन तक पहुंचाएं।

मौके पर प्रीतम साहू, वरिष्ट कार्यकर्ता चक्रधर नाथ मिश्रा, सतानन्द सिंह, लापुंग की जिला परिषद सदस्य हिंदीया टोप्पो, मुकेश सोनी, पुरुषोत्तम कुमार दुबे, सतीश कुमार साहू, विजय सोनी, अरबिन्द सिंह, सफीक आलम, अरबिन्द मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत, राकेश मिश्रा, अविनास गुप्ता, कैलाश गुप्ता, रामचंद्र भगत, राजू सिंह, रामबालक ठाकुर सहित सेकड़ो भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

झारखंड तैलिक साहू सभा के पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। रांची जिला तैलिक साहू सभा के तत्वावधान में चोरेया तैलिक धर्मशाला में झारखंड तैलिक साहू सभा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो, प्रधान महासचिव मदन साहू, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप साहू, महासचिव राजकिशोर साहू एवं रांची जिला अध्यक्ष कुमार रौशन का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

सभा को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो ने तेली समाज को मजबूत करने के लिए पूरे झारखंड में घूम कर समाज को एकजुट करने का प्रण लिया। प्रधान महासचिव मदन साहू ने कहा कि तेली समाज की जनसंख्या के आधार पर झारखंड में कम से कम 15 विधायक जिताने किबात कही।

जिलाध्यक्ष कुमार रौशन ने तेली समाज के विकास हेतु सामाजिक क एवं राजनैतिक भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। अनिल साहू ने कहा कि समाज के लोग सामाजिक कुरीतियों को दूर कर शिक्षा पर ध्यान दें। शिक्षा के बगैर किसी भी समाज का विकास नहीं हो सकता है। विदित हो कि एक हफ्ते पूर्व ही अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रामलाल गुप्ता ने प्रदेश अधिवेशन में उक्त पदाधिकारियों का चयन किया है। मच संचालन रामदयाल साहू ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो, मदन साहू, दिलीप साहू, राजकिशोर साहू, अनिल साहू, रामदयाल साहू, सरपंच सुषमा देवी, पप्पू साहू, उप मुखिया सरिता देवी, रामप्रताप साहू, अवधेश साहू, नारायण साहू, रामसेवक साहू, अजय साहू, प्रेम सागर साहू, देवनारायण, गणेश, श्रवण, कालीचरण आदि मौजूद थे।

वाइबीएन विश्वविद्यालय में अनुसंधान परिषद की बैठक आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

नामकुम। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची ने मीटिंग हॉल में एक अनुसंधान परिषद मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की अनुसंधान गतिविधियों और पहलों से संबंधित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा और विचार-विमर्श करना था। बैठक में वाईबीएन विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित होने वाली वाईबीएन विश्वविद्यालय रांची डॉक्टरेट प्रवेश परीक्षा 2023 की तैयारियों और प्रगति की समीक्षा की गयी। प्रतिभागीयों को आकर्षित करने के लिये प्रचार और संपर्क रणनीतियों की चर्चा हुयी। साथ ही परीक्षा की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन मानदंड से संबंधित मुद्दों को संबोधित किया गया। दूसरे विषय में वाईबीएन विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के अंतर्गत आयोजित हुये स्कूल अनुसंधान समिति की बैठकों की मिनट्स की समीक्षा की गयी। बैठक में किसी भी अपूर्ण मामलों या अनसुलझे मुद्दों के बारे में आगे की प्रक्रिया पर चर्चा हुयी। तीसरे विषय में आगामी डॉक्टरेट पाठ्यक्रम परीक्षा 2022 की तैयारियों और प्रगति की समीक्षा की गयी। मीटिंग में आगामी पाठ्यक्रम परीक्षा 2022 के लिये आने वाली चुनौतियों या समस्याओं पर चर्चा की गयी। आगामी अवधि के लिये अनुसंधान परिषद की पुनर्गठन पर चर्चा की गयी। परिषद के सदस्यों की भूमिका और जिम्मेदारियों की समीक्षा की गयी। विशेषज्ञता और अनुसंधान योगदान के आधार पर नए सदस्यों की नियुक्ति की गयी। डॉक्टरेट पढ़ने वाले शोधार्थियों के लिये अवार्ड की अधिसूचना की समीक्षा की गयी। जो अपने शोध कार्य पूरा कर चुके हैं। अवार्ड देने के लिये उपयोग किये गये मूल्यांकन प्रक्रिया और मानदंडों पर चर्चा हुयी। इन छात्रों को उनकी प्राप्तियों के लिये मान्यता और बधाई दी गयी। वाईबीएन विश्वविद्यालय के पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 की योजना और संगठन की चर्चा हुयी। सम्मेलन के विषय, उपविषय और उद्देश्यों की समीक्षा की गयी। पेपर सबमिशन, पीयर रिव्यू प्रक्रिया, मुख्य वक्ता और लॉजिस्टिक्स जैसे विभिन्न सम्मेलन से संबंधित कार्यों के लिये जिम्मेदारियों का कार्यभार निर्धारित किया गया। आवश्यकता के मुताबिक, मीटिंग के अन्य विषयों को चर्चा के लिये उठाया गया और उनमें से कुछ मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद संगठन की महत्वपूर्ण निर्णयों और कार्रवाइयों का सारांश बनाया गया। कार्रवाइयों के लिये जिम्मेदारियों और अंतिम तिथियों को निर्धारित किया गया। किसी फॉलो-अप कार्य या संचार की आवश्यकता को स्पष्ट किया गया। मीटिंग को सम्पूर्ण होने पर सभी मौजूदगनों को उनकी भागीदारी के लिये धन्यवाद दिया गया। मीटिंग में विशेष रूप से विश्वविद्यालय के सभी स्कूल के डीन के साथ डीएसडब्ल्यू, निदेशक आईक्यूएसी, रजिस्ट्रार और सीओई उपस्थित थे।

न्यायालय के आदेश के बावजूद हकदारों को नहीं मिल रहा है जमीन पर कब्जा

आजाद सिपाही संवाददाता

भूखंड के हिस्सेदारों ने उपायुक्त को आवेदन देकर न्यायालय के आदेश के आलोक में सभी छह हिस्सेदारों के बीच बराबर बराबर जमीन का बंटवारा कर पंजी 2 में नाम दर्ज कर ऑनलाइन रसीद निर्गत कराने की मांग की है।

अनगड़ा। थाना क्षेत्र के बैजनाटाटा गांव स्थित 26. 64 एकड़ जमीन पर न्यायालय के आदेश के बावजूद उनके वारिशों को कब्जा नहीं मिल पा रहा है। इसको लेकर भूखण्ड के हिस्सेदारों क्रमशः राजेश्वर महतो, महाबीर महतो, श्यामसुंदर महतो, डेंबू महतो, बसरू महतो, बबलु महतो, दिलीप महतो, गोविंद महतो आदि ने उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर न्यायालय के आदेश के आलोक में सभी छह हिस्सेदारों के बीच बराबर बराबर जमीन का बंटवारा कर पंजी 2 में नाम दर्ज कर ऑनलाइन रसीद निर्गत कराने हेतु कार्रवाई करने की मांग की है। मालूम हो कि बैजनाटाटा में खाता संख्या 26 व 189, प्लॉट संख्या 1455, 1456, 1457, 1458 एवं अन्य में कुल रकबा 2664 एकड़ भूमि संतोष महतो पिता जुगनू महतो के नाम पर खतियान में दर्ज है। संतोष महतो की छह पुत्रियां क्रमशः सोहरी महतवाईन, पंचमी महतवाईन, लाबोध महतवाईन, काशो महतवाईन, मोहरी महतवाईन एवं सुबोधनी महतवाईन थी। संतोष महतो का कोई पुत्र नहीं था। लिहाजा उक्त पैतृक जमीन पर सभी छह बहनों का अधिकार बनता है। किन्तु वर्तमान में केवल एक पुत्री सुबोधनी महतवाईन के नाम पर पूरे रकबा का जमाबंदी कायम है। जमाबंदी रद्द कर सभी बहनों के नाम पर बाहिस्सा बराबर जमीन का बंटवारा करने को लेकर न्यायालय में पार्टीशन सूट वाद संख्या 11/1972 दायर किया गया था। जिसमें न्यायालय के आदेश के आधार पर सुबोधनी के नाम पर दर्ज जमाबंदी के स्थान पर सभी जमीन के हिस्सेदारों के नाम पर जमाबंदी दर्ज करने की अनुशंसा तत्कालीन सीओ द्वारा की गई थी। इसके पूर्व सन् 1982 में न्यायालय से डिग्री मिलने के बाद सभी हकदारों को दखल दहानी दिलायी गई थी तथा जमीन पर लाल झंडा गाड़ने के बाद ढोल पीटकर इसका एलान किया गया था। मामले में सुलहनामा को लेकर विगत 12 जनवरी 23 को ग्राम पंचायत अनगड़ा की एक बैठक भी की गई थी, पर बैठक में प्रतिवादी पक्ष जयराम महतो वगैरह उपस्थित नहीं हुए थे। मामले को लेकर सीओ एवं थाना प्रभारी को भी आवेदन देकर उक्त जमीन पर कब्जा दिलाने का आग्रह किया गया है, पर अभी तक कोई कारवाई नहीं की गई। इधर प्रतिवादी पक्ष सुबोधनी महतवाईन के पुत्र जयराम महतो से इस बाबत पूछे जाने पर बताया कि उसकी मां ने इस जमीन को पूर्व में कोर्ट में हुए एक केस में डिग्री हासिल किया है तथा इस जमीन पर 50 वर्षों से उनका दखल कब्जा और जोत-कोड़ है। सुबोधनी के नाम पर पूरे रकबा का जमाबंदी कायम है तथा ऑनलाइन लगान रसीद भी कटते आ रहा है। जयराम महतो ने आरोप लगाया कि कुछ लोग नाजायज तरीके से उनकी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

महत्वपूर्ण न्यूज

ग्राम प्रधानों की समस्याओं को लेकर सांसद से की मुलाकात, ज्ञापन सौंपा

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। ग्राम प्रधानों की विभिन्न समस्याओं के सामाधान की मांग को लेकर रविवार को ग्राम प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष उमेश बड़ाईक ने राज्यसभा सांसद आदित्य प्रसाद से मुलाकात की। मौके पर उन्हें एक ज्ञापन भी दिया गया जिसमें मृत्यु के उपरांत खाली पड़े राजस्व गांवों में नए ग्रामप्रधान का चयन करने, मानदेय का असमान भुगतान पर रोक लगाते हुए सभी को समान मानदेय का भुगतान सुनिश्चित कराने, पूर्व में मासिक ग्रामसभा के लिए उपायुक्त स्तर पर दिशा-निर्देश दिया जाता था, पर अब ऐसा नहीं किया जाता है। इस व्यवस्था को फिर से शुरू कराने, ग्रामसभा की अनुशंसा को अधिकारियों द्धारा प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही में लाने आदि मांग शामिल है। सांसद ने ग्रामप्रधानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया तथा मुख्य सचिव झारखण्ड सरकार के नाम एक पत्र प्रेषित कर यथाशीघ्र ग्रामप्रधानों की समस्याओं के निराकरण हेतु कार्यवाही करने का आग्रह किया है। फोटोः 25 जून अनगड़ा 1पी-सांसद को मांगपत्र सौंपते उमेश बड़ाईक व अन्य

जैलेंद्र कुमार ने घर-घर जनसंपर्क कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष की उपलब्धियों को बताया

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। अनगड़ा के सुदूर बरवादाग पंचायत के सुदूर मुसांगू गांव में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष जैलेंद्र कुमार ने पार्टी द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रम घर-घर जनसंपर्क कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष की उपलब्धियों को जनता के बीच रखा। साथ ही 2024 में फिर से मोदी सरकार बनाने के लिए कमल फूल पर बटन दबाने का आह्वान किया। मौके पर समाजसेवी बुधराम, रामदास बेदिया से अन्य लोग शामिल थे।

दर्जनों लोग आजसू और कांग्रेस पार्टी छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में हुए शामिल

नामकुम (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा नामकुम प्रखंड समिति की बैठक रविवार को ग्राम सहेरा में किया गया। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष बिरीस मिंज व संचालन सचिव मो.मोजाहिद हुसैन ने किया। बैठक में संगठन को मजबूत करने, वर्तमान में चल रहे सदस्यता अभियान को तेज करने और जिनका बुक कट चुका है। उसे जल्द से जल्द जमा करने के बारे में सुझाव दिया गया। साथ ही अंचल कार्यालय में ज्ञापन सौंपने को लेकर चर्चा किया गया। जिसमें खास तौर पर जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र नहीं बनता है, उसे जल्द से जल्द बनाने को लेकर ज्ञापन सौंपा जायेगा। वहीं, 8 कार्यकताओं ने आजसू और कांग्रेस पार्टी को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का सदस्यता ग्रहण किये। इस बैठक में उपाध्यक्ष विनोद लकडा, चामुबेक, सोहेल अंसारी, प्रेम पाहन, महिला कार्यकर्ता ओलिभा कच्छप, सीठीयो पंचायत अध्यक्ष विजय लिंडा, सचिव नौशाद अली, कुटियातू पंचायत अध्यक्ष पताल माली, सिलादोन पंचायत अध्यक्ष फैसल अंसारी उपस्थित थे। झारखंड मुक्ति मोर्चा ज्वाइन करने वालों में ऋषभ कुमार महतो, विनीत तोपो, संदीप कच्छप, अनुकत एक्का, आयुष तोपों, विनेश लिंडा, अंशु कच्छप, मंगल मकड़ा, मनोवर अंसारी शामिल है।

खिजरी विधायक राजेश कच्छप की अनुशंसा पर चार लोगों को मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष का दिलाया लाभ

नामकुम (आजाद सिपाही)। खिजरी विधायक राजेश कच्छप के अनुशंसा पर मुख्यमंत्री चिकित्सा अनुदान राहत कोष के तहत खिजरी विधान सभा क्षेत्र के 4 लोगों को कुल 1 लाख 75 हजार रुपये विभिन्न रोगों से पीड़ित व्यक्तियों को लाभ दिलाया गया। जो रविवार को नामकुम लुपुंगटोली स्थित आवास में खिजरी विधायक राजेश कच्छप के हाथों चेक सौंपा गया। मौके पर विधायक ने कहा कि जनता के हर सुख दुःख में मैं एवं हमारी सरकार खड़ी है। जनता के हर समस्या के सामाधान का प्रयास करुंगा। लाभुक मोनोशवरी कुमारी, ग्राम कामता, थाना अनगड़ा को 40 हजार (कैंसर पीड़ित), गिरिबाला देवी, थाना अनगड़ा को 35 हजार (मिर्गी पीड़ित), लक्ष्मी लिण्डा, ग्राम सिन्दवारटोली, थाना नामकुम को 50 हजार (ट्यूबरकुलमा पीड़ित) एवं खुर्शीद अहमद, ग्राम जामा मस्जिद ईरबा, थाना ओरमांझी को 50 हजार (किडनी रोग पीड़ित) को चेक का वितरण किया। मौके पर बोकारो से वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र प्रसाद राय, रमेश उरांव, पंकज मिश्रा, मुकेश कुमार महतो, आनन्द राय, मोनोशवरी कुमारी, बिदेशी बेदिया, सीमा लिण्डा, तारिक अनवर, जितेन्द्र महतो, पंचु तिर्की, प्रवल कुजूर, बबलू लकड़ा, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक के साथ अन्य लोग उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर ओरमांझी थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित

ओरमांझी (आजाद सिपाही)। बकरीद पर्व को लेकर ओरमांझी थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने की। बैठक में सभी सम्प्रदाय के लोगों ने पर्व को शांति से मनाने का संकल्प लिया। बैठक में पूर्व सांसद रामटहल चौधरी के साथ डीएसपी क्रिस्टोफर केरकेट्टा, प्रमुख अनुपमा देवी, उप प्रमुख रिजवान अंसारी, थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह, अशोक गुप्ता, तुलसी खरवार, रमेश उरांव, सत्य नारायण तिवारी, अन्जीत महतो, सत्तार अंसारी, मुन्तजिर अहमद रजा, खालिक खान, दुर्गा शंकर साहू, सत्यनारायण सिंह, रुपा सिंह, बालक पाहन, विनीता कुजूर, नीरज नायक आदि लोगों ने भाग लिया। बैठक का संचालन पूर्व उप प्रमुख लालू उर्फ जयगोविंद साहू ने किया।

शहर की नालियों पर अतिक्रमण सफाई में है बाधक : अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर रविवार को कई वार्ड का दौरा कर पानी और नाली की समस्या स्वयं जाकर देखते हुए कहा कि ज्यादातर नाली वही जाम पड़े हैं जहां नाली का अतिक्रमण किया गया है। प्रथम महापौर ने कहा मैं कई बार कहीं हूं लोग नाली के ऊपर से जब तक अतिक्रमण हटाने नहीं देंगे नाली साफ नहीं होगी और रोड के ऊपर पानी आता रहेगा। जिसकी खामियाजा दूसरे लोगों को उठाना

पड़ता है। जहां पर नाली का अतिक्रमण नहीं है उस एरिया को निगम पूर्व की भांति चरणबद्ध तरीका से सफाई करना शुरू कर दिया है। एक सवाल के जवाब में प्रथम महापौर ने कहा कि हमारा शहर तो फिर भी अच्छा है आप दिल्ली, मुंबई, मद्रास, कोलकाता भी जायेंगे जहां के निगम के पास न फंड की कमी है और ना ही इक्विपमेंट, टेक्नोलॉजी और मेन पावर की पर वहां के भी कई एरिया पानी में कई दिनों तक डूबे रहते है। हमारा शहर भी काफी पुराना है कोई इसका मास्टर प्लान नहीं था इसलिए कई कठिनाइयां होती है।

प्रथम महापौर ने आज हमीदगंज के हरिजन मोहल्ला, महिंद्रा एंक्लेव, वृंदावन गार्डन और बैंकर्स कॉलोनी के लोगों से मिलकर उनके द्वारा बतायें निगम की कमियों को जल्द दूर करने का भरोसा दिलाया।

हुसैनाबाद में भाजपा के प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन

वक्ताओं ने कहा : 1975 की इमरजेंसी लोकतंत्र के लिए काला धब्बा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। 9 साल सेवा सुशासन का भाजपा सरकार द्वारा जनहित में किये गये प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओ को लेकर हुसैनाबाद के रिद्धि सिद्धि होटल में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस प्रबुद्ध सम्मेलन के जिला के प्रभारी रविन्द्र कुमार सिंह और विधानसभा प्रभारी बिनोद कुमार सिंह मौजूद थे। प्रबुद्ध सम्मेलन में हुसैनाबाद के शिक्षक, वरिष्ठ नागरिक, वकील बंधु को अंग वस्त्र दे कर सम्मानित किया गया। मौके पर आये प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने 1975 के आपातकाल पर चर्चा किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता

नगर मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता ने की जबकि संचालन श्रवण अग्रवाल ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी रविंद्र कुमार सिंह व इस कार्यक्रम के प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने कहा कि 1975 के तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा रातों रात इमरजेंसी लगाकर पूरे देश के नागरिको के अधिकारों को बंधक बना लिया गया था। प्रेस मीडिया की आजादी छीन ली गयी, विपक्ष के सारे नेताओं को जेल भेज दिया गया और दो वर्षों तक आपातकाल लागू रखा गया। यह दिन भारतीय इतिहास और लोकतंत्र के लिए काला धब्बा है। इस कार्यक्रम में धुव्र अग्रवाल, शिक्षक अंगद किशोर, वकील संजय सिंह, राकेश विश्वकर्मा, धीरेन्द्र सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता रामप्रवेश सिंह, प्रेमतोष कुमार सिंह, रंजीत पासवान, जिला मंत्री संतोष सिंह, जय विश्वकर्मा, रणविजय सिंह, अशोक विश्वकर्मा, डीके सिंह, विधानचंद्र ठाकुर, संतोष गुप्ता, सुबोध कश्यप, गुड्डू सिंह समेत सैकड़ों प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

ग्रामसभा से होता है विधायक कोटा की योजना का चयन : विधायक

विधायक कमलेश सिंह ने हुसैनाबाद प्रवास के दौरान पार्टी और विकास कार्यों की समीक्षा की

मेरा बूथ मेरी पहचान अभियान का किया शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद/हरिहरगंज। हुसैनाबाद हरिहरगंज विधायक कमलेश कुमार सिंह ने दो दिनों के हुसैनाबाद प्रवास के दौरान एनसीपी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी के संगठन की समीक्षा की। उन्होंने रविवार को मेरा बूथ मेरी पहचान अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर पार्टी का संगठन मजबूत करने के बाद ही गांव और पंचायत स्तर पर कमेटी का गठन किया जायेगा। उन्होंने सभी पांच प्रखंडों में संगठन की मजबूती को लेकर टीम

का गठन भी किया। उन्होंने कहा कि एनसीपी के सभी प्रकोष्ठों का भी साथ साथ गठन करने की हिदायत प्रकोष्ठों के अध्यक्षों को दी। उन्होंने कहा कि उनके बाद 2009 से 2019 तक और उसके बाद का आकलन जनता के सामने प्रस्तुत करें कार्यकर्ता। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूरी पारदर्शिता के साथ ग्राम सभा के माध्यम से विधायक कोटा की राशि से विकास के कार्य बिना भेद भाव सभी गांव में कराने का काम किया है। उन्होंने कहा कि दूसरे विधान सभा से हुसैनाबाद विधानसभा का आकलन करें। हुसैनाबाद में 20 घंटे बिजली मिल रही है। सभी ग्रामीण सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सभी कब्रिस्तानों की घेराबंदी, हरिजन गांव टोला की सड़क, मंदिरों तक सड़क, स्वास्थ्य सेवा में सुधार, शिक्षा व्यवस्था में सुधार के साथ साथ अन्य कई कार्य किये गये हैं। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही तीन साल की उपलब्धियां जनता के सामने प्रस्तुत करेंगे। जनता मालिक है, उन्हे हिसाब लेने का हक है। अगर कहीं कमी रही है तो उसे बतायें, उनकी समस्या का भी समाधान होगा। मौके पर मनान खान, विनय पासवान, बिमलेश सिंह, मनदीप राम, नरेश रजवार, ओमप्रकाश गोरख पासवान, के अलावा कई लोग मौजूद थे।

एलसीएम कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने भंडरा में लगाया चिकित्सा शिविर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। बिश्रामपुर स्थित लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के द्वारा भंडार ग्राम पंचायत में मुफ्त चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 111 मरीजों का चिकित्सीय जांच के बाद इलाज किया गया। मरीजों को मुफ्त में दवा भी दिया गया। शिविर में मरीजों का जांच व उपचार डॉ एसपी साहिनी व डॉ चंदन कुमार ने किया।

वहीं नर्स संतोषी हंसदा, ममता कुमारी, फार्मासिस्ट धर्मेंद्र कुमार, लेब टेक्नीशियन राकेश कुमार, मो.खुर्शीद आलम ने मरीजों के जांच व उपचार में चिकित्सकों का सहयोग किया। इससे पहले शिविर का उद्घाटन विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी चंद्रवंशी मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल शिक्षा और उपचार के साथ साथ चिकित्सा सेवा भी लोगों को मुहैया कराता है।

पूर्व मंत्री सह विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी जो एलसीएम कॉलेज एंड हॉस्पिटल के संस्थापक भी हैं, उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र के सभी पंचायत में चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। स्वस्थ सेवा का विस्तार भी करने का निर्देश उन्होंने दिया है। मौके पर मुखिया आरती देवी, शेष पासवान, प्रभात पांडेय, दिलीप चंद्रवंशी सहित कई लोग मौजूद थे।

स्वामी विवेकानंद की मूर्ति का पूजन मेरा सौभाग्य : महापौर

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। श्रीरामकृष्ण मां शारदा सेवा समिति द्वारा स्वामी विवेकानंद चौक शाहपुर में स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति पूजन का कार्यक्रम रखा गया है जहां स्वामी विवेकानंद जी के मूर्ति की आरती समिति के अध्यक्ष राजदेव उपाध्याय जी ने कर कार्यक्रम की शुरूआत की। समिति के अध्यक्ष ने कहा कि निगम द्वारा पुरानी मूर्ति को हटाकर नया आदम कद मूर्ति स्थापित तो कर दिया गया है लेकिन मूर्ति स्थापित करने के बाद मूर्ति पूजा नहीं किया गया जिसे आज कर पूर्ण कर लिया गया। माल्यार्पण मुख्य अतिथि प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने की। प्रथम महापौर ने इस अवसर पर कहा कि निगम द्वारा निर्मित स्वामी विवेकानंद जी के नाम यह चौक जिसका उद्घाटन मेरे कार्यकाल में ही किया गया था आज लोग वहां

पूजा अर्चना कर रहे जिसकी मुझे बेहद खुशी है। इसी तरह हर चौक चौराहे पर सभी विभूतियों को सम्मान मिलना चाहिए। प्रथम महापौर ने कहा कि इस चौक के रखरखाव में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं होगी। समिति को कहीं भी किसी चीज की आवश्यकता हो तो बेझिझक मुझसे मिले। निगम ने अन्य चौक चौराहों की तरह इस चौक को भी बहुत खूबसूरत ढंग से बनाया है जहां लोग रात को 12 बजे भी सेल्फी लेते नजर आते। कुछ दिन पूर्व इस चौक पर भी ठंडे पानी का आरो प्लांट निगम द्वारा लगाया गया है जहां राहगीरों को शीतल जल मिले। प्रथम महापौर ने कहा कि इसकी सुरक्षा स्थानीय लोगों को ही करनी है क्योंकि इसका उपयोग आप सभी करेंगे। इस अवसर पर इस समिति के संरक्षक बिहारी प्रसाद, व्यास मुनि त्रिपाठी,मानस कुमार अड्डी, केएस भट्टाचार्य, अंकित दत्ता, धीरज जायसवाल, भोला प्रसाद, विजय चंद्रवंशी, चंचला देवी, प्रमिला देवी, अनीशा खातून तथा काफी संख्या में लोग मां शारदा समिति द्वारा आयोजित पूजा में उपस्थित थे।

उंटारीरोड में एक-एक कर 12 हिरणों की मौत, वन विभाग बना मूकदर्शक

लवकुश कुमार सिंह

उंटारी रोड़(पलामू)। राज्य सरकार वन जीवों को बचाने के लिए भले ही कितना संजीदा हो लेकिन वन विभाग की उदासीनता की वजह से उंटारी रोड़ प्रखंड में हिरणों के मरने का सिलसिला अब भी जारी है। इस भीषण गर्मी में पानी की तलाश में जैसे ही हिरण गांवों में पहुचते है। आप लोग उनके पानी की व्यवस्था जंगली क्षेत्र में करायें नहीं तो कुत्ते अपना शिकार बना लेंगे। लेकिन इस बात का असर आज तक वन विभाग की टीम पर नहीं पड़ा जिसकी वजह से अब तक कुल 12 हिरण में 11 हिरण कि मौत हो चुकी है। अभी हाल ही में दोनों हिरणों को कुत्तों ने झेल दिया था। जिसमें एक हिरण की मौत तत्काल हो गयी थी। जबकि एक हिरण की मौत दूसरे दिन हो गयी। जिससे आयुष्मान भारत के प्रांगण

में मरने के बाद पहुंचे रेंजर संजीव कुमार चौधरी उंटारी रोड थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मुरमा कला में वनरक्षक के साथ पन्यासा जगह का जायजा लिया और कहा कि तत्काल विधि व्यवस्था दो-तीन दिन में आदमी लगवा करके अभी पानी का स्रोत जहां पर है सफाई करवा करके पानी कि व्यवस्था किया जायेगा। प्रखंड प्रमुख अलका कुमारी ने कहा कि अगर इस कार्य को कुछ दिन पहले किया जाता तो आज जो है 11 हिरण की मौत हुई है वह नहीं होती। वह जो 11 हिरण मरे हुये हैं बहुत दुखी की बात है कि इस जंगल से 11 हिरण की मौत हो गयी। साल भर पहले भी इस संबंध मे सूचना दिया गया था वन विभाग को लेकिन कोई करवाई नहीं किया गया। रेंजर ने वनरक्षक राजू रंजन कुमार को आश्वासन देकर गये कि दो-तीन दिन के अंदर जो है जहां पर पानी का स्रोत है वहां साफ सफाई करवा करके कुछ हल्का-फुल्का बनवा दीजिये ताकि जंगली जानवर को पानी पिने में सुविधा हो। इसके बावजूद वन विभाग ने कोई करवाई नहीं किया। दिन प्रतिदिन हिरण का मौत होती जा रहीं है। फिर एक हिरण कि मौत शानिवार को हो गयी है। अभी तक कुल 12 हिरण की मौत हो चुकी है। झारखंड सरकार को इस घटना पर ध्यान देना चाहिए और संज्ञान लेना चाहिए।

भाजपा ने पंचायतों में जनसंपर्क कर मोदी सरकार की बतायी उपलब्धियां

आजाद सिपाही संवाददाता

बिश्रामपुर (पलामू)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ साल पूरा होने के उपलक्ष में भाजपा ग्रामीण मंडल द्वारा केतात कला व गुरहा कला पंचायत में डोर टू डोर जनसंपर्क चलाया गया। इस दौरान भाजपा नेताओं कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा गरीब कल्याण के लिए चलाए गए सभी योजनाओं की जानकारी लोगों को विस्तृत रूप से दी। इस क्रम में वार्ड सदस्य राजेंद्र चौधरी व सुरेंद्र चौधरी अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए। सभी को ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अमरेश तिवारी ने माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। वरीय भाजपा नेता शिवबंश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नौ वर्ष का कार्यकाल सेवा, सुशासन, विकास और गरीब कल्याण के नाम रहा है। केंद्र सरकार की हर योजना गरीबों के कल्याण को समर्पित रहा है। मौके पर राधा साव, रमेश पाल, श्याम नारायण राम, प्रदीप चौधरी, कृष्ण मुरारी सिंह, छोटन सिंह, केश्वर चौधरी, दिलीप तिवारी, धनंजय तिवारी सहित कई लोग मौजूद थे।

पलामू में ब्यूरोक्रेसी की पहचान रहे एनडीसी शैलेश सिंह : नामधारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। कोरोना काल से लेकर अब तक सेवादारी के रूप में प्रख्यात जिले के प्रभावी पद पर अपनी सेवा दे चुके एनडीसी शैलेश कुमार सिंह को इंडियन रोटी बैंक ने सम्मानित किया। राष्ट्रीय उप-प्रभारी दीपक तिवारी के आवासीय कार्यालय में आयोजित सादे समारोह में कोर कमिटी सदस्य सोनू सिंह नामधारी एवं प्रदेश संरक्षक साहेब जी नामधारी समेत आईआरबी टीम ने बुके एवं शॉल देकर शैलेश सिंह के उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। इस दौरान आईआरबी प्रभारी दीपक तिवारी ने बताया कि नाम के अनुरूप शैलेश कुमार सिंह की छवि हिमालय की तरह अडिग रहा। जिनसे पलामू के युवा को सक्रिय, सजग, सुलभ

रहने की कार्यशैली सीखनी चाहिए। अपने पद के अलावा हमेशा अधिकतर प्रभार लेकर भी जिम्मेदारी के साथ सभी पदों का निर्वहन कर शैलेश कुमार सिंह ने पलामू में अधिकारी के तौर पर अलग छवि गढ़ी है, वो अन्य के लिए अनुकरणीय है। कोरोना काल में दिन-रात प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर आपदा से निपटने वाले सेवादार अधिकारी को पलामू हमेशा याद रखेगा। दीपक तिवारी ने कहा कि पंचायत चुनाव को संजीदगी से संपन्न कराने वाले जिला उप-निर्वाचन पदाधिकारी के तौर पर शैलेश कुमार सिंह ने लोकसभा, विधानसभा जैसे सभी चुनाव अपनी कार्यकुशलता के बदौलत अमली जामा पहनाया। सम्मान समारोह में पलामू जनसेवक संघ के जिलाध्यक्ष आलोक पाण्डेय, रोटी बैंक के सहयोगी सब इंस्पेक्टर संजीव कुमार, कुणाल किशोर, जिला कॉर्डिनेटर मनीष यादव, राकेश तिवारी मिकू, दक्ष तिवारी समेत पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

धोनी फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते दिखे: एयर होस्टेस ने चॉकलेट के साथ चिट्ठी दी, इकोनॉमी क्लास में कर रहे थे सफर

पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी फ्लाइट में कैंडी क्रश खेलते दिखे

एयर होस्टेस ने चॉकलेट के साथ चिट्ठी भी दी, इकोनॉमी क्लास में कर रहे थे सफर

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी पत्नी साक्षी के साथ रविवार को इंडिगो की फ्लाइट में अपने टैबलेट में कैंडी क्रश खेलते नजर आये। धोनी इकोनॉमी क्लास में सफर कर रहे थे।

वायरल हुए वीडियो में नजर आता है कि एयर होस्टेस धोनी के पास गयी और उन्हें एक नोट (चिट्ठी) के साथ चॉकलेट भी ऑफर की। एयर होस्टेस नितिका ने ही इंस्टाग्राम पर ये वीडियो शेयर किया।

धोनी ने खजूर का पैकेट उठाया, इस दौरान उनके टैबलेट में कैंडी क्रश गेम खुला था।

खजूर का पैकेट उठाया

एयर होस्टेस ने धोनी को मिठाई और चॉकलेट की पेशकश की, धोनी ने 'ओमानी खजूर' का एक पैकेट उठाया। ड्यूटी पर लौटने से पहले एयर होस्टेस ने उनसे बातचीत भी की।

2012 में रिलीज हुआ था कैंडी क्रश

कैंडी क्रश एक पजल गेम है। इसमें 3 एक जैसी टाइल को मैच कर के आगे बढ़ना होता है। 2012 में इसे पहली बार मार्केट में लाया गया था। तब से ही बहुत लोकप्रिय है।

अगले आइपीएल में भी दिख सकते है धोनी

धोनी अगला आइपीएल खेलते नजर आ सकते हैं। 29 मई को पांचवी बार कछ खिताब जीतने पर धोनी ने कहा था- अगर आप मौका देखें तो रिटायरमेंट की घोषणा के लिए ये सबसे अच्छा समय है। मेरे लिए सबको धन्यवाद देते हुए रिटायर होना आसान है। जबकि 9 महीने कड़ी मेहनत

करना और एक और आइपीएल सीजन खेलना मुश्किल काम है। ये मेरी ओर से तोहफा होगा। ये मेरी बॉडी के लिए आसान नहीं होगा।

धोनी ने 1 जून को मुंबई में कराया था ऑपरेशन

धोनी की आइपीएल 2023 के फाइनल के बाद 1 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में घुटने की सर्जरी हुई थी। धोनी का ऑपरेशन डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था। पारदीवाला ऋषभ पंत और टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा का भी ऑपरेशन कर चुके हैं।

बलियापुर थाना में हुई शांति समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

सिंदरी। बकरीद त्यौहार को लेकर रविवार को बलियापुर थाना परिसर में थाना प्रभारी सूबेदार कुमार यादव की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें जनप्रतिनिधियों के अलावे प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। आगामी 29 जून को शांति एवं सौहार्द पूर्ण माहौल में बकरीद त्यौहार को मनाए जाने पर चर्चा हुई। बैठक में बलियापुर प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष राजेंद्र किस्कू, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण महतो, पूर्व जिप सदस्य घनश्याम ग्रोवर, दिनेश सिंह, दिलीप कुमार महतो, अनवर अली खान, महावीर महतो, मुखिया गणेश महतो, कुलदीप अग्रवाल, शकील अंसारी, मुस्ताक आलम, खगेन पांडेय, इलताफ अंसारी, अल्पना मुखर्जी, सीमा देवी, संजीत गोराई, कन्हाई बनर्जी, समीर मुर्मू, उत्तम चौबे, हिरुचरण महतो, आशीष मुखर्जी, मंटू रवानी, गोउर मंडल, रविकांत शर्मा, दिनेश सरखेल, अब्दुल अहद, शेख आजाद, गुहीराम पाल, सुबल गोराई, इसराइल अंसारी, शेख दिलू,खगेन महतो, संजीत गोराई आदि मौजूद थे।

बहुजन महापुरुषों के सपनों का भारत बनायेगी भीम आर्मी: गोवर्धन

आजाद सिपाही संवाददाता

करगली(बेरमो)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन झारखंड प्रदेश कमिटी के आह्वान पर भीम आर्मी बोकारो जिला ने गांव चलो अभियान चलाया। अभियान की शुरूआत बेरमो प्रखंड के बेरमो पूर्वी पंचायत रविदास बस्ती एंव जरीडीह पंचायत के रविदास बस्ती में सम्पर्क अभियान किया गया। सभी बस्तियों से उस गांव से जुडी पांच ज्वलंत मुद्धो के बारे में जाना गया। इन सभी मुद्धे राज्य कमिटी को सौंपा जाएगा। उसके उपरांत एक बहुत बडी रैली कर सभी मुद्धो को निबटारा कराने हेतू राज्य सरकार को मांग पत्र सौंप जाने का निर्णय लिया गया। यह गांव चलो अभियान पुरे झारखंड के सभी जिलो मे रविवार से एक साथ शुरूवात किया गया है। जो जिलो के सभी प्रखंडो मे जाएगी। भीम आर्मी जिला अध्यक्ष गोवर्धन रविदास ने भीम आर्मी चीफ चन्द्रशेखर आजाद, राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह एंव झारखंड प्रदेश अध्यक्ष संजय रविराज पूरे प्रदेश के टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम चलने से ज्यादा से ज्यादा लोग संगठन से जूड रहे है। आगामी 20 जुलाई को भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह का आगमन झारखंड के धनबाद टाउन हॉल मे होगा। प्रदेश के सभी साथियों को बैठक कर भीम आर्मी के विचारधारा से अवगत कराएंगे। साथ ही भीम आर्मी का आठवां स्थापना दिवस भी धनबाद मे मनाए जाने की बात कही। उन्होंने सभी लोगों से इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। ताकि भीम आर्मी बहुजन महापुरुषों के सपनों का भारत का निर्माण किया जा सके।

बाराती में गये चालक को दूल्हे के भाई ने कर दी पिटाई, दी गोली मारने की धमकी

महुदा (आजाद सिपाही)। महुदा थाना क्षेत्र के एक मारुती चालक के साथ बाराती से वापस आने के क्रम में मारपीट गाली गलौज व जान से मारने का मामला सामने आया हैं। पादुगोड़ा निवासी स्व टिकू बावरी (चालक) ने महुदा थाना में आवेदन देकर महुदा बाजार स्थित खटाल में रहने वाले राज यादव पर बारात से वापस लौटने के दौरान मारपीट व गोली मार देने की धमकी का आरोप लगाया है। 23 जून को बनारसी यादव के घर से टिकू अपनी गाड़ी लेकर केंदुआ बारात गया था। वापस लौटने के दौरान बारातियों के बिठाने को लेकर बनारसी यादव के बड़े पुत्र राज यादव से कहासुनी हो गया। इस दौरान राज यादव ने टिकू के साथ मारपीट, गाली गलौज और जान से मार देने की धमकी देते हुए कहा जिस दिन रांची में मिलेगा गोली मार देंगे। वहीं राज यादव ने भी महुदा थाने में आवेदन देकर अपने साथ मारपीट करने की शिकायत किया हैं।

राष्ट्रीय सम्मेलन धनबाद में कराने का हुआ निर्णय

लोयाबाद। अखिल भारतीय राजभर संगठन की एक बैठक रविवार को लोयाबाद दुगार्मंदिर मे हुई। बैठक मे सर्वसम्मति से संगठन का राष्ट्रीय सम्मेलन धनबाद मे कराने का निर्णय लिया गया। बैठक मे रामराज भर ने कहा कि संगठन अपने समाज मे शिक्षा को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा देने के साथ समाजिक कुरुतियो को भी दुर करने का काम करेगी। संगठन के लोग समाज को एकत्रित कर उनके बीच जाए। अध्यक्षता राम अवध राजभर एवं संचालन पलकधारी राजभर ने किया। बैठक मे मुख्य रूप से रामराज राजभर, हरेंद्र राजभर, लखेन्दर राजभर, शंकर राजभर, देवेन्द्र राजभर, शोभनाथ राजभर, लच्छीराम राजभर, पप्पू राजभर, संजय राजभर, विक्रम राजभर, रंजीत राजभर, राजकुमार राजभर, सोनु राजभर, केशविहारी राजभर सहित अन्य लोग शामिल रहे।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। चिरकुंडा, कुमारधुबी और गलफरबाड़ी ओपी में रविवार को बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक हुई, कुमारधुबी ओपी में बैठक ए एस आई वसीम अनवर खान, जबकि गलफरबाड़ी ओपी मे बैठक की अध्यक्षता ओपी प्रभारी मो अशफाक आलम ने किया। वही कुमार धुबी ओपी में बैठक का संचालन माले नेता नागेंद्र सिंह के द्वारा किया गया, जबकि गलफर बाड़ी ओपी में संचालन मनु अधिकारी द्वारा किया गया, वही गलफडबाड़ी ओपी प्रभारी अशफाक आलम ने सभी से शांति से त्योहार मनाने की अपील की। किसी भी तरह की अनहोनी या सूचना होने पर तुरंत प्रशासन को सूचित करने को कहा। वक्ताओं ने कहा कि हम लोग का क्षेत्र बहुत ही शांतिप्रिय क्षेत्र है, आज तक किसी भी तरह की कोई अनहोनी नहीं हुई है और आगे भी हम लोग भाई चारे के साथ त्यौहार को मनाएंगे। बैठक में माले नेता नागेंद्र सिंह, सुनीता सिंह, बिट्टू मिश्रा, उप प्रमुख विनोद दास, इरफान अहमद खान, कासिम अंसारी, जियाउल हुसैन, मोहम्मद मुस्तकीम, मुख्तार अली, सोनू, अनवर हुसैन, मोहम्मद शौकत अली, अजय राम, काकोली मुखर्जी, पवन कर्म, प्रदीप बावरी, मनु अधिकारी, कल्याणी देवी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कतरी नदी में मनरेगा कार्य मशीन से कराने के विरोध में बैठक

कतरास। रविवार को पंचायत समिति सदस्यों और उप मुखियाओं की बैठक लिलोरी मंदिर प्रांगण के पुराना पार्क में हुई। अध्यक्षता पंचायत समिति सदस्य डीपी महतो ने किया। बैठक में जमुआटांड पंचायत के कतरी नदी में हो रहे मनरेगा के कार्य स्थल पर पोकलेन मशीन द्वारा कार्य कराने की घोर निंदा करते हुए विरोध प्रकट किया गया। उपस्थित पंचायत समिति सदस्यगण व उप मुखियाओं ने एक स्वर में कहा कि इस तरह का कार्य अगर मुखिया द्वारा किया जा रहा है, तो यह कहीं न कहीं अफसरशाही है। अफसर मुखिया लोगों को बढ़ावा दे रहे है। जिस कारण दिन के उजाले में मशीन द्वारा मनरेगा कार्य स्थल में पोकलेम मशीन से काम कराया जा रहा था। उपस्थित लोगों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का मांग किया। कहा कार्रवाई नही हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। मौके पर गौतम महतो, मो नसीम, सुरेश रजक, रुकदेव रवानी, अमृत रवानी, राजू रजक, राजेश राय, धनेश्वर प्रसाद महतो, सोनी देवी, अजीत महतो, संजय साव, सरस्वती देवी, विकास कुमार रविदास, राजू चौहान, शिव कुमार दास, अजय दास, राम प्रसाद सिंह, हीरालाल दास आदि थे।

बकाया मजदूरी की मांग को लेकर दूसरी बार थाने के समीप धरने पर बैठा संजय

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। मजदूरी की मांग को लेकर लोयाबाद का संजय शर्मा ने रविवार को लोयाबाद थाना के पास दूसरी बार अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है।इससे पहले संजय 25 मई को धरना पर बैठा था, तो तत्कालीन थानेदार विकास यादव के आश्वासन पर धरना स्थगित कर दिया था। रविवार को दूसरी बार धरना शुरू होते ही लोयाबाद पुलिस हरकत में आ गयी। नए थाना प्रभारी राजन राम ने तुरन्त फ्रंट लाइन कम्पनी के सुजीत शर्मा से बात करके मजदूरी भुगतान करने को कहा। इधर राम रहीम से मशहूर राजकुमार महतो व असलम मंसूरी ने भी संजय शर्मा का बकाया मजदूरी दिलाने का आश्वासन दिया। पुलिस और दोनों नेता के आश्वासन के बाद संजय शर्मा ने धरना तत्काल स्थगित कर दिया। संजय ने कहा कि मुझे प्रशासन और राम रहीम पर पूरा भरोसा है ये लोग मेरे साथ है तो हमे अब मजदूरी मिल जायेगी। बताया जाता है कि संजय पांच साल पहले शराब कम्पनी में मजदूरी करता था उसी समय का करीब 75 हजार बकाया है। संजय ने कहा कि हम कम्पनी के पास वर्षो से चक्कर लगाकर थक गए हम गरीब है हमारा परिवार फांकाकशी के दौर से गुजर रहा है। मेरे पास धरना पर बैठने के अलावे कोई उपाय नही है। अगर इसके बाद भी मजदूरी नही मिली तो आत्मदाह करना ही अंतिम रास्ता बचेगा।

खनन के लिए जमीन खाली कराने को लेकर क्वार्टरों का सर्वे हुआ शुरू

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। कनकनी कोलियरी के सेन्द्रा में क्वाटर का सर्वे एक बार फिर शुरू हुआ है। सर्वे के बाद सभी को यहां से हटाया जयगा। बीसीसीएल को कोयला खनन के लिये जमीन कम पड़ रही है। सभी क्वाटर में, नंबरिंग करके प्रबंधन पता लगाएगा की कितने अवैध रूप से रहने वाले है,कितने खाली है,कितने बीसीसीएल कर्मी है। प्रबंधन का कहना है कि यहां की जमीन कटिंग होना है, नई आउटसोर्सिंग राम अवतार के लिए जमीन कम पड़ रही है। इसलिए सर्वे करके यहां पता लगाया जायेगा कि अब तक कितने लोग अवैध रूप से रह रहे हैं। सेन्द्रा 3 नंबर, हाड़ी पट्टी, बाउरी पट्टी, आदि जगह पर बीसीसीएल के सर्वे डिपार्टमेंट के लोगो ने सुबह से काम शुरू किया, सर्वे का काम करीब तीन दिनों से चल रहा है। रिपोर्ट मुख्यालय भेजा जायेगा, फिर मुख्यालय के आदेश के बाद लोगो को यहां से हटाने की परिक्रिया पूरी होंगी। इधर स्थानीय का कहना है कि हम लोगो किसी भी कीमत पे बेलगढ़िया नही जायेंगे, बेलगढ़िया काफी दूर है। हमारा यहां से रोजगार जुड़ा हुआ है। हमे मंदिर के साथ नजदीक में कही बसाया जाएं। पहले सर्वे हुआ था,अब फिर किया जा रहा है कि पहले के अपेक्षा और कितना इंक्रोचमेंट बढ़ा है, कंपनी को जमीन खाली चाहिए,राम अवतार आउटसोर्सिंग कम्पनी के काम में सर्वे वाले हिस्से की जगह हर हाल में खाली चाहिए, मुख्यालय आदेश के बाद सभी हटाया जयगा।

नावाडीह थाना में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

नावाडीह(बेरमो) (आजाद सिपाही)। नावाडीह थाना परिसर में बकरीद पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नावाडीह सीओ अशोक कुमार सिन्हा ने की। इसमें प्रमुख पूनम देवी व बीडीओ संजय शांडिल्य आदि विशिष्ट रूप से उपस्थित थे। बैठक में प्रखंड के विभिन्न पंचायत से जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवियों ने शामिल हुए। इस बैठक में बकरीद पर्व शांति और भाईचारे के साथ मनाने पर चर्चा की गयी। मौके पर प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि बकरीद खुशियों व आपसी भाईचारे का त्योहार है। इस त्योहार को शांति और खुशहाली से मनाएं। सीओ अशोक कुमार सिन्हा ने भाईचारे एवं सद्भावना पूर्वक पर्व को मनाने की अपील की। थाना प्रभारी मनीष कुमार ने कहा कि आपसी भाईचारे सौहार्दपूर्ण वातावरण को बिगाड़ने का अगर कोई असामाजिक तत्व प्रयास किया तो पुलिस प्रशासन ऐसे तत्वों के साथ सख्ती से पेश आयेगी। मौके पर मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष विश्वनाथ महतो, मुखिया नरेश विश्वकर्मा, नंदलाल नायक, बीस सूत्री उपाध्यक्ष गणेश महतो, पूर्व मुखिया रणविजय सिंह, पूर्व पंस सदस्य महबूब आलम, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इमरान अंसारी, नरेश प्रसाद गुप्ता, बालेश्वर महतो, सल्लार खान, मुरली सिंह सहित दोनों समुदाय के लोग मौजूद थे।

बेटी को गड्ढे से जिंदा किया बरामद तो तीसरा पुलिस को ओबी डंप के समीप मिला मां का शव

पत्नी को पत्थर से कुचल मौत के घाट उतारा, बेटी का गला घोंटा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनसार। रविवार को तीसरा थाना क्षेत्र के 14 न0 में ओबी डंप के समीप एक महिला शव जमीन पर पड़ा मिला। स्थानीय लोगों ने शव देख इसकी सूचना पुलिस को दी। पहचान छुपाने की नीयत से मृतक के चेहरे को पत्थर से पूरी तरह कुचल दिया गया था। सूचना पाकर पहुंची तीसरा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिए और उसकी शिनाख्त में जुट गई। वहीं शव मिलने की सूचना जंगल मे आग की तरह आसपास के क्षेत्र में फैल गयी और देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। आसनसोल की रहने वाली सुनीता शर्मा के रूप में मृतक की पहचान हुई। जिसके बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तब तक 14 नड में शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली जिसके बाद सभी घटनास्थल पहुंचे चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था। कपड़े और गले के चैन से महिला के शव की शिनाख्त हुई। जिसके बाद वह पुलिस के साथ अपनी बहन को ढूंढ रहे थे इसी दौरान शव मिलने की सूचना मिली आकर देखा तो उक्त शव सुनीता का था। लाल बाबू शर्मा ने बहन के पति उमेश व उसके परिवार पर हत्या का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।

10 वर्षीय बच्ची का पहले गला घोंटा, मृत समझ गड्ढे में फेंक झाड़ियों से छुपाया

वहीं दूसरी ओर मृतक की 10 वर्षीय बेटी को धनसार थाना की पुलिस ने बेड़ा में झाड़ियों के समीप एक गड्ढे से बरामद किया। पुलिस ने बच्ची से उसके परिजनों की जानकारी ली और परिजनों को इसकी जानकारी दी। रात के लगभग 3 बजे परिजन धनसार थाना पहुंचे। बच्ची ने परिजनो को बताया कि उसके पिता ने उसकी मां को मार दिया है और उसका गला घोंट दिया। जिस कारण वह बेहोश हो गयी। बच्ची को मृत समझ उसे बेड़ा के समीप एक गड्ढे मे फेंक के झाड़ियों में छुपा दिया। जब उसे होश आया था उक्त स्थल के समिप से कुछ बीसीसीएल कर्मियों को देख बच्ची ने उन्हें आवाज दी। जिसके बाद कर्मियों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। वहीं बच्ची के बयान के आधार पर धनसार पुलिस अहले सुबह बच्ची व परिजन के साथ उसकी मां के शव को ढूंढती हुई आमटाल तक पहुंच गई।

मृतक के भाई ने लगाया पति पर हत्या का आरोप

मृतक सुनीता शर्मा के भाई लाल बाबू शर्मा ने बताया कि बरोरा के रहने वाले उमेश शर्मा से उसकी बहन सुनीता की शादी हुई थी। उसकी दो बेटी है। शादी के कुछ दिन बाद से ही दोनों में।परिवारिक विवाद चल रहा था। जिस कारण सुनीता अपने भाई लाल बाबू शर्मा के साथ आसनसोल में ही रह रही थी। कई बार स्थानीय थाना में दोनों का विवाद सलटाने लेकर बैठकें भी हई। फिलहाल धनबाद न्यायालय में विचारधीन था। पिछले कई दिनों से सुनीता का पति सुलह के लिए उसे बुला रहा था। शनिवार को शक्तिपुंज एक्सप्रेस से सुनीता अपनी बड़ी बेटी को लेकर धनबाद आयी। उसका पति उमेश भी स्टेशन पहुंचा और उसे अपने साथ ले गया। इसके बाद उन दोनों का कोई पता नहीं चला। रात लगभग 11 बजे धनसार पुलिस का फोन आया बच्ची के बारे में बताया गया। आनन फानन में वे रात के 3 बजे धनसार थाना पहुंचे जहां बच्ची ने पूरी कहानी बताई।

पांच दिवसीय हनुमंत, शीतला प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ कलश यात्रा के साथ आरंभ

जैनामोड़(बेरमो)। जरीडीह प्रखंड के व्यस्तम बाजार जैनामोड़ के पोस्टाफिस गली स्थित शिवशक्ति धाम मंदिर में यज्ञोपवीत्र मंत्रोचार के आचार्य सुभाष देव पाण्डेय के द्वारा देवपूजन संस्कार किया गया। इस पूजन के बाद भारी संख्या में श्रद्धालु कलश लेकर 4 किलोमीटर तपती धूप में खांजो नदी के तट पर उपस्थित होकर जल कलश लेकर हनुमंत, शीतला प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ में पहुंचीं। यज्ञ समिति के अध्यक्ष फणीचंद्र गोस्वामी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सह समिति सदस्य राजू तिवारी, कोषाध्यक्ष प्रभु शर्मा, संयोजक नंदकिशोर सिंह के नेतृत्व में समिति सदस्यों के सहयोग से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस कलश यात्रा में 1008 श्रद्धालु महिलाओं ने पूरे भक्ति भाव से शामिल हुई। इस पांच दिवसीय शिवशक्ति यज्ञ में पारशमणी जी महाराज का दिव्य प्रलचन सुनने एवं सत्य ज्ञान की अनुभूति हजारों श्रोताओं को प्राप्त होगी।

जनता श्रमिक संघ के रामाधार सिंह को अध्यक्ष, रविकांत पासवान सचिव बनाये गये

कोयला देशहित के लिए जरूरी है, पर लोगों की जान से बढ़ कर नहीं: रागिनी सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। लोदना श्रमिक कल्याण में रविवार को जनता श्रमिक संघ के लोदना क्षेत्र के असंगठित मजदूर के कमिटी विस्तार को लेकर एक सभा हुआ। रामाधार सिंह को अध्यक्ष व रविकांत पासवान सचिव बनाए गए। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संघ के संयुक्त महामंत्री रागिनी सिंह ने कहा कि कोयला देश हित के लिए जरूरी है पर लोगों के जान से बढ़ कर नही है। प्रबंधन हमारे संघ व स्थानीय लोगों से बात कर ही कोयला का उत्पादन करे। नियम के विरोध काम करने पर आउटसोर्सिंग का चक्का जाम कर देंगे। अपने यूनियन के साथ साथ सभी के समस्याओं के लिए हमेशा तत्पर रहता है। क्षेत्रीय सचिव रविकांत पासवान ने कहा कि लोदना क्षेत्र छह व नौ नंबर साइडिंग के 252 मजदूरों को वर्ष 2006 से कंपनी ने पीएफ का राशि जमा नही किया है। उस राशि को सीएमपीएफ में जमा करवाना संघ का प्राथमिक मुद्दा है। मौके पर संजय यादव, शैलेंद्र सिंह, रामाधार सिंह, रविकांत पासवान, आलोक मिश्रा, गोपाल चौधरी, पप्पू पासवान, राघवेंद्र यादव, संजय चौहान, टिंकू पासवान, अमित सिंह, चंदो पासवान थे।

नयामोड़ फोरलेन सड़क बनानेवाली कंपनी पर कार्रवाई करें बोकारो उपायुक्त: अमित

राज्य सरकार में फैले भ्रष्टाचार का प्रमाण है नयामोड़ फोरलेन सड़क : अमित

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बोकारो के उकरीद से गरगा पुल भाया नयामोड़ निमार्णाधीन फोरलेन सड़क में निर्माण कम्पनी के द्वारा भारी अनियमितता और लापरवाही बरतने के खिलाफ आज भाजपा नेता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री कुमार अमित ने बड़ी संख्या में लोगों के साथ नयामोड़ में विरोध प्रदर्शन किया। इससे पूर्व कुमार अमित के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने उकरीद से नया मोड़ तक पदयात्रा भी किया और पाया कि इस सड़क निर्माण में लगी कम्पनी ने उकरीद से लेकर नयामोड़, हवाई अड्डा और गरगापुल तक पूर्व से सड़क किनारे लगे अनेकों पेड़ और लोहे के बिजली खम्भों को बिना उखाड़े ही चौड़ीकरण का काम कर रहा है जिसके कारण ये पेड़ और बिजली के पोल सड़क के बीच में आ गए हैं। सेल के पाइप लाइन के उपर से सड़क बना दिया गया है। इस अवसर पर अमित ने कहा कि सड़क निर्माण कम्पनी की इस लापरवाही से कभी भी बोकारो में भीषण सड़क दुर्घटना हो सकती है। इस सड़क के एलाइंमेंट में भी बहुत सारी खामियां है। निर्माण कंपनी और राज्य सरकार के सड़क निर्माण विभाग द्वारा मिलीभगत से यह कार्य किया जा रहा है। जिसका खामियाजा बोकारो की जनता को भुगतना पड़ेगा। इस कम्पनी द्वारा विभाग से साठगांठ करके जल्दीबाजी में बिल निकासी के लिए नियमों को ताक पर रख कर की जा रही लापरवाही से इस निर्माण में बड़े पैमाने भ्रष्टाचार की भी पुरी सम्भावना है। बोकारो में दिन दहाड़े नियमों को दरकिनार कर मुख्य सड़क के निर्माण में धांधली हो रही है और इसमें जिला प्रशासन का मूक दर्शक बने रहना संकेत करता है कि इस घटिया निर्माण कम्पनी को राज्य सरकार का पुरा संरक्षण प्राप्त है। इस सरकार के संरक्षण में पूरे झारखंड के सड़क निर्माण में लूट मची है पर हमलोग बोकारो के विकास के आड़ में भष्टाचारियों को उनका खजाना भरने नहीं देगें। श्री कुमार अमित ने इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से जिला प्रशासन के द्वारा पहल करके इस निर्माण कंपनी की बिल निकासी पर अविलम्ब रोक लगाते हुए इस अनियमितता की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। उन्होंने इस घटिया निर्माण को लेकर उच्च न्यायलय में जनहित याचिका भी दायर करने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विनय आनंद भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह,आलोक कुमार सचिन सिंह, विशाल गौतम युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष, लालबाबू नगर महामंत्री चन्द्रप्रकाश शैलेश गोल्डी सिंह कमल राज अरविन्द सिंह राजकुमार, श्री नीरज कुमार, श्री शिवनाथ रॉय, श्री कृष्णा कालिंन्दी, श्री कुमार कई भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

सम्मान : त्रिपुरा सरकार ने लिया बड़ा फैसला

सीमावर्ती 75 गांवों को अब स्वतंत्रता सेनानियों के नाम से जाना जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

त्रिपुरा। त्रिपुरा सरकार ने राज्य के 75 सीमावर्ती गांवों का नामकरण उन स्वतंत्रता सेनानियों के नाम पर करने का फैसला किया है जिन्होंने आजादी की लड़ाई के दौरान अपने प्राणों की आहूति दी थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने के मौके पर शुरू की गयी पहल 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में 75 सीमावर्ती गांवों का नाम बदलने की परियोजना शुरू की गयी है।

सूचना एवं सांस्कृतिक सचिव पीके चक्रवर्ती ने कहा कि देश की आजादी में स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने का कार्यक्रम जुलाई में शुरू होगा जो इस साल 15 अगस्त तक पूरा होगा। उन्होंने कहा कि ये 75 सीमावर्ती गांव सभी आठ जिलों में स्थित हैं और इनकी पहचान जिला स्तरीय समितियों द्वारा की जायेगी। प्रशासन ने पहले ही राज्य के स्वतंत्रता सेनानियों की सूची तैयार कर ली है और देश की आजादी की लड़ाई में उनके योगदान की भी जानकारी जुटा ली है।

चक्रवर्ती ने कहा कि इन गांवों में 75 स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं स्थापित की जायेंगी और उनके परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा सम्मानित किया जायेगा। अधिकारी ने कहा कि केंद्र ने योजना को लागू करने के लिए पहले ही 3.13 करोड़ रुपये मंजूर कर दिये हैं।

ओड़िशा में पहली बार समम ने चार जिंदगियां बचाने के लिए ब्रेन डेड मरीज के अंग निकाले

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के चिकित्सा इतिहास में पहली बार शनिवार को यहां सम अल्टिमेट मेडिकेयर (समम) में एक ब्रेन डेड मरीज से निकाले गये कई अंगों को प्रत्यारोपण के लिए तीन अलग-अलग शहरों में भेजा गया, जिससे चार गंभीर मरीजों को नया जीवन मिला। एक असाधारण उपलब्धि में ब्रेन डेड मरीज प्रसेनजीत महांति के दो गुर्दे, दो फेफड़े और लीवर सहित कई अंगों को उनके परिवार के समर्थन और अनुमोदन से पुनः प्राप्त किया गया, जबकि सरकारी एजेंसियों के माध्यम से उत्कृष्ट समन्वय ने अंगों को दो निजी अस्पतालों में प्रत्यारोपण के लिए भेजा गया।

समम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ श्वेतपद्मा दाश ने रविवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि प्रत्यारोपण के लिए नयी दिल्ली और कोलकाता के अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने अस्पताल से बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक दो एंबुलेंस में अंगों को ले जाने के लिए भुवनेश्वर में एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया, जहां से इन्हें बाहरी चिकित्सा टीमों के साथ दोनों शहरों में भेजा गया।

दोनों किडनी में से एक को कल रात समम में एक प्रतीक्षारत मरीज में प्रत्यारोपित किया गया, जबकि दूसरी अन्य मरीज पर प्रत्यारोपण के लिए कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल को भेजा गया।

पैराक्वाट विषाक्तता से पीड़ित एक 16 वर्षीय लड़के की गंभीर स्थिति को संबोधित करने के लिए दोनों फेफड़ों को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भेजा गया, जिसने इसीएमओ द्वारा समर्थित होने के दौरान अंगों के लिए 45 दिनों के चुनौतीपूर्ण इंतजार को सहन किया। लीवर को नयी दिल्ली में एक अन्य निजी स्वास्थ्य सुविधा में ले जाया गया, जिससे एक और गंभीर रोगी को जीवन बचाने का अवसर मिला।

समम में सलाहकार न्यूरो सर्जन डॉ सोमनाथ प्रसाद जेना ने कहा कि 43 वर्षीय महांति, जिन्हें गिरने के बाद सिर में गंभीर चोट लगी थी, उन्हें 22 जून को समम में भर्ती कराया गया था और आपातकालीन मस्तिष्क सर्जरी की गयी थी। हालांकि सर्जरी के बाद उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुआ, लेकिन बाद में यह बिगड़ गयी। डॉ जेना ने कहा कि 23 जून को किये गये एपनिया परीक्षण में एक सकारात्मक रिपोर्ट आयी, जिससे पता चला कि मरीज का मस्तिष्क मृत था। छह घंटे के बाद दूसरा परीक्षण किया गया, जिसमें पिछली रिपोर्ट की पुष्टि हुई। डॉ दास ने कहा कि जब परिवार के सदस्यों को मरीज की चिकित्सा स्थिति के बारे में सूचित किया गया, तो उन्होंने उसके अंगों को दान करने की पेशकश की। क्योंकि इससे दूसरों की जान बचाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण निर्णय था और हम मरीज की पत्नी सुश्री मृदुमंजरी महापात्र को अंग दान करने के उनके साहसिक निर्णय के लिए सलाम करते हैं।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 62 साल बाद एक साथ आया मानसून

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली और महाराष्ट्र में रविवार सुबह मानसून की एंट्री हो गयी। मौसम विभाग के मुताबिक 62 साल बाद दोनों जगह एक साथ मानसून पहुंचा है। इससे पहले 21 जून 1961 को दोनों जगह एक ही दिन मानसून दाखिल हुआ था। अगले दो दिनों में मानसून दिल्ली और मुंबई को पूरी तरह कवर कर लेगा।

मुंबई में शनिवार से हो रही बारिश में जेजे फ्लाईओवर पर पानी भर गया। आज शहर के कुछ हिस्सों के लिए यलो और कुछ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। देश के 23 राज्यों में अगले चार दिन भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

केदारनाथ यात्रा पर लगायी रोक

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड में रविवार सुबह से हो रही बारिश से पहाड़ों पर जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। केदारनाथ पैदल मार्ग पर छोटे नाले उफान पर आ गये हैं। भारी बारिश को देखते हुए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने सुबह करीब 10:30 बजे केदारनाथ यात्रा रोक दी। यात्रियों को सोनप्रयाग में ही रोक दिया गया। साथ ही सोनप्रयाग-गौरीकुंड के बीच चलने वाली शटल टैक्सी सेवा के वाहन के ऊपर पत्थर गिरने से चालक की मौत हो गयी।

नवाज फिर बन सकेंगे पाकिस्तान के पीएम

- पाकिस्तान की संसद ने आजीवन अयोग्यता वाला कानून बदला, अब 5 साल ही रहेंगे डिस्क्वॉलिफाई

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ लंदन से मुल्क लौटकर न सिर्फ चुनाव लड़ सकेंगे, बल्कि जीतने पर फिर प्रधानमंत्री भी बन सकेंगे। पाकिस्तान की संसद ने लाइफटाइम डिस्क्वॉलिफिकेशन को रद्द कर दिया है। नये कानून के तहत किसी भी सांसद को अब 5 साल से ज्यादा के लिए अयोग्य करार नहीं दिया जा सकेगा। नये कानून का फायदा नवाज के साथ नयी पार्टी इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी के चीफ जहांगीर खान तरीन को भी मिलेगा। इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी में ज्यादातर वही नेता हैं, जिन्होंने 9 मई की हिंसा के बाद इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ छोड़ी है। माना जा रहा है कि इस पार्टी को फौज ने ही तैयार कराया है, ताकि इमरान को सियासी तौर पर खत्म किया जा सके।

पति की खरीदी संपत्ति में पत्नी बराबर की हकदार : हाइकोर्ट

- मद्रास हाइकोर्ट बोला- भले पैसा पति ने कमाया, लेकिन यह पत्नी की वजह से संभव

आजाद सिपाही संवाददाता

चेन्नई। एक महत्वपूर्ण फैसले में मद्रास हाइकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक पत्नी, उस संपत्ति में बराबर की हकदार हे, जिसे उसके पति ने अपने नाम पर खरीदा है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसने घरेलू कामकाज करके पारिवारिक संपत्ति के बनाने और खरीदने में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है। जस्टिस कृष्णन रामासामी ने कहा कि हालांकि वर्तमान में ऐसा कोई कानून नहीं है, जो पत्नी के योगदान को मान्यता देता हो, कोर्ट ही इसे अच्छी तरह मान्यता दे सकता है। कानून भी किसी जज को पत्नी के योगदान को मान्यता देने से नहीं रोकता है। कन्नियन नायडू ने एडिशनल डिस्ट्रिक्ट और सेशन कोर्ट में याचिका लगायी थी। उसने कहा था कि उसकी पत्नी वो संपत्ति हड़पना चाहती है, जिसे खरीदने के लिए लिए उसने पत्नी को पैसे भेजे थे।

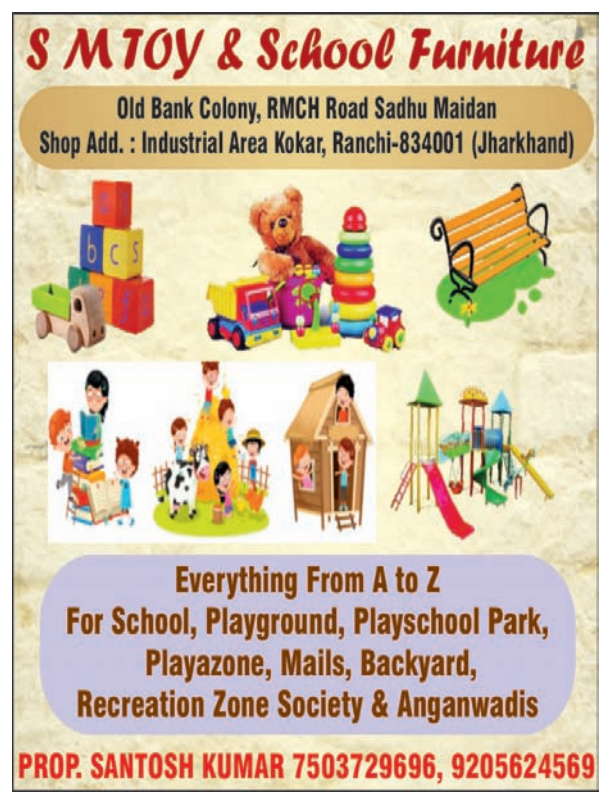

भाजपा ही करेगी क्षेत्र का विकास : लक्ष्मण प्रसाद सिंह

- भाजपा का लाभार्थी सम्मेलन 30 जून को

आजाद सिपाही संवाददाता

गावां गिरिडीह। गावां प्रखंड अंतर्गत जमडार पंचायत में रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने की, जबकि बैठक में मुख्य रूप से पूर्व आइजी सह भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा महा जनसंपर्क अभियान के तहत 30 जून को गावां प्रखंड के जमडार पंचायत में लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जायेगा। सम्मेलन में नौ वर्षों में भारत के पीएम नरेंद्र भाई मोदी द्वारा पीएम आवास, उज्ज्वला गैस, जल नल योजना आदि योजनाओं का लाभ मिला है। वैसे लाभार्थियों का सम्मेलन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी की सरकार में सभी वर्ग के लोगों को लाभ हुआ है। दूसरी तरफ राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। राज्य का विकास पुरी तरह रुक गया है।

जिलाध्यक्ष महादेव दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश स्तर के पदाधिकारी के साथ-साथ जिला एवं प्रखंड स्तर के पदाधिकारी सहित शक्ति केंद्रो के अध्यक्ष व भाजपा समर्थित पंचायत प्रतिनिधिगण भाग लेंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर संगठन स्तर पर तैयारी की जा रही है। मौके पर अजय रंजन, रामचन्द्र ठाकुर, प्रह्लाद सिंह, मनोज यादव, श्रीराम यादव, लक्ष्मण मोदी, अमरदीप निराला, चंद्रशेखर आजाद, सुनील शर्मा, आनंदी यादव समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आइसीएमआर की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

कोविड-19 के बाद सडेन हार्ट अटैक के मामले बढ़े

- गैर संक्रमितों में भी देखा गया जोखिम

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पिछले दो साल का डेटा देखें तो पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर सडेन हार्ट अटैक के मामलों में भारी उछाल आया है। चिंताजनक बात ये है कि इसके सबसे ज्यादा शिकार 25-44 के आयुवर्ग वाले लोग हो रहे हैं, जिन्हें कुछ दशकों पहले तक हृदय रोगों के जोखिमों से काफी सुरक्षित माना जाता रहा था। पार्टी में डांस करते, काम करते-करते अचानक आये हार्ट अटैक के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, पर आखिर इसकी असली वजह क्या है? हार्ट अटैक इतना कॉमन क्यों होता जा रहा है, इसे समझने के लिए शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में बड़ा खुलासा किया है।

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) के विशेषज्ञों ने हाल ही में किए एक अध्ययन में बताया कि कोविड-19 के बाद सडेन हार्ट अटैक के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। संक्रमण के दुष्प्रभावों के कारण कम उम्र के लोग भी इसके शिकार रहे हैं। कोविड के शिकार या जिन्हें संक्रमण नहीं भी हुआ, उनमें भी इसका जोखिम देखा जा रहा है।

कोरोना ने फेफड़ों को किया प्रभावित

हार्ट अटैक के कारणों को जानने के लिए शोधकर्ताओं ने दिल के दौरे से मरने वाले 100 से अधिक लोगों की जांच की। इसमें पाया गया कि हार्ट अटैक के शिकार ज्यादातर वे लोग हुए, जो महामारी के दौरान संक्रमण की चपेट में आये थे। शवों की एमआरआइ जांच में कोरोना के कारण हृदय-फेफड़ों की समस्याओं के बारे में पता चला। इसके पहले के अध्ययनों में भी यह स्पष्ट किया गया था कि कोरोना वायरस हृदय के लिए समस्याएं बढ़ा रहा है।

कोरोना का हृदय पर पड़ा दुष्प्रभाव

दिसंबर 2022 में हुए एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया कि कोरोना, हृदय और फेफड़े दोनों को क्षति पहुंचाता है। वायरस आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन यह हृदय की गंभीर समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। वायरस के कारण होने वाली फेफड़ों की क्षति के कारण हृदय की मांसपेशियों तक ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुंच पाता है, जिसके कारण हृदय के ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा धमनियों पर भी कोरोना के दुष्प्रभावों के बारे में अलर्ट किया गया था, जो सीधे तौर पर हृदय की गंभीर समस्याओं का कारक है।

प्रतिकूल परिस्थितियों ने बढ़ा दिया जोखिम

आइसीएमआर की रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोना वायरस ने लोगों को गंभीर रूप से संक्रमित किया, इसके कारण होने वाली थकान-कमजोरी के चलते लोगों में शारीरिक निष्क्रियता बढ़ी और खान-पान में गड़बड़ी भी देखी गयी, ये सभी हार्ट अटैक के जोखिमों को बढ़ाने वाली स्थितियां हैं। इसके अलावा जो लोग संक्रमण से सुरक्षित रहे फिर भी हार्ट अटैक के शिकार हुए उनमें इसका प्रमुख कारण लंबे समय तक बैठना और उस हिसाब से व्यायाम या शारीरिक निष्क्रियता में कमी देखी गयी। लॉकडाउन की परिस्थितियों में व्यायाम या शारीरिक मेहनत की कमी आयी, जिसने लोगों की सेहत को प्रभावित किया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**